रांची, शनिवार

26.09.2026

वर्ष : 11, अंक : 294, पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति ने छह देशों के राजदूतों के परिचय पत्र स्वीकार किए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में फिनलैंड, वियतनाम, मैक्सिको, एस्टोनिया, यूरोपीय संघ और बेल्जियम के राजदूतों के परिचय-पत्र स्वीकार किए। फिनलैंड के राजदूत मिक्को किविकोस्की ने सबसे पहले राष्ट्रपति को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए। इसके बाद वियतनाम के राजदूत त्रिन्ह मिन्ह मनह, मैक्सिको के राजदूत पेड्रो ब्लांको पेरेज और एस्टोनिया की राजदूत क्रिस्टी कारेलसोहन ने अपने परिचय-पत्र सौंपे। यूरोपीय संघ के राजदूत जीन-एरिक पाको और बेल्जियम की राजदूत सोफी कार्लशॉसेन ने भी राष्ट्रपति मुर्मु को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए।

अनंत चतुर्दशी को लेकर बाबा मंदिर में उमड़ी भीड़

देवघर। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी का पर्व बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में अनंत कथा का श्रवण कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच 14 गांठों वाले अनंत सूत्र को धारण करने को लेकर भी खासा उत्साह देखा गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप एवं शेषनाग की पूजा की जाती है। श्रद्धालु व्रत रखकर जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने अनंत कथा का श्रवण किया और विधि-विधान से अनंत सूत्र धारण किया। मान्यता है कि अनंत सूत्र में लगी 14 गांठें 14 लोकों और भगवान विष्णु के विभिन्न स्वरूपों का प्रतीक मानी जाती हैं। इसे भगवान विष्णु के प्रति श्रद्धा और रक्षा-संकल्प के प्रतीक के रूप में धारण किया जाता है।

राज्य में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई इलाकों में जलजमाव, 27 तक येलो अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बने अती निम्न दबाव के कारण पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश से पूरा झारखंड पानी पानी हो गया है। शुक्रवार को भी दिनभर बारिश होती रही। इससे राज्य की कई नदियां, नाले, डैम एवं वाटरफॉल उफान पर है, जबकि राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न शहरों के कई मुहल्लों में बारिश का पानी घर में घुस गया।

रांची के पंडरा, हरमू, अरगोड़ा, कोकर, हिनू, धुर्वा, अशोकनगर, अपर बाजार सहित विभिन्न इलाकों में सड़कों पर भारी जल जमाव की स्थिति बनी हुई है। साथ ही कई घरों में बारिश का पानी घुस जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के कारण रांची के कोकर और डोरंडा सहित कई इलाकों में सड़क पर पेड़ गिर गए। इससे यातायात बाधित हो गया। वहीं बारिश के कारण रांची के अधिकांश इलाकों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई रही।

मौसम विभाग ने 26 और 27 सितंबर तक गर्जन के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने 28 सितंबर से बारिश से राहत की संभावना जताई है।

विभाग के अनुसार, दक्षिण छत्तीसगढ़ और उससे सटे दक्षिण के अंदरूनी ओडिशा के ऊपर बना अति निम्न दबाव पिछले 15 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह सुबह तक रायपुर (छत्तीसगढ़) से लगभग 70 किमी पूर्व, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से 90 किमी दक्षिण, चंपा (छत्तीसगढ़) से 90 किमी दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम और पेंड्रा रोड (छत्तीसगढ़) से 170 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और आनेवाले समय में अति निम्न दबाव की तीव्रता बनाए रहने की काफी संभावना है। इसके बाद के 12 घंटों में इसके कमजोर होकर 'वेल-मार्क्ड लो प्रेशर एरिया' (स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) में बदलने की उम्मीद है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश सरायकेला में 94.5 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान रांची में 41 मिमी बारिश दर्ज की गई।

शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री और न्यूनतम 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 28 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 28.8 और न्यूनतम 24.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 28.1 डिग्री और न्यूनतम 23.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रांची में लगातार बारिश से जलजमाव, कई इलाकों में यातायात प्रभावित

रांची। राजधानी रांची में लगातार हो रही बारिश से शुक्रवार को शहर की कई प्रमुख सड़कों और निचले इलाकों में जलजमाव हो गया। सड़कों पर पानी जमा रहने से वाहनों की रफ्तार धीमी रही और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। लोगों को सामान्य आवाजाही में भी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के एजी मोड़, कडरू, कोकर, डोरंडा, सुरेंद्रनाथ स्कूल के आसपास, स्टेशन रोड, नामकुम और चुटिया सहित कई इलाकों में बारिश का असर साफ दिखा। कई जगह सड़क और नाली का अंतर खत्म हो गया तथा नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई। पैदल राहगीरों को भी पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। लगातार बारिश के बीच कई स्थानों पर तेज हवाओं के कारण पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से यातायात बाधित हुआ। बिजली के तार टूटने से कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। संबंधित विभागों की टीमें जलजमाव, गिरे पेड़ों और बिजली संबंधी समस्याओं को दूर करने में जुटी रहीं। बारिश का असर शहर के कारोबार पर भी पड़ा। सड़क किनारे दुकान लगाने वाले, रेहड़ी-पटरी कारोबारी और दैनिक मजदूरों को कामकाज में परेशानी हुई। बारिश के कारण बाजारों में लोगों की आवाजाही भी कम रही। मोहल्लों और कॉलोनियों की अंदरूनी सड़कों पर जलजमाव के कारण लोगों को घरों से निकलने में भी दिक्कत हुई। कई जगह बड़े पेड़ गिरने और अन्य घटनाओं से भी परेशानी बढ़ी। बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन के प्रभाव से पिछले दो-तीन दिनों से झारखंड में बारिश का दौर जारी है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 25 और 26 सितंबर को बारिश का असर बना रह सकता है। 27 सितंबर से मौसम में सुधार की संभावना है, जबकि 28 सितंबर से बारिश में राहत मिलने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश में बनी ब्रह्मोस पाकिस्तान की उड़ा रही है नींद: अमित शाह

एजेंसी

नोएडा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि आज उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बना है। निवेश के माहौल की पहली प्राथमिकता है कि कानून व्यवस्था ठीक हो। अनुकूल औद्योगिक नीति बने। उद्योग को बढ़ावा और सुविधा दिया जाए।

केंद्रीय गृह गृहमंत्री अमित शाह ने आज यहां इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में पांच दिवसीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआइटीएस) के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। यहां उद्योग के लिए अच्छा वातावरण है। उन्होंने कहा कि एक जमाने में यूपी में माफियाओं का शासन चलता था। वर्ष 2017 में भाजपा की सरकार यहां पर बनी। उसके बाद यूपी से माफियाओं को समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा इसी वजह से आज उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन बार प्रधानमंत्री बनकर नीतियों का निर्माण किया तथा नीतियों को जमीनी स्तर पर सही तरह से पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि साल 2047 तक का विश्व में हर क्षेत्र में भारत के नंबर वन बनने का संकल्प पूरा होगा। उन्होंने कहा कि निर्यात मे 2015 की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद के निर्यात में 11 गुना वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि छह राज्यों में 12 सेमी कंडक्टर की परियोजनाएं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को फिर भी यह डेड इकोनामी लगती है। उन्होंने कहा कि जिनकी सोच डेड हो गई हो उनको प्रोग्रेस दिखाई नहीं देता है। उन्हें हर जगह डेड ही डेड दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के लोग भारत की उन्नति को नहीं देख सकते।

उन्होंने यूपी का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने डिफेंस कॉरिडोर का स्टाल देखा। झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, कानपुर के कॉरिडोर को देखा। यहां डिफेंस के साधनों, मैन्युफैक्चरिंग के लिए इन्वेस्टमेंट आ रहा है और इसके कारण न केवल उत्तर प्रदेश में वरन देशभर के डिफेंस के उत्पादन का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि आज रक्षा उत्पादन लगभग 1,78,000 करोड़ को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013-14 की तुलना में रक्षा के उत्पादों के निर्यात में हमने 56 गुना वृद्धि की है और आज 80 देश में भारत के रक्षा के उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि यहां पर डिफरेंट कॉरिडोर बनाने के लिए योगी सरकार ने उसे इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ने के लिए अनुकूल नीतियां बनाने के लिए ढेर सारा काम किया है। उन्होंने कहा कि आज यूपी में बने ब्रह्मोस पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं। यह बदलाव का सबसे बड़ा लक्षण है। अमेठी में बनी एके-203 एसॉल्ट राइफल आज नक्सलवादी और आतंकवादियों की नींद उड़ा चुकी है।

भारी बारिश के अलर्ट के बीच रांची में आज सभी स्कूल रहेंगे बंद

बिभा संवाददाता

रांची। भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन ने शनिवार को रांची जिले के सभी स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर यह आदेश जारी किया है।

आदेश के तहत सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक और निजी स्कूलों में केजी से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई बंद रहेगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग और मौसम विज्ञान केंद्र, झारखंड, रांची की ओर से जारी विशेष बुलेटिन में जिले में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। रांची को येलो अलर्ट में रखा गया है।

स्कूल बंद रहने के बावजूद सरकारी स्कूलों के शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों को ई-विद्यावाहिनी में अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी और निर्धारित गैर-शैक्षणिक कार्य पूरे करने होंगे। किसी स्कूल में पहले से कोई अनिवार्य परीक्षा निर्धारित है तो उसके आयोजन के संबंध में प्रधानाध्यापक अपने स्तर से निर्णय ले सकेंगे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले स्कूल या संस्थान के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

रामगढ़ में 25 हजार लोगों ने एक साथ गाया वंदेमातरम

बिभा संवाददाता

रामगढ़। वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती के आह्वान पर रामगढ़ में आयोजित नमामि भारतम कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को रामगढ़ जिले में एक साथ, एक लय और एक स्वर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया।

जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं प्रमुख स्थानों पर हजारों लोगों ने एक साथ वंदे मातरम का गायन कर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की ओर से इस आयोजन को लेकर पिछले कई दिनों से व्यापक तैयारियां की जा रही थीं। विद्यालय परिवार के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और समाज के लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए संपर्क अभियान चलाया गया। इसके परिणामस्वरूप जिले में लगभग 25 हजार लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया। आयोजन में जिले के 27 विद्यालयों के छात्र, शिक्षक सहित अन्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वंदे मातरम भारत की राष्ट्रीय चेतना और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। इसके 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में एक साथ सामूहिक गायन का आयोजन गौरवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले में 25 हजार लोगों की सहभागिता समाज में राष्ट्रभावना के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय परिवार, अभिभावकों, पूर्व छात्रों एवं समाज के सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवीण ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, सम्मान और समर्पण की भावना का स्वर है। 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे देश के साथ रामगढ़ में भी हजारों लोगों का एक साथ वंदे मातरम् गाना गौरव का विषय है। जिले के 27 विद्यालयों के माध्यम से लगभग 25 हजार लोगों को इस अभियान से जोड़ना सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

एशियन गेम : कमलजीत-सुरुचि ने मचाया धमाल, शूटिंग में आया गोल्ड, भारत के खाते में 19 मेडल

एजेंसी

नई दिल्ली: कमलजीत और सुरुचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम के फाइनल में शुरूआत से ही अपनी पकड़ बनाए रखी। भारतीय जोड़ी ने दबाव के बीच लगातार शानदार निशाना लगाया और 484.6 अंक के स्कोर के साथ फाइनल खत्म कर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में दक्षिण कोरिया से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन कमलजीत और सुरुचि ने बढ़त बनाए रखी। उनका 484.6 का स्कोर मौजूदा वर्ल्ड रिकॉर्ड 488.4 से 3.8 अंक पीछे रहा। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड चीन की याओ कियानशुन और हू काई की जोड़ी ने जुलाई 2026 में बनाया था।

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम के फाइनल में भारत के अलावा दक्षिण कोरिया, ईरान और इंडोनेशिया की जोड़ियां मेडल की रेस में थीं। भारत के कमलजीत और सुरुचि ने 484.6 अंक के साथ गोल्ड जीता। दक्षिण कोरिया की सुह्योन होंग और गाउन चू की जोड़ी ने 478 अंक के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। ईरान की जोड़ी 415.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही और उसे ब्रॉन्ज मिला। इंडोनेशिया 349.4 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा। कमलजीत और सुरुचि ने इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया था और फाइनल में जगह बनाई थी।

शूटिंग में भारत के लिए एक और अच्छी खबर पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम से आई। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष पाटिल की भारतीय टीम ने सिल्वर मेडल जीता। टीम में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 589, नीरज कुमार ने 588 और रुद्राक्ष पाटिल ने 585 अंक हासिल किए। भारतीय टीम का कुल स्कोर 1762 अंक रहा, जबकि चीन ने 1766 अंक के साथ गोल्ड मेडल जीता।

भारत की मेडल टैली में 19 पदक

25 सितंबर की इस शानदार शुरूआत के बाद एशियन गेम्स 2026 में भारत के पदकों की संख्या 19 हो गई है। इनमें 2 गोल्ड, 8 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार भारत मेडल टैली में 12वें स्थान पर है।

ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी की 5वीं मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस का भव्य उद्घाटन

अब 'नॉलेज हब' के रूप में चमकेगी राजधानी : स्वास्थ्य मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड की राजधानी रांची में शुक्रवार को चिकित्सा इतिहास के सबसे बड़े सम्मेलनों में से एक– ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस) की 5वीं मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस 2026 का भव्य उद्घाटन हुआ। झारखंड ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (जेएचओएस) के तत्वावधान में होटल बीएनआर में आयोजित इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. बी. पी. कश्यप एवं आयोजन सचिव डॉ. भारती कश्यप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि देशभर से लगभग 1,500 वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों का रांची पहुंचना राज्य के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि रांची अब एक प्रमुख नॉलेज हब के रूप में उभर रहा है और रिसर्च तथा उच्च शिक्षा के मानचित्र पर सिरमौर बनने की ओर अग्रसर है। स्वास्थ्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक सर्जरी और आधुनिक हेल्थ टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए डॉ. बी. पी. कश्यप और डॉ. भारती कश्यप के योगदान की सराहना की।

आयोजन सचिव डॉ. भारती कश्यप ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य टियर-2 शहरों तक अनुसंधान और उच्चस्तरीय वैज्ञानिक अवसरों को पहुंचाना है, जिससे स्थानीय युवा डॉक्टरों की प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच मिल सके। आयोजन चेयरमैन डॉ. बी. पी. कश्यप ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन झारखंड को राष्ट्रीय चिकित्सा शोध के क्षेत्र में एक नई पहचान देगा।

उद्घाटन सत्र में एम्स के पूर्व आरपी सेंटर प्रमुख डॉ. जीवन तितियाल, डॉ. मोहन राजन, डॉ. चित्रा राममूर्ति, डॉ. नम्रता शर्मा और राष्ट्रीय महासचिव डॉ. संतोष होनावर सहित देश के दिग्गज नेत्र रोग विशेषज्ञ शामिल हुए। इस दौरान चिकित्सा अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई विशेषज्ञों को साइंटिफिक अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के पहले दिन अत्याधुनिक नेत्र शल्य चिकित्सा पर कई विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनमें लेजर से चश्मा हटाने की तकनीक पर डॉ. रोहित शेट्टी व डॉ. भारती कश्यप की मास्टरक्लास इन रिफ्रैक्टिव सर्जरी, सर्जरी की जटिलताओं पर अनप्लान्ड कट सेशन, डेफर्ड लाइव सर्जरी और मोतियाबिंद तथा ग्लूकोमा पर पर्ल्स ऑफ विजडम प्रमुख रहे। इन सत्रों का उद्देश्य नई तकनीकों के आदान-प्रदान से मरीजों को झारखंड में ही विश्वस्तरीय उपचार उपलब्ध कराना है।

नेपाल में भारी बारिश और भूस्खलन, काठमांडू आने-जाने वाले सभी प्रमुख राजमार्ग बंद

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू आने-जाने वाले सभी प्रमुख राजमार्ग भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गए हैं। गुरुवार दोपहर से लगातार हो रही बारिश के कारण पृथ्वी राजमार्ग, कान्ति लोकपथ और बीपी राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है।

पुलिस के अनुसार, धादिंग के कृष्णभीर समेत आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। धादिंग जिला पुलिस कार्यालय के एसपी सुमित खड्का ने बताया कि कृष्णभीर समेत सात स्थानों पर रात में पत्थरों के साथ भूस्खलन होने के कारण राजमार्ग पूरी तरह बंद हो गया।

गुरुवार शाम से ही पृथ्वी राजमार्ग पर रातभर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी। स्थानीय प्रशासन की योजना शुक्रवार सुबह 5 बजे से यातायात दोबारा शुरू करने की थी, लेकिन लगातार बारिश और नए भूस्खलन के कारण अब पृथ्वी राजमार्ग को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है।

धादिंग जिला प्रशासन कार्यालय ने शुक्रवार सुबह सूचना जारी कर अगले आदेश तक पृथ्वी राजमार्ग से चलने वाले सभी वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्य जिला अधिकारी लक्ष्मी पांडे गौतम के अनुसार, मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले कुछ दिनों तक भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई है। संभावित जोखिम और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। 26 अगस्त को त्रिशूली नदी के कटाव के कारण कृष्णभीर क्षेत्र में सड़क का एक हिस्सा धंस गया था। इसके बाद करीब दो सप्ताह में डायवर्जन बनाकर यातायात बहाल किया गया था। ताजा बारिश के दौरान उसी डायवर्जन और आसपास के अन्य हिस्सों में भी भूस्खलन हो गया।

इंडियन फामेर्सी एक्ट-1948 के आधार पर स्पष्ट नियम बनाने की सरकार को नसीहत

नियमावली नहीं, इसलिए बेलगाम है झारखंड का फामेर्सी सेक्टर : सरयू राय

बिभा संवाददाता

रांची/जमशेदपुरः झारखंड के फामेर्सी सेक्टर की मौजूदा व्यवस्था पर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में फामेर्सी को लेकर स्पष्ट नियमावली नहीं होने के कारण पूरा फामेर्सी सेक्टर बेलगाम हो गया है। सरकार को इंडियन फामेर्सी एक्ट, 1948 को ध्यान में रखते हुए राज्य की अपनी स्पष्ट नियमावली बनानी चाहिए और उसी के आधार पर पूरे राज्य में फामेर्सी सेक्टर का संचालन सुनिश्चित करना चाहिए।

रांची कॉलेज ऑफ फामेर्सी की ओर से विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सरयू राय ने कहा कि जिस सरकार के नियम अस्पष्ट होते हैं, उस व्यवस्था में तेज दिमाग वाले लोग नियमों की खामियां खोजकर उसका गलत फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि फामेर्सी सेक्टर जिन उद्देश्यों के लिए बनाया गया है, वे आज तक पूरी तरह हासिल नहीं हो पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि फामेर्सी सेक्टर में चंद बड़े लोग फार्मासिस्टों को अपने हिसाब से चलाते हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव को भी कई बार कोई फैसला लेने में परेशानी महसूस होती है।

फामेर्सी सेक्टर को जनोपयोगी बनाने पर जोर देते हुए सरयू राय ने कहा कि आज के दौर में बीमारियां बढ़ी हैं। ऐसे में बाजार में सस्ती दवाओं का प्रचलन बढ़ाना जरूरी है। सरकार भी चिकित्सकों से सस्ती दवाएं लिखने की बात कहती है, लेकिन चिकित्सक महंगी दवाएं प्रेस्क्राइब करते हैं। उन्होंने कहा कि जरूरी है कि सस्ती दवाएं लिखी जाएं, ताकि आम आदमी उन्हें खरीद सके। ऐसा होने से ही फार्मा सेक्टर भी आगे बढ़ सकेगा।

सरयू राय ने फामेर्सी सेक्टर में योग्य लोगों को आगे लाने की जरूरत बताई। उन्होंने फामेर्सी कौंसिल में योग्य लोगों की नियुक्ति नहीं होने पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि जब फामेर्सी कौंसिल में रजिस्ट्रार जैसे पदों पर अपने चहेतों को नियुक्त किया जाएगा तो इस सेक्टर का भला कैसे होगा? उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में योग्यता को कोई तरजीह नहीं दी जाती।

फामेर्सी कॉलेजों की संख्या बढ़ने पर भी सरयू राय ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड में फामेर्सी कॉलेज मशरूम की तरह खुल गए हैं। बहुतेरे कॉलेज ऐसे हैं, जो कॉलेज होने की अर्हता नहीं रखते, फिर भी चल रहे हैं। ऐसे कॉलेजों से पढ़कर निकलने वाले बच्चे आगे क्या करेंगे? उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थानों को देखकर सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे कॉलेज की बदनामी तो होगी ही, साथ ही पूरे फामेर्सी सेक्टर पर भी सवाल उठेंगे।

सरयू राय ने कहा कि फार्मा सेक्टर में अच्छे और योग्य लोगों को आना चाहिए। अच्छे लोग आएंगे तो फार्मा सेक्टर नई ऊंचाइयों को छू सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके लिए जरूरी है कि व्यवस्था पारदर्शी हो, योग्य लोगों को जिम्मेदारी मिले और फामेर्सी सेक्टर के संचालन के लिए स्पष्ट नियमावली हो।

उन्होंने कहा कि राज्य की फामेर्सी कौंसिल और फामेर्सी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। तेज दिमाग वाले लोग कानूनों में कुछ छिद्र खोज लेते हैं और फिर उसका बेजा इस्तेमाल करते हैं। इससे व्यवस्था प्रभावित होती है और राज्य की बदनामी होती है।

कार्यक्रम में रांची कॉलेज ऑफ फामेर्सी के निदेशक वीरेंद्र कुमार सिंह, झारखंड उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता राजीव कुमार, झारखंड के पूर्व गृह सचिव एन.एन. पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर देशभक्ति के रंग में रंगा बेड़ो

बिभा संवाददाता

बेड़ो। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में शुक्रवार को देशभर में नमामि भारतम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में बेड़ो एवं आसपास के दर्जनों स्थानों पर सुबह ठीक 11 बजे सैकड़ों लोगों और विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरमा का गायन किया।

लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के बावजूद कार्यक्रम को लेकर लोगों और विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई लोग बारिश में भीगते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। बेड़ो में मुख्य कार्यक्रम महादानी मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। यहां विद्यालय के सचिव बानी कुमार राय सहित समाज के गणमान्य लोगों ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

ठीक 11 बजे सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर और लय में वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव बानी कुमार राय ने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत देशवासियों के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बना। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम केवल गीत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक चेतना के प्रति संकल्प को मजबूत करने का अवसर है।

निर्देशक सत्येंद्र कुमार ने बताया कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के अलावा डीएवी विवेकानंद, महादानी मंदिर परिसर, तुको, जमनी, इंटा चांदरी, गढ़गांव सहित अन्य स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रोजेक्ट स्कूल के सैकड़ों छात्र भी इसमें शामिल हुए। कार्यक्रम में अध्यक्ष भवानी शरण सिंह, सचिव बानी कुमार राय, रवींद्र वर्मा, यमुना प्रसाद सिंह, सत्येंद्र कुमार, कैलाश कुमार सहित गणमान्य लोग और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

नारायण आईटीआई में श्रद्धापूर्वक मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

जमशेदपुर(बिभा)। नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह, चांडिल में आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडेय जी सहित उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर डॉ. जटाशंकर पांडेय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी 25 सितंबर 1916 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक एवं संगठनकर्ता तथा भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष रहे। उन्होंने भारतीय परंपरा और विचारधारा को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करते हुए एकात्म मानववाद की विचारधारा को आगे बढ़ाया। उनका मानना था कि राष्ट्र का विकास समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाकर ही सार्थक हो सकता है। डॉ. पांडेय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अपनी शिक्षा के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सीकर के कल्याण हाईस्कूल से दसवीं तथा पिलानी से इंटरमीडिएट की परीक्षा में उन्होंने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। इसके बाद कानपुर के सनातन धर्म कॉलेज से बी.ए. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। उन्होंने आगे की पढ़ाई के लिए आगरा में प्रवेश लिया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियों के कारण पढ़ाई पूरी नहीं कर सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 1937 में कानपुर में अपने सहपाठी की प्रेरणा से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का भी उन्हें सानिध्य प्राप्त हुआ। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने संघ का प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपना जीवन संघ के कार्य एवं राष्ट्रसेवा को समर्पित कर दिया। वे आजीवन प्रचारक के रूप में कार्य करते रहे। कार्यक्रम में प्राचार्य जयदीप पांडे , शांति राम महतो,पवन कुमार महतो,, , शशि भूषण महतो, गौरव महतो, सहित संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध पार्किंग पर नगर पंचायत की सख्ती, 13 वाहनों पर कटा ई-चालान

लातेहार(बिभा)। नगर पंचायत एवं जिला परिवहन कार्यालय की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को शहर की विभिन्न सड़कों पर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान छोटे-बड़े कुल 13 वाहनों पर ई-चालान काटा गया।नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने बताया कि सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने वाहन चालकों से अपने वाहनों को नगर पंचायत द्वारा निर्धारित पार्किंग जोन अथवा पड़ाव में ही खड़ा करने की अपील की।उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। नगर प्रबंधक ने स्पष्ट किया कि अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।अभियान में नगर प्रबंधक के अलावा डीटीओ कार्यालय के प्रतिनिधि, रेवेन्यू इंस्पेक्टर एवं फील्ड सुपरवाइजर मौजूद रहे।

हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति द्वारा थाईलैंड के बौद्ध मंदिर की थीम पर बनेगा भव्य पंडाल

रांची(बिभा) : हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति का यह 62वां साल है ।इस वर्ष समिति द्वारा थाईलैंड के बौद्ध मंदिर की थीम पर भव्य पंडाल बनाया जा रहा रहा है ।इस पंडाल को दक्षिण-पूर्वी एशियाई वास्तुकला मुख्य रूप से थाईलैंड के बौद्ध मंदिर की थीम पर तैयार किया जा रहा है ।इसकी बहु-स्तरीय छतें और नुकीले घुमावदार किनारे थाई शैली की पहचान हैं। इस विशाल ढांचे को बांस, कपड़े, लकड़ी और फाइबरग्लास जैसी अस्थायी सामग्रियों की मदद से तैयार किया जा रहा है,। बंगाल के 25 कारीगर इस पंडाल को बनाने में लगे हुए है । पंडाल की ऊंचाई 200 फीट एव चौड़ाई 150 फीट रहेगी ।पंडाल के निर्माण में लगभग 11 लाख का खर्च है । समिति के सचिव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पंचमी के दिन पंडाल का उद्घाटन कर दिया जाएगा ।उसी दिन डांडिया का भी आयोजन किया गया है ।हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है ।

पोटका में एसआईआर प्रक्रिया से 29 हजार मतदाता प्रभावितः विधायक संजीव सरदार ने जताई चिंता

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर जेके दौरान ग्रामीणों को दस्तावेज प्रस्तुत करने में आ रही परेशानियों को लेकर पोटका विधायक संजीव सरदार ने शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विधायक ने पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली और ग्रामीणों के लिए इसे सरल, सहज एवं व्यवहारिक बनाने की मांग की, ताकि पात्र मतदाता आसानी से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें। निर्वाचन आयोग के अनुसार एस आई आर का उद्देश्य पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से बाहर न रखना और अपात्र लोगों को शामिल होने से रोकना है।

बैठक में विधायक ने पोटका प्रखंड में रक्फ़ के दौरान मैपिंग के बाद भी करीब 29 हजार मतदाताओं को विसंगति की सूची में शामिल किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम, पता, उम्र सहित अन्य छोटी-छोटी त्रुटियों को लेकर जारी नोटिस ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। झारखंड में एसआईआर के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं को विभिन्न प्रकार की विसंगतियों के संबंध में नोटिस दिए जा रहे हैं। विधायक ने कहा कि नोटिस मिलने के बाद मांगे जा रहे दस्तावेज जुटाने में विशेष रूप से गरीब, आदिवासी और मूलवासी परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई ग्रामीण आवश्यक कागजात के लिए पंचायत से लेकर प्रखंड कार्यालय तक दौड़ लगा रहे हैं। इसके बावजूद कुछ लोग दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ हैं। विधायक ने कहा कि ऐसी स्थिति में वास्तविक और पात्र मतदाताओं के नाम प्रभावित होने की आशंका को गंभीरता से लेते हुए प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया जाना चाहिए।

बैठक के दौरान संजीव सरदार ने अधिकारियों से ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर देखने और दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया को व्यवहारिक बनाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में छोटी-मोटी त्रुटियां हैं, उन्हें दूर करने के लिए ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। एसआईआर के आधिकारिक पोर्टल पर भी मतदाताओं को अपने पुराने रक्फ़ रिकॉर्ड की जांच और आवश्यक जानकारी खोजने की सुविधा दी गई है।

बैठक के बाद विधायक संजीव सरदार ने कहा कि चुनाव आयोग को एसआईआर की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाना चाहिए, ताकि स्थानीय लोग बिना परेशानी के अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें और किसी भी पात्र मतदाता का नाम तकनीकी या दस्तावेजी कठिनाइयों के कारण प्रभावित न हो।

उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मैपिंग के बाद भी प्रक्रिया को जटिल बनाया जा रहा है, जिससे आदिवासी और ग्रामीण मतदाताओं के सामने परेशानी खड़ी हो रही है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही पूरे मामले से मुख्यमंत्री और राज्य मंत्रिमंडल को अवगत कराएंगे, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कराया जा सके बैठक में एडीएम मुकेश मछुआ, बीडीओ अरुण कुमार मुंडा, सीओ निकिता बाला, पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लोहरदगा में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, नौ अधिकारियों का तबादला

नीरज झा बने कुडू थाना के प्रभारी

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल किया गया है। इसके तहत कई थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार, जिले के विभिन्न थानों और तकनीकी शाखा में अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई है। स्थानांतरण के तहत मनोज कुमार को लोहरदगा थाना से सेन्हा थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि कुडू थाना प्रभारी अजीत कुमार को तकनीकी शाखा में भेजा गया है। वहीं, तकनीकी शाखा प्रभारी वारिस हुसैन को किस्को थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेन्हा थाना प्रभारी नीरज झा को कुडू थाना प्रभारी बनाया गया है। इसी क्रम में किस्को थाना प्रभारी मानस कुमार साधु और बगडू थाना प्रभारी दिनेश कुमार को लोहरदगा थाना में पदस्थापित किया गया है। अविनाश राम को सेन्हा थाना से बगडू थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं, कैरो थाना प्रभारी कुंदन कुमार रवानी को सेन्हा थाना भेजा गया है, जबकि रवि रंजन कुमार को लोहरदगा थाना से कैरो थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस विभाग में किए गए इस फेरबदल के तहत कुल नौ अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई है।

बेड़ो थाना में जन शिकायत समाधान शिविर आयोजित, दो आवेदन प्राप्त

बिभा संवाददाता

बेड़ो : शुक्रवार को बेड़ो थाना परिसर में जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता डीएसपी दीपक कुमार ने की। सुबह 11 बजे से शुरू हुए शिविर में थाना क्षेत्र के लोगों की शिकायतों और समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित मामलों की जानकारी ली गई।

शिविर के दौरान कुल दो आवेदन प्राप्त हुए। दोनों आवेदन भूमि विवाद से संबंधित रहे। भूमि विवाद से जुड़े मामलों में आवश्यक जांच एवं प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण मौके पर किसी भी मामले का निष्पादन नहीं हो सका। इस प्रकार शिविर में निष्पादित मामलों की संख्या शून्य, जबकि दो मामले लंबित रहे।

अधिकारियों ने शिकायतकताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों की जांच और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। जन शिकायत समाधान शिविर का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को पुलिस अधिकारियों के समक्ष सीधे रखने और शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को सरल बनाना है।

मौके पर पुलिस निरीक्षक उत्तम कुमार उपाध्याय, थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद सहित बेड़ो थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट और अन्य मुद्दों पर नगर विकास सचिव से मिला झारखंड चैंबर

जमशेदपुर : झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने नगर विकास सचिव सुनील कुमार से मिलकर टाटा कमांड एरिया में ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट के अभाव में बिजली-पानी कनेक्शन न मिलने की समस्या उठाई। चैंबर ने नियमों में व्यावहारिक ढील देने, पुराने भवनों पर यह शर्त न थोपने, ट्रांसपोर्ट नगर का संचालन जल्द शुरू करने और बाजार टांड दुकानों के किराया विवाद के लिए समन्वय समिति बनाने की मांग की। विभागीय सचिव ने सभी मामलों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मानवाधिकार आयोग की विशेष प्रतिवेदक ने किया करांजी जलाशय का निरीक्षण

रैयतों से जमीन के मुआवजे और पुनर्वास की ली जानकारी, दो करोड़ 56 लाख रुपये की मुआवजा राशि का आवंटन

बिभा संवाददाता

बेड़ो। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की विशेष प्रतिवेदक एवं सेवानिवृत्त आईएएस सुचित्रा सिन्हा ने शुक्रवार को पदाधिकारियों की टीम के साथ बेड़ो प्रखंड के कराँजी जलाशय का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलाशय की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और इससे प्रभावित रैयतों से मुलाकात कर जमीन के मुआवजे एवं पुनर्वास से संबंधित जानकारी ली।

विशेष प्रतिवेदक ने जलाशय स्थल का निरीक्षण कर वहाँ की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से जलाशय के उपयोग तथा उससे जुड़ी गतिविधियों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पंचायत सचिवालय में मुखिया एवं ग्राम प्रधान की मौजूदगी में जलाशय के लिए जमीन देने वाले रैयतों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं।

रैयतों ने बताया कि वर्ष 2013 में लघु सिंचाई विभाग की ओर से करीब छह एकड़ 56 डिसमिल जमीन पर कराँजी डेम का निर्माण कराया गया था। जलाशय निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन के मुआवजे को लेकर रैयतों से जानकारी ली गई।

इस संबंध में भू-अर्जन विभाग की ओर से बताया गया कि अधिग्रहित भूमि के एवज में वर्तमान दर के अनुसार करीब दो करोड़ 56 लाख रुपये की राशि का आवंटन हो चुका है। उक्त राशि का भुगतान संबंधित रैयतों को किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान जिला भू-अर्जन पदाधिकारी कृष्ण कन्हैया राजहंस, केके राजन सिंह, बेड़ो अंचलाधिकारी राजकुवार सिंह, अंचल निरीक्षक संतोष कुजूर, लघु सिंचाई विभाग के महेश, कार्यालय सहायक विजय, जनसंपर्क पदाधिकारी रिचा वर्मा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

गांधी जयंती पर सरयू राय करेंगे सट्टा एवं ड्रग्स के दुष्प्रभाव पर विचार क्रांति सम्मेलन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः विधायक सरयू राय की पहल पर 2 अक्टूबर को प्रस्तावित सट्टा एवं ड्रग्स के दुष्प्रभाव पर विचार क्रांति सम्मेलन के मुतल्लिक शुक्रवार को एक आवश्यक बैठक बिष्टुपुर में हुई। बैठक में दो अक्टूबर को हेने वाले इस क्रांति सम्मेलन के बारे में विस्तृत रुप से चर्चा की गई।

इस सम्मेलन के संयोजक सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक अधिकारी मनोज सिंह और अमित शर्मा ने बताया कि बैठक में हाल के दिनों में नशाखोरी के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई पर चर्चा हुई। बैठक में कहा गया कि पुलिस ने नशा के जिन सौदागरों को पकड़ा है, वो दरअसल छोटे स्तर पर धंधा करते हैं। पुलिस को बड़े लोगों पर शिकंजा कसने की जरूरत है। खास कर ऐसे लोगों को पकड़ना ज्यादा जरूरी है जो सट्टा का अवैध कारोबार ऑनलाइन करवाते हैं। इनका कहना था कि नशा और सट्टा का कारोबार हजारों करोड़ का है। ये लोग नौजवानों को बर्बाद कर रहे हैं। सम्मेलन के संयोजक मनोज सिंह ने बताया कि दो अक्टूबर के बाद जन-जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। एक बड़ी टीम बनेगी। यह टीम जन-जागरुकता फैलाएगी। स्कूली बच्चों और नौजवानों पर विशेश फोकस रहेगा। उन्होंने बताया कि शहर में ऐसी बहुतेरी बस्तियां/कालोनियां हैं, जहां छोटी उम्र के लड़के नशा करते हैं। उन्हें इस दलदल से निकालने के लिए काम किया जाएगा। प्रयास होगा कि शहर के जितने भी स्कूल हैं, वहां जाकर बच्चों को नशा से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाए। उन्हें शपथ भी दिलाई जाएगी।

श्री सिंह ने बताया कि आने वाले दिनों में सोशल मीडिया और नुक्कड़ नाटकों के मार्फत भी लोगों को नशेबाजी के खिलाफ सतर्क और सावधान किया जाएगा। इतना ही नहीं, जो लीगल एक्शन है, उसके बारे में भी बताया जाएगा। नशा करने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं, उन सभी के बारे में जानकारी दी जाएगी। अमित शर्मा ने बताया कि दो अक्तूबर को प्रस्तावित यह सम्मेलन धालभूम क्लब, साकची में पूर्वाह्न 11बजे से प्रारंभ होगा। सम्मेलन की अध्यक्षता जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बैठक में सैकड़ों लोग उपस्थित होंगे।

लगातार बारिश से सिल्ली में जनजीवन अस्त-व्यस्त, हाट बाजार में जलजमाव से किसान परेशान

बिभा संवाददाता

सिल्लीः तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से सिल्ली में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मूसलाधार बारिश के कारण लोग अपने घरों में कैद होने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा परेशानी सिल्ली हाट बाजार के सब्जी किसानों को हो रही है। हाट बागान में जलजमाव के कारण किसान अपनी सब्जी की दुकानें नहीं लगा पा रहे हैं। पानी की समुचित निकासी की व्यवस्था नहीं होने से पूरे बाजार परिसर में घुटने भर पानी जमा हो गया है, जिससे किसानों की हरी सब्जियां खराब होने की कगार पर हैं। जलजमाव के कारण खरीदार भी बाजार के अंदर नहीं जा पा रहे हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई कच्ची सड़कों पर कीचड़ और पानी भर जाने से आवागमन बाधित हो गया है। स्थानीय किसानों और व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि हाट बाजार की स्थिति सामान्य हो सके और किसानों को राहत मिल सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने की योजनाओं की समीक्षा, डॉक्टरों की रिक्तियों पर जल्द भर्ती का निर्देश

एनएचएम कर्मियों को जल्द मिलेगा ईपीएफ :मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), नामकुम स्थित सभागार में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों के रिक्त पदों पर जल्द भर्ती करने, सहियाओं को समय पर प्रोत्साहन राशि का भुगतान सुनिश्चित करने और उन्हें जल्द टैब उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री ने कहा कि एनएचएम कर्मियों को जल्द ईपीएफ का लाभ मिलेगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सहियाओं को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि में देरी की समीक्षा करते हुए डॉ. अंसारी ने भुगतान समय पर सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने भविष्य में राज्य सरकार की विशेष प्रोत्साहन राशि सीधे राज्य मुख्यालय से भेजने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया, ताकि भुगतान प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो। सहियाओं को जल्द टैब उपलब्ध कराने को भी कहा गया।

मंत्री ने संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के मानदेय भुगतान की प्रक्रिया में सुधार के लिए एचआईआरएस के माध्यम से राज्य मुख्यालय स्तर से भुगतान की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएचएम कर्मियों को ईपीएफ का लाभ देने के लिए आवश्यक प्रक्रिया जल्द पूरी करने को भी कहा।

स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों के रिक्त पदों की समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को शीघ्र नियुक्ति की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त चिकित्सकीय मानव संसाधन के बिना लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना कठिन है।

मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान प्रभावित मरीजों को मच्छरदानी उपलब्ध कराने और रोकथाम की गतिविधियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। मंत्री ने कम वित्तीय व्यय वाले कार्यक्रमों की विशेष निगरानी, बजट के समुचित उपयोग और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और क्षेत्रीय फीडबैक के आधार पर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, स्वास्थ्य अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित विभाग के कई अधिकारी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने नगड़ी स्थित ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया

बिभा संवाददाता

रांची : निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस में रखे गए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट की सुरक्षा व्यवस्था, भंडारण की स्थिति, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, प्रवेश-निकास नियंत्रण तथा संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की। उन्होंने अधिकारियों को ईवीएम एवं वीवीपैट की सुरक्षा, रख-रखाव एवं प्रबंधन संबंधी मानक प्रोटोकॉल का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस बात पर बल दिया कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से नियमित निगरानी तथा समय-समय पर जांच के निर्देश दिए।

यह त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुरूप नियमित रूप से किया जाता है, ताकि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची, बिबेक कुमार सुमन, जिला जन संपर्क पदाधिकारी रांची, श्रीमती उर्वशी पांडेय एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विधायिका के बाद अब न्यायालय की बारी, अंबा प्रसाद ने उत्तीर्ण की एआईबीए परीक्षा

रांची(बिभा)। पूर्व विधायक सह कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (एआईबीए) परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। परीक्षा में सफलता के बाद अंबा प्रसाद ने कहा कि अब राजनीति के साथ-साथ न्यायालय के माध्यम से भी जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। अंबा प्रसाद ने कहा, राजनीति के गलियारों के साथ-साथ, न्यायालय के गलियारों में भी हम कदम बढ़ा चुके हैं। विधायिका का अनुभव तो है, कार्यपालिका की कार्यशैली का भी अनुभव है। विधायिका एवं कार्यपालिका के बीच की कश्मकश में फंसी जनता के लिए अब न्याय की गुहार भी लगाऊँगी। उन्होंने कहा कि जनता जनार्दन के साथ किए जाने वाले अन्याय और प्रताड़ना के खिलाफ वे पहले भी आवाज उठाती रही हैं। अब कानूनी लड़ाई के माध्यम से भी लोगों को न्याय दिलाने के लिए प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, जनता जनार्दन पर किए गए हर अन्याय एवं प्रताड़ना के खिलाफ पहले भी आवाज उठाती थी और अब कानूनी लड़ाई भी लड़ूँगी। एआईबीए परीक्षा में सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए अंबा प्रसाद ने अपने समर्थकों और शुभचिंतकों का आभार जताया। उन्होंने कहा, आपकी अंबा आप लोगों के आशीर्वाद से अक्इए की परीक्षा पास कर गई है। अंबा प्रसाद की इस सफलता के बाद उनके सार्वजनिक जीवन में एक नया अध्याय जुड़ गया है। विधायिका और कार्यपालिका के अनुभव के बाद अब वे कानून के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

सीआरपीएफ और रोटरी क्लब ने चलाया पर्यावरण अभियान, 1000 फलदार व छायादार पौधे लगाए

रांची(बिभा)। केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय (दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी), रांची परिसर में रोटरी क्लब ऑफ रांची के सहयोग से वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर साकेत कुमार सिंह, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, झारखंड सेक्टर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं राजेश कुमार सहाय, पुलिस उप महानिरीक्षक, केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, के.के. पांडेय, पुलिस उप महानिरीक्षक, झारखंड सेक्टर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष श्री ललित त्रिपाठी एवं उनकी सहयोगी टीम ने भी सहभागिता की। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 1000 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण और संरक्षण किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के पौधारोपण अभियान पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एसबीयू में मनी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

रांची (बिभा): सरला बिरला विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी से सीख लेने का आह्वान करते हुए उनकी ईमानदारी और सादगी की चर्चा की। उन्होंने पंडित जी की जीवनी को ही अपने आप में दर्शन करार देते हुए कहा कि अंत्योदय और एकात्म मानववाद का उनका सिद्धांत अतुलनीय और आज के संदर्भ में भी व्यावहारिक है। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संघर्षशील व्यक्तित्व पर बात करते हुए समाज और देश के प्रति उनके समर्पण को अविस्मरणीय बताया। अंत्योदय पर विचार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि इससे सेवा की भावना का विकास होता है। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो श्रीधर दंडीन, प्रो वी के सिंह एवं अमित चरण ने भी दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी और उनके दृष्टांतों पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विवि परिवार के सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

झारखंड में भाजपा ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती, अंत्योदय का संकल्प दोहराया

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड प्रदेश इकाई ने शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा कार्यालय और पंडित दीनदयाल नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर पार्टी नेताओं ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों और आदर्शों को याद किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया।

प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं दीनदयाल नगर स्थित प्रतिमा पर आदित्य साहू और बाबूलाल मरांडी समेत अन्य नेताओं ने माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय समाज के गरीब, पिछड़े और वंचित वर्ग के लिए हमेशा समर्पित रहे। वे हमेशा विकास के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के विकास और उन्नति के लिए प्रयासरत रहे। हम सब को आज खुशी है कि आज देश की बागडोर नरेन्द्र मोदी जैसे एक ऐसी शख्सियत के हाथों में है जो उनके विचारों को साकार कर रहे हैं और उन्हें धरातल पर उतार रहे हैं।

आदित्य साहू ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री आज गरीबों के आंसू को पोंछने का काम कर रहे हैं। आज उनकी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ विकास के अंतिम पायदान पर बैठे गरीब, शोषित वंचित वर्ग के लोगों तक पहुंच रहा है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम के आदर्शों एवं उच्च नैतिक मूल्यों का हमेशा पालन करने वाले व्यक्ति दीनदयाल उपाध्याय जी का सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या और सेवा भाव से भरा रहा। वे अंत्योदय के प्रणेता, वसुधैव कुटुम्बकम तथा एकात्म मानववाद का मंत्र देने वाले एक महान विचारक थे। उनके समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान का संकल्प हमें जनसेवा एवं राष्ट्रसेवा के पथ पर सदैव प्रेरित करता रहेगा।

संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति थे। बचपन में ही माता-पिता का साया सिर से उठ जाने के बावजूद वे कभी रुके नहीं, थके नहीं और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का लोहा पूरे देश को मनवाया। 1937 में वे संघ से जुड़कर अपने जीवन को माँ भारती के चरणों में समर्पित कर दिया। राष्ट्रधर्म और पांचजन्य जैसी पत्रिका की शुरूआत कर लोगों में राष्ट्रभक्ति का अलख जगाया। वे हमेशा जातिवाद की संकुचित मानसिकता से परे रहे। ऐसे महापुरुष की आज जयंती है और आज के दिन उनके दिखाए रास्ते पर चलकर ही हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते है।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, महामंत्री गणेश मिश्रा, मनोज सिंह, अमर कुमार बाउरी, रांची विधायक सीपी सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, अमरदीप यादव, सुनीता सिंह, शालिनी बैसिखियार, कार्यालय मंत्री हेमन्त दास, मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, उपमेयर नीरज कुमार, वरुण साहू, सुनील साहू, निशि जायसवाल, अमरनाथ चौधरी, राजेन्द्र शाही मुंडा, रोमित नारायण, राकेश चौधरी सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिजिटल डेटा संरक्षण पर कार्यशाला: रांची में अधिकारियों को मिला डीपीडीपी एक्ट के अनुपालन का प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

रांचीः प्रोजेक्ट भवन के न्यू ऑडिटोरियम में नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट, 2023 एवं डीपीडीपी रूल्स, 2025 विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय , भारत सरकार के अधीन सी-डैक (कोलकाता) और झारखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के समन्वय से संपन्न हुआ।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए आईटी निदेशक माधवी मिश्रा ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस के विस्तार के साथ डेटा सुरक्षा की नई चुनौतियां सामने आई हैं। नागरिक सरकार पर विश्वास करके अपना डेटा साझा करते हैं, अतः इस विश्वास और गोपनीयता की रक्षा करना सरकारी तंत्र की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को डेटा सुरक्षा, प्राइवेसी और कानूनी अनुपालन से जुड़े नियमों को पूरी गंभीरता से लागू करने का निर्देश दिया।

विशेषज्ञ सत्रों में सी-डैक के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मृण्मय दास, डॉ. चास मूर्ति और पूर्व जीसी साइबर लॉ डॉ. संदीप चटर्जी ने अधिकारियों को डेटा प्रोसेसिंग के कानूनी प्रावधानों, डेटा फिड्यूशियरी की जवाबदेही, नागरिकों के अधिकारों और साइबर जोखिमों से निपटने के उपायों की जानकारी दी।

कार्यशाला के दौरान केस स्टडी और इंटरएक्टिव प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न विभागों के प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं आईटी विशेषज्ञों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, ताकि सार्वजनिक सेवाओं में प्राइवेसी गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा के मानकों को और अधिक मजबूत किया जा सके।

सीसीएल की 40वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता संपन्न: बरका-सयाल ओवरऑल चैंपियन, आम्रपाली-चंद्रगुप्त दूसरे स्थान पर

बिभा संवाददाता

रांचीः सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) द्वारा आयोजित चार दिवसीय 40वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता-2026 का शुक्रवार को सीसीएल मुख्यालय स्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर के संगम सभागार में समापन हुआ। समारोह का शुभारंभ सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, खान सुरक्षा निदेशालय के उप-महानिदेशक डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद व मनीष चंद्र जायसवाल सहित अन्य निदेशकों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद ने खान बचाव में आधुनिक तकनीक के प्रयोग पर बल दिया, जबकि सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने कर्मियों के अदम्य साहस और टीम भावना की सराहना की।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बरका-सयाल क्षेत्र की टीम ओवरऑल चैंपियन बनी, साथ ही इसने रेस्क्यू एवं रिकवरी और रिले रेस में दूसरा स्थान प्राप्त किया। आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र की टीम ओवरऑल उपविजेता रही, जिसने फर्स्ट एड प्रैक्टिकल व स्टेट्यूटरी में दूसरा तथा रेस्क्यू में तीसरा स्थान पाया। अरगड़ा क्षेत्र की टीम ओवरऑल तीसरे स्थान पर रही।

व्यक्तिगत स्पधाओं में आम्रपाली-चंद्रगुप्त के नदीम रहमान आलम को बेस्ट कैप्टन और कुजू क्षेत्र के हितेश झा को बेस्ट मेंबर चुना गया। वहीं अरगड़ा के सच्चिदानंद कुमार सेकंड बेस्ट कैप्टन और बरका-सयाल के मनीष कुमार सिंह सेकंड बेस्ट मेंबर बने। समारोह में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और अंत में खान बचाव केंद्र रामगढ़ के अधीक्षक अमरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने एकात्म मानववाद के प्रणेता, अंत्योदय के महान चिंतक एवं राष्ट्रनिष्ठ राजनीति के पुरोधा श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर नई दिल्ली में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनसेवा और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचार आज भी समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

आरडीसीआईएस रांची में हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन, कर्मचारियों ने दिखाई दक्षता

बिभा संवाददाता

रांचीः राजभाषा पखवाड़ा-2026 के तहत सेल की शोध एवं विकास इकाई आरडीसीआईएस , रांची में राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी टंकण (टाइपिंग) प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य दैनिक कार्यालयी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना और कार्मिकों के बीच टंकण कौशल व दक्षता को निखारना था। प्रतिभागियों ने तय समय सीमा के भीतर निर्धारित हिंदी पाठ को टाइप कर अपनी गति और सटीकता का परिचय दिया।

यह आयोजन आरडीसीआईएस के कार्यपालक निदेशक तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), सेल रांची इकाई के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल संचालन में रौशन कुमार एवं प्रज्ञा कुमारी की अहम भूमिका रही। अंत में राजभाषा विभाग ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से कार्यालय में हिंदी के स्वाभाविक और प्रभावी प्रयोग को निरंतर प्रोत्साहन मिलता है।

भाद्रपद पूर्णिमा से आरंभ होगा पितृ स्मरण का पावन पर्व, 10 अक्टूबर तक चलेगा पितृपक्ष

पितरों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्मरण का विशेष पर्व है पितृपक्षः संजय सर्राफ

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि हिंदू धर्म में पितृपक्ष पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्मरण का अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर माना गया है। यह अवधि हमें अपने उन पितरों को स्मरण करने का संदेश देती है, जिनके संस्कार, त्याग और आशीर्वाद से परिवार और समाज की परंपराएं आगे बढ़ती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार पितृपक्ष में श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोजन तथा दान-पुण्य करने से पितरों की तृप्ति और शांति की कामना की जाती है।इस वर्ष भाद्रपद पूर्णिमा का श्राद्ध 26 सितंबर को होगा। इसके अगले दिन 27 सितंबर से पितृपक्ष के प्रमुख श्राद्ध आरंभ होंगे और 10 अक्टूबर, शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा। भाद्रपद पूर्णिमा का श्राद्ध पितृपक्ष से ठीक पहले होता है और इसे पितृपक्ष का नियमित भाग नहीं माना जाता।पितृपक्ष का मूल उद्देश्य दिवंगत पूर्वजों का श्रद्धापूर्वक स्मरण करना और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना है। मान्यता है कि जिन पितरों की मृत्यु जिस तिथि को हुई हो,उसी तिथि पर पितृपक्ष में उनका श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु की तिथि ज्ञात न हो, उनके लिए सर्वपितृ अमावस्या को श्राद्ध करने की परंपरा है। श्राद्ध में संकल्प लेकर पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान, भोजन और दान किया जाता है। परंपरा में जल, तिल और कुश से तर्पण का विशेष महत्व है। श्राद्ध कर्म सामान्यतः दिन के अपराह्न काल में किया जाता है तथा स्थानीय पंचांग के अनुसार उपयुक्त मुहूर्त का पालन किया जाता है।पितृपक्ष केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार की जड़ों, संस्कारों और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का पर्व भी है। यह नई पीढ़ी को अपने परिवार के इतिहास और परंपराओं से जोड़ने का अवसर देता है। इस अवधि में जरूरतमंदों को भोजन कराना, वस्त्र एवं अन्न का दान करना तथा सेवा कार्य करना पुण्यकारी माना जाता है।पितृपक्ष का संदेश है कि मनुष्य अपने पूर्वजों को केवल स्मृति में ही नहीं, बल्कि उनके संस्कारों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर भी सच्ची श्रद्धांजलि दे। श्रद्धा, सेवा, दान और सदाचार के साथ मनाया गया यह पर्व परिवार में संस्कार, एकता और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करता है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परिचालन) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा संख्या : GEM/2026/B/8073023, dated 23.09.2026, कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि : धनबाद मंडल अंतर्गत बरवाडीह रनिंग रूम में सम्पूर्ण प्रबंधन के साथ क्रू के लिए भोजन बनाना, केयर टेकिंग, साफ–सफाई और बागवानी, न्यूज पेपर और मैगजीन की आपूर्ति, कपडों की धुलाई एवं रहने वाले क्रू को रियायती भोजन उपलब्ध कराना शामिल है की 02 वर्षो के लिए आउटसोर्सिंग, कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹4,19,93,816/–, अग्रधन राशि : ₹3,60,000/–, ई– निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा का बंद होना : 14.10.2026 को 17.00 बजे। ई–निविदा का खुलना : दिनांक : 15.10.2026 को 17.00 बजे। वेबसाईट का विवरण : वेबसाइट http://gem.gov.in विशेष : ई–निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परि.)
पूमरे/धनबाद

पीआर/0992/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/26–27/32

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतू ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक/विद्युत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई–निविदा संख्या : TRD-OT-14-OUTSOURCE -26-27.

1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : Out sourcing of OHE maintenance activities and breakdown restoration activities in KQR-REMA (NWDH/Depot), REMA-NGRH (KAWAR/ Depot), GHD-WDM (NUQ/Depot) & ANPR-SKTN (KRSL/Depot), KQR-KKAS (BRHI depot) & KKAS - ARGD (HZBN/ depot) section for three years in Dhanbad division. कार्य समापन की अवधि – (36) छत्तीस माह। 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹6,66,00,492.92/– निविदा प्रपत्र का मुल्य–शून्य/–, 3. बीड सिक्युरिटि : ₹13,32,000/–, 4. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि 16.10.2026 को 11:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तिथि 16.10.2026 को 11:30 बजे। 5. वेबसाईट का विवरण : वेबसाईट : www.ireps.gov.in ई निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क.वि./
पूमरे/धनबाद

पीआर/1011/डीएचएन/टीआरडी/टी/26–27/40

440 वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से एसबीआई कैशियर की दर्दनाक मौत

बिभा संवाददाता

बोकारो। पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के तेलीडीह टांड़ में गुरुवार की रात एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जहां 440 वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कैशियर की मौके पर ही तड़प-तड़पकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान तेलीडीह टांड़ निवासी मुकेश कुमार सिंह (45) के रूप में हुई है, जो जैनामोड़ स्थित एसबीआई शाखा में पदस्थापित थे।

मिली जानकारी के अनुसार, मुकेश कुमार सिंह गुरुवार शाम बैंक की ड्यूटी खत्म कर अपने घर लौटे थे। रात करीब 9 बजे वह अपनी स्कूटी से दूध लेने के लिए बाजार निकले थे। उस वक्त बारिश हो रही थी और मुख्य सड़क पर बिजली का एक जर्जर तार टूटकर गिरा हुआ था। अंधेरे और बारिश के कारण सड़क पर पड़े तार पर किसी की नजर नहीं पड़ी। जैसे ही मुकेश की स्कूटी तार के संपर्क में आई, वह जोरदार करंट की चपेट में आ गए और झुलसने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में बिजली विभाग के खिलाफ गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में नए कवर्ड वायर (प्लास्टिक कोटेड तार) लगाने के बावजूद पुराने जर्जर और खुले तारों से भी बिजली की आपूर्ति जारी रखी गई थी। विभाग को इन तारों को हटाने के लिए कई बार कहा गया, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण पुराना तार बदलवाया नहीं गया।

स्थानीय लोगों ने इस हादसे के लिए पूरी तरह से बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है और मृतक के परिजनों को मुआवजा देने तथा दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

करंट लगने से एसबीआई कर्मचारी की मौत पर महापौर ने लिया तत्काल संज्ञान, परिजनों को दिलाया 5 लाख मुआवजा

बिभा संवाददाता

बोकारो। 24 सितंबर को एसबीआई बैंक के कर्मचारी मुकेश कुमार वार्ड नंबर 29 तेलीडीह टंड, नवादा कॉलोनी निवासी की करंट लगने से हुई दुखद मृत्यु के मामले में चास नगर निगम महापौर भोलू पासवान ने तत्काल संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

महापौर के निर्देश पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने मृतक के परिजनों को कुल 5 लाख मुआवजा देने का आश्वासन दिया। इसके तहत तत्काल 3 लाख का चेक मृतक के परिजनों को प्रदान किया गया, जबकि शेष 2 लाख की राशि एक सप्ताह के भीतर देने की बात बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा कही गई।

महापौर ने कहा कि इस घटना को केवल एक दुर्घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इससे पूर्व ही चास नगर निगम क्षेत्र में 11 हजार वोल्ट के तारों को बदलने तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर बिजली विभाग के साथ बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई समय पर नहीं होने के कारण यह दुखद घटना सामने आई। महापौर ने इसे बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही बताते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

महापौर ने बिजली विभाग के पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि चास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 से 35 तक 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइनों के नीचे सुरक्षा ग्रिड/सेफ्टी गार्ड लगाने की व्यवस्था तत्काल की जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि किसी कारणवश विद्युत तार टूट भी जाए, तो सुरक्षा ग्रिड के कारण वह सीधे लोगों के संपर्क में न आए और किसी व्यक्ति की जान न जाए।

बिजली विभाग के अधिकारियों ने महापौर को आश्वस्त किया कि सभी संबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा ग्रिड लगाने का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

इस दौरान मृतक मुकेश कुमार के परिजन, बिजली विभाग के इंजीनियर एवं अन्य पदाधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे। महापौर ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विद्युत सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर मजबूत किया जाना आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

फेरो स्क्रेप के मजदूरों ने बीके चौधरी का किया स्वागत

बोकारो(बिभा)। फेरो स्क्रेप निगम प्राईवेट लिमिटेड मे कार्यरत विभागीय कर्मचारीयों एवं ठेकाकमीर्यों ने 23 सितम्बर को ज्वांईट फोरम कमेटी की राउरकेला मे हुए बैठक से मजदूरों के लिए उपलब्धि लाये जाने के उपरान्त निगम परिसर मे झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बीके चौधरी को फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता निगम युनियन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र बाउरी ने किया। संचालन युनियन के अध्यक्ष एन के सिंह ने किया। कुछ मजदूरों ने अपने स्वागत भाषण मे कहा कि निगम मे जब से जय झारखंड मजदूर समाज को मान्यता मिला है तव से हम मजदूरों को एक से एक उपलब्धि युनियन ने लाने का काम किया है । अन्त मे बि के चौधरी ने मजदूरों को जीत का मूलमंत्र देते हुए कहा कि यह बोनस की बढ़ोतरी या चांदी का सिक्का लाने का कारण आपलोगों की चट्टानी एकता और अपने हक अधिकार के लिए सजग रहने को जाता है । यह उपलब्धी प्रबंधन से काफी वाद विवाद के बाद सम्भव हो पाया है । एडब्लूए का जहाँ तक सवाल है वह बोकारो स्टील प्लांट और फेरो स्क्रेप निगम के बीच फंसा हुआ है क्योंकि मजदूरों को भुगतान करने के लिए दोनो एक दुसरे पर थोपने का काम कर रहा है जबकि फेरो स्क्रेप ने कहा है टेन्डर मे हम एलवन हो चुके हैं आप वर्क आर्डर दिजिए हम सभी 550 मजदूरों को ए डब्लू ए 4100/= प्रतिमाह देना शुरू कर देंगे उसपर बोकारो स्टील पहले का वर्क आर्डर का एक्सटेंशन पर काम कराना जारी रखा हुआ है । जिसके लिए युनियन ने तीन दिवसीय हड़ताल का नोटिस दिया हुआ है तथा सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद मे एक राउन्ड का बैठक भी हो चूका दूसरा और अंतिम निगोशियेशन अक्टूबर के पहले सप्ताह मे होना है अगर इसमे भी टाल मटोल किया जायगा तो निश्चित तौर पर तीन दिवसीय हड़ताल के लिए भी आपलोग तैयार रहे ।कार्यक्रम मे मुख्य रूप से अध्यक्ष एन के सिंह ,सुभाष चंद्र बाउरी,शाखा सचिव हरेंद्र पासवान,सुनिल चौधरी,नासिर अहमद खान, मनोज कुमार सिंह, चीतु मोदी,बिजय कुमार, श्यामलाल, हिरू कालन्दी,योगेन्द्र प्रसाद, प्रमोद कुमार, देव शंकर ठाकुर, श्रीप्रसाद महतो,रमेश कुमार रंजन,बिस्वजीत,अमित मिश्रा इत्यादि ने अपने बिचार व्यक्त किया ।

बीएसएल के एचआरसीएफ में बीएकेएस का जोरदार प्रदर्शन, 100 से अधिक लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज

बोकारो(बिभा)। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने चार चरण के आंदोलन के तहत शुक्रवार को एचआरसीएफ विभाग के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष जंगी प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हॉट स्ट्रिप मिल और एचआरसीएफ विभाग के बड़ी संख्या में नियमित कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। संजीत सिंह के संचालन में आयोजित इस सभा को यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संबोधित किया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सेल और बीएसएल प्रबंधन कर्मचारियों की स्थानीय व सेल स्तरीय 100 से अधिक मांगों को वर्षों से अटकाए हुए है, जबकि अधिकारी वर्ग की मांगों को तत्काल मान लिया जाता है। यूनियन के उपाध्यक्ष कृष्ण रजवार ने कहा कि लगातार 5 वर्षों से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर, 19 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन और घटते मैनपावर कॉस्ट के बावजूद कर्मचारियों को एएसपीएलआईएस फॉमूर्ले के नाम पर केवल 28-30 हजार रुपये बोनस देना घोर शोषण है। कर्मचारियों में फेस्टिवल एडवांस का 2008 से संशोधन न होने, 2012 से बंद आवास व वाहन ऋण, लॉन्ग सर्विस अवार्ड में महज बर्तन थमाने और बच्चों की नाममात्र छात्रवृत्ति को लेकर भारी आक्रोश है। विभागीय प्रतिनिधि शत्रुंजय सिंह ने कहा कि अब बीएसएल कर्मी शोषण के खिलाफ पूरी मजबूती से आवाज उठाएंगे। इस दौरान यूनियन के अध्यक्ष दिलीप कुमार, महासचिव हरिओम, उपमहासचिव माणिक मुंडा और कोषाध्यक्ष राहुल साव सहित कई नेताओं ने भी विचार व्यक्त किए।

आईआईटी बॉम्बे के 'एलक्यू आइडियाथॉन 2026' में एमजीएम बोकारो के दार्शिक डिमरी का चयन

बोकारो (बिभा): एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, बोकारो के छात्र दार्शिक डिमरी ने 'एलक्यू आइडियाथॉन 2026' के स्टेज-1 के लिए क्वालीफाई किया है। 'लॉजिकल रीजनिंग एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग प्रोग्राम' में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 12 देशों के 22 लाख प्रतिभागियों के बीच शीर्ष 0.14% में जगह बनाई। प्रतियोगिता के अगले चरण के आधार पर केवल 60 छात्रों को दिसंबर 2026 में आईआईटी बॉम्बे में होने वाले फाइनल राउंड के लिए चुना जाएगा। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने उन्हें बधाई दी है।

कीचड़ के कारण फॉरच्यूनर अनियंत्रित होका गिरा नहर में, दो घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो। तेनुघाट-बोकारो नहर रोड पर चांपी के पास गुरुवार देर रात फॉरच्यूनर कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी. कार सवार दो युवकों ने समय रहते गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचायी. हादसे में दोनों घायल हो गये.

घायलों की पहचान जैनामोड़ के टांड़ मोहनपुर निवासी रोहित कुमार और बबलू कुमार के रूप में हुई है. दोनों का इलाज तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया. फिलहाल दोनों खतरे से बाहर हैं.

घटना की सूचना मिलते ही तेनुघाट ओपी प्रभारी भजनलाल महतो पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया.

जानकारी के अनुसार रोहित कुमार और बबलू कुमार जैनामोड़ टांड़ मोहनपुर से चांपी स्थित अपने मामा अजय महतो के घर आये थे. गुरुवार की देर रात दोनों कार से जैनामोड़ लौट रहे थे. लगातार बारिश के कारण नहर रोड पर भारी कीचड़ जमा था. इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर नहर की ओर जाने लगी.

स्थिति को भांपते हुए दोनों कार सवार समय रहते वाहन से कूद गये. इससे दोनों की जान तो बच गयी, लेकिन गिरने से उन्हें चोटें आयीं.

शुक्रवार की सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद कार को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गयी. स्थानीय लोग वाहन को नहर से निकालने की तैयारी में जुटे रहे.

स्थानीय लोगों के अनुसार तुपकाडीह से तेनुघाट तक नहर रोड की स्थिति काफी जर्जर है. सड़क की मरम्मत का काम चल रहा है, लेकिन जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ जमा होने के का बारिश के दौरान आवागमन मुश्किल हो गया है.

डीपीएस बोकारो के हेडमास्टर गोपाल व शिक्षक रोहित को मिला राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

बिभा संवाददाता

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के हेडमास्टर गोपाल नारायण विश्वकर्मा एवं शिक्षक रोहित रंजन को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित भारत नेशनल टीचर अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा नीति आयोग, भारत सरकार से संबद्ध प्रतिष्ठित सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से ग्रेटर नोएडा स्थित आईआईएलएम यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित भारत एजुकेशन कॉन्क्लेव एंड नेशनल अवाड्र्स 2026 में शिक्षकद्वय सम्मानित किए गए। प्रो. दिनेश सिंह, जॉन लोहर, बी. डी. वाधवा एवं सीईडी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. प्रियदर्शी नायक सहित देशभर के कई दिग्गज शिक्षाविदों की उपस्थिति में उन्हें नवाजा गया। उल्लेखनीय है कि समारोह में पूरे झारखंड से एकमात्र डीपीएस बोकारो के उक्त दोनों शिक्षकों ने यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की। गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरांत स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पित सेवा, शिक्षण में नवाचार, प्रभावी नेतृत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनका चयन राष्ट्रीय सम्मान के लिए किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर पुनः मिली इस सफलता से डीपीएस बोकारो परिवार में हर्ष का वातावरण है।

उन्नति फाउंडेशन का छठा स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं हुईं सम्मानित

बिभा संवाददाता

बोकारो: सामाजिक सरोकार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत उन्नति फाउंडेशन का छठा स्थापना दिवस सेक्टर-4 स्थित मिलन मंडप में भव्य रूप से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कवयित्री एवं समाजसेवी डॉ. राशि सिन्हा उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. राशि सिन्हा ने कहा कि संस्था ने बीते छह वर्षों में सेवा और महिला सशक्तिकरण के अनेक आयाम तय किए हैं। चाहे पर्यावरण संरक्षण हो, रक्तदान शिविर, सिलाई मशीन वितरण या जरूरतमंदों को सहायता पहुंचाना, संस्था ने हर क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है। वहीं संस्था की सचिव अर्चना सिंह ने कहा कि यह यात्रा उन सभी महिलाओं की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है, जिन्होंने घर-परिवार के साथ समाज के लिए निरंतर योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में सेवा कार्यों का और विस्तार किया जाएगा।

समारोह के दौरान संस्था से जुड़ने वाले नए सदस्यों का बैच लगाकर स्वागत किया गया, जबकि पिछले एक वर्ष में उत्कृष्ट योगदान देने वाली सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया गया। संगठन को मजबूती देने के लिए नई जिम्मेदारियों और दायित्वों की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर सदस्यों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में बबली सरकार, रत्ना, सरिता, अंजू, सुलेखा, अनीता झा, सीमा बरनवाल, पूनम, रश्मि, उमा त्रेहान समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

बैंक ऑफ इंडिया बोकारो अंचल ने मनाया सतर्कता जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

बोकारो। सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया, बोकारो अंचल द्वारा सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता (जीरो टॉलरेंस) का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता एवं निवारक सतर्कता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंचलिक प्रबंधक डॉ. पल्लवी कुमारी, उप आंचलिक प्रबंधक सुनीत कुमार तथा प्रधान कार्यालय सतर्कता विभाग के सहायक महाप्रबंधक रविशंकर विशेष रूप से मौजूद रहे।

अभियान की शुरूआत में बोकारो अंचल कार्यालय परिसर में सतर्कता का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रतीकात्मक गुब्बारे हवा में छोड़े गए। इसके पश्चात अंचल कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर मानव श्रृंखला बनाई और कार्यस्थल व सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाए रखने की शपथ ली।

स्कूली बच्चों के बीच प्रतियोगिता और सामाजिक सरोकार सामाजिक दायित्व के तहत विश्वकर्मा हाई स्कूल, माराफारी में विद्यार्थियों के बीच चित्रांकन (ड्राइंग) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से बच्चों ने कला के जरिए ईमानदारी और भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों पर सुंदर प्रस्तुतियां दीं। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी बच्चों के बीच चॉकलेट बांटी गई। इसके साथ ही बैंक ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत विद्यालय को 15 नए पंखे भी भेंट किए।

आरसेटी केंद्र में एक सतर्कता जागरूकता संवाद सत्र आयोजित किया गया, जहाँ संभागियों को नैतिक आचरण, पारदर्शिता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर आरसेटी परिसर में पौधारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का संदेश भी दिया गया। अंचल कार्यालय में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए प्रधान कार्यालय सतर्कता विभाग के सहायक महाप्रबंधक रविशंकर ने कहा कि सतर्कता और नैतिक कार्यप्रणाली ही किसी भी संस्थान की असली ताकत होती है। संबोधन के उपरांत कर्मचारियों के लिए एक सतर्कता क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लीड जिला प्रबंधक प्रकाश चंद्र मिश्रा ने बताया कि इस पूरे अभियान में बैंक कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे समाज में ईमानदारी और सजगता के प्रति एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण हुआ है।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर बोकारो में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

बिभा संवाददाता

बोकारो। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को बोकारो में तीन स्थानों सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सेक्टर 2 ए , शिशु वाटिका सेक्टर 1सी एवं बोकारो रेलवे स्टेशन पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीनों स्थानों पर भैया-बहनों, आचार्य-आचायाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में कुल 823 लोगों ने भाग लिया। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सेक्टर 2 ए में 389, शिशु वाटिका सेक्टर 1 सी में 274 तथा बोकारो रेलवे स्टेशन पर 160 लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। तीनों स्थानों पर राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों पर साक्षी एवं अध्यक्ष के रूप में गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही। रेलवे स्टेशन पर साक्षी के रूप में स्टेशन प्रबंधक संतोष कुमार नायक, सेक्टर 2 में पूर्व प्रदेश संयोजक शशि भूषण ओझा तथा सेक्टर 1 में पूर्व शिक्षक विपिन ठाकुर उपस्थित रहे।

वहीं रेलवे स्टेशन पर अध्यक्ष के रूप में जैनेंद्र कुमार चौहान, सेक्टर 1 में विकास कुमार अग्रवाल, व्यवसायी, तथा सेक्टर 2 में रघुवर सिंह ने अध्यक्षता की। सभी स्थानों पर उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव के प्रतीक वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर देशभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार, कार्यकताओं एवं उपस्थित नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चिन्मय विद्यालय में 400 विद्यार्थियों ने एक साथ गाया 'वंदे मातरम', गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की पहल

बिभा संवाददाता

बोकारो: चिन्मय विद्यालय बोकारो में शुक्रवार को विद्या भारती के 'नमामि भारतम' अभियान के तहत सामूहिक वंदे मातरम गायन का भव्य आयोजन किया गया। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में एक ही समय पर सबसे बड़े समूह गान के जरिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई।

कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा नौवीं और दसवीं के लगभग 400 विद्यार्थियों ने शिक्षकों और अतिथियों के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षिका पूजा सिंह के संबोधन से हुई। इसके बाद सरस्वती विद्या मंदिर के आचार्य बिनय कुमार पांडे ने विद्या भारती के इस अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वंदे मातरम राष्ट्र की पहचान और गौरव का प्रतीक है। चिन्मय ट्रांसफॉर्मेशन सर्किल के सोहम बिस्वास ने गीत के ऐतिहासिक महत्व को साझा किया।

ठीक सुबह 11 बजे सभागार में मौजूद सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने एक स्वर में सामूहिक वंदे मातरम का गायन किया, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से गूंज उठा।

कार्यक्रम के समापन पर प्रभारी प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने कहा कि वंदे मातरम भारत की एकता का मूल स्रोत है और इसके गायन मात्र से राष्ट्रभक्ति का संचार होता है। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा, संयोजक संजीव कुमार, शैबाल गुप्ता सहित तमाम शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

जर्जर आवासों से शिफ्टिंग के लिए दो दिन की छुट्टी और 5 हजार रुपये देने पर बीयूएमएस की प्रतिक्रिया

केवल छुट्टी पर्याप्त नहीं, अविलंब डी-टाइप आवास आवंटित करे प्रबंधन: कुमार अमित

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारतीय उद्योग मजदूर संघ (बीयूएमएस) की बैठक आज सेक्टर-3 स्थित यूनियन कार्यालय में हुई। बैठक में इरछ प्रबंधन द्वारा सेक्टर-12 के क्षतिग्रस्त (पूर्णतया क्षतिग्रस्त घोषित) आवासों में रह रहे कर्मियों को क्वार्टर शिफ्टिंग के लिए दो दिन का विशेष अवकाश और आंशिक मेंटेनेंस हेतु 5,000 रुपये देने के आदेश पर चर्चा हुई। इस पर बीयूएमएस महामंत्री कुमार अमित ने आंशिक संतोष व्यक्त करते हुए इसे अपर्याप्त बताया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को बीयूएमएस के साथ हुई वार्ता के अनुरूप इन कर्मियों को अविलंब पूर्ण मेंटेनेंस युक्त, उनकी पसंद के डी-टाइप आवास आवंटित करने चाहिए।

कुमार अमित ने मांग की कि यदि प्रबंधन तत्काल पूर्ण मेंटेनेंस कराने में असमर्थ है, तो आंशिक मेंटेनेंस के लिए दी जा रही 5,000 रुपये की राशि को बढ़ाकर पूर्ण मेंटेनेंस लायक एकमुश्त राशि कर्मियों के खाते में दी जाए। इसके लिए प्रबंधन खाली पड़े डी-टाइप आवासों की सूची सार्वजनिक कर कर्मियों को आवास चुनने का अवसर दे, ताकि शीघ्र आवंटन हो सके। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष रामावतार ने की, जबकि संचालन संयुक्त महामंत्री अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष धनंजय चौबे, मंत्री योगेन्द्र कुमार, संयुक्त महामंत्री जन्मजय गोस्वामी, कोषाध्यक्ष चंद्रप्रकाश, मीडिया प्रभारी लालबाबू, संतोष पंडित, शंकर विश्वकर्मा, राजीव कुमार, संजय कुमार, गोविन्द रविदास, जगन्नाथ, बलराम आदि उपस्थित थे।

नमामि भारतम' के तहत गूंजा 'वंदे मातरम: 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में चार केंद्रों पर 1259 लोगों ने एक स्वर में किया सामूहिक गायन

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। नमामि भारतम' अभियान एवं राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वाधान में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बड़की चाँपी के माध्यम से भव्य 'एक समय, एक लय, एक स्वर' सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चार विभिन्न केंद्रों पर एक साथ संपन्न हुआ, जिसमें कुल 1,259 छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बड़की चाँपी में हुआ, जहाँ 640 भैया-बहन, 270 अभिभावक और 13 अधिकारियों सहित कुल 923 लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा ड्डसरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सलगी (श्री हरि वनवासी विकास समिति द्वारा संचालित): 101 विद्यार्थी और 10 आचार्य-दीदी सहित कुल 111 प्रतिभागी। ड्डराजकीय उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, सलगी: 118 प्रतिभागी। ड्डराजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, हेसल: 107 प्रतिभागी।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष भूषण प्रसाद द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ। अध्यक्ष भूषण प्रसाद ने राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने देश की प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली से प्रेरित होकर इस कालजयी गीत की रचना की थी। उन्होंने उल्लेख किया कि 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे पहली बार संगीतमय धुन देकर प्रस्तुत किया था।

वहीं, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर विद्यालय के सचिव यदुनंदन तिवारी ने उनके जीवन और दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कठिन पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद पंडित जी एक मेधावी छात्र रहे। प्रशासनिक सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी उन्होंने राष्ट्र व समाज सेवा का मार्ग चुना और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, सह-सचिव लखन राम, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, समिति के सदस्य, अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। राष्ट्रभक्ति के नारों और वंदे मातरम के सामूहिक गान से समूचा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं से लातेहार में जनजीवन अस्त-व्यस्त, 28 से राहत के आसार

बिभा संवाददाता

लातेहार। जिले में शुक्रवार को लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के कारण सड़कों पर जलजमाव की स्थिति बनी हुई है, वहीं लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम को देखते हुए लोग घरों से निकलने से भी परहेज कर रहे हैं।मौसम विभाग के अनुसार आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके में बना डीप डिप्रेशन 27 सितंबर से कमजोर पड़ने लगेगा। इसके प्रभाव में कमी आने के साथ ही झारखंड में 28 सितंबर से बारिश में राहत मिलने की संभावना है।मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार 25 सितंबर को लातेहार, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह और देवघर में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

वहीं 26 और 27 सितंबर को भी राज्य के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। शुक्रवार को रांची समेत आसपास के कई जिलों में बारिश के साथ तेज हवाएं भी चलीं। मौसम के लगातार बिगड़े मिजाज से लातेहार जिले में आम जनजीवन प्रभावित रहा।

सीईआईआर पोर्टल से बरामद हुए 39 गुम मोबाइल, वास्तविक धारकों को पुलिस ने सौंपे

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निदेर्शानुसार सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल में दर्ज आमजनों के गुम हुए मोबाइल फोन को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बरामद किया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 39 मोबाइल फोन बरामद किए।

बरामद किए गए मोबाइल फोन को उनके वास्तविक धारकों को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय हजारीबाग में विधिवत सौंपा गया। लंबे समय से अपने गुम मोबाइल के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को जब उनका मोबाइल वापस मिला तो उनके चेहरे पर खुशी नजर आई।

मोबाइल वितरण कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अभियान हजारीबाग सहित तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर को ट्रैक करने में पुलिस को काफी सहायता मिलती है।

पुलिस की ओर से बताया गया कि सीईआईआर पोर्टल में दर्ज आमजनों के गुम हुए मोबाइल की बरामदगी के लिए जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कार्रवाई के परिणामस्वरूप 39 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों तक पहुंचाए गए।हजारीबाग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में इसकी सूचना पुलिस को दें तथा आवश्यक प्रक्रिया के तहत सीईआईआर पोर्टल पर भी मोबाइल की जानकारी दर्ज कराएं। इससे गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी में पुलिस को सहायता मिलती है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आमजनों के गुम मोबाइल फोन की बरामदगी और उन्हें उनके वास्तविक धारकों तक पहुंचाना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। अभियान में जिले के विभिन्न थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की भूमिका सराहनीय रही।

संक्षिप्त खबरें

नेशनल पब्लिक स्कूल में नमामि भारतम कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने किया सामूहिक वंदे मातरम गायन

हजारीबाग(बिभा): वंदे मातरम के 150वें वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में नेशनल पब्लिक स्कूल, न्यू एरिया, हजारीबाग में शुक्रवार को नमामि भारतम कार्यक्रम के तहत सामूहिक वंदे मातरम गायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे हुआ। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर के प्रतिनिधि एवं प्राचार्य नरेंद्र कुमार सिन्हा, नेशनल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह, उप-प्राचार्या कुमारी सोनी, वार्ड पार्षद शीला देवी सहित शिक्षकगण, अभिभावक, विद्यार्थी एवं विद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रातः 11 बजे सभी ने एक साथ वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया। सामूहिक गायन के दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत नजर आया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वंदे मातरम देश के आन, मान और शान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना की भावना को मजबूत करते हैं।

श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम विवेकानंद सेंट्रल स्कूल में गूंजा वंदे मातरम, विद्यार्थियों ने देशभक्ति के भाव से किया राष्ट्रगान

हजारीबाग(बिभा) : श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम विवेकानंद सेंट्रल स्कूल में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत वंदे मातरम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परिसर में वंदे मातरम के सामूहिक गायन से वातावरण देशभक्ति के भाव से भर गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वंदे मातरम का सामूहिक गायन कर मातृभूमि के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना व्यक्त की। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों, एकता, अनुशासन और जिम्मेदारी का महत्व बताया। विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जमीन विवाद में मारपीट और धमकी का आरोप, एसपी-डीसी से कार्रवाई की गुहार

लातेहार(बिभा)। लातेहार जिले बरवाडीह थाना क्षेत्र के हड़पड़वा गांव में खाता संख्या 14, प्लॉट संख्या 113, 122 एवं 210, कुल रकबा 70 डिसमिल जमीन पर दुकान निर्माण को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पोलपोल निवासी सूर्यदेव राम ने लातेहार के पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त एवं बरवाडीह थाना प्रभारी को आवेदन देकर कुछ लोगों पर जान से मारने की धमकी, मारपीट, गाली-गलौज तथा घर की महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है।आवेदन के अनुसार, 22 सितंबर 2026 की सुबह करीब आठ बजे सूर्यदेव राम अपनी चारदीवारी के अंदर दुकान निर्माण का कार्य करा रहे थे। इसी दौरान बाबूलाल राम, अशोक राम, राजेश राम, राजेंद्र राम, पारस राम, ओमप्रकाश राम, अमन कुमार और पप्पू कुमार सहित अन्य लोग कथित रूप से लाठी-डंडा, तलवार एवं गड़ासा लेकर वहां पहुंचे। आरोप है कि निर्माण कार्य बंद करने की धमकी देते हुए जान से मारने की बात कही गई। विरोध करने पर मारपीट करने तथा घर की महिलाओं के साथ गाली-गलौज एवं छेड़छाड़ करने का भी आरोप लगाया गया है।सूर्यदेव राम ने उमेश राम पर पूर्व से फोन के माध्यम से धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि उक्त जमीन उनके दादा नान्हु राम के नाम की खतियानी जमीन है और मामले में एसडीओ कोर्ट, जिला न्यायालय एवं हाईकोर्ट से डिग्री प्राप्त है।सूर्यदेव राम ने पुलिस-प्रशासन से मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई, जान-माल की सुरक्षा तथा निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

काली कुर्मी टोला में फुटबॉल का रोमांच, समापन समारोह में पहुंचे राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम

युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए : बैद्यनाथ राम

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा। चंदवा प्रखंड के काली कुर्मी टोला स्थित खेल मैदान में जय सरना सपोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम शामिल हुए। उनके पहुंचने पर खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।समारोह में आदिवासी नेत्री ज्योत्स्ना केरकेट्टा, झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव, प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, प्रभात कुमार, सुदामा प्रसाद, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष बबलू राही, राजेंद्र भगत, मो. सरफराज, अंकित पांडेय, राजकुमार साहू, विशाल कुमार समेत बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे।प्रतियोगिता के दौरान मैदान में खिलाड़ियों का जोश, जुनून और खेल भावना देखने को मिली। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को बेहतर मंच प्रदान करना रहा। प्रतियोगिता को लेकर स्थानीय युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया।

राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की है। युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आयोजन समिति को सफल प्रतियोगिता के लिए बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की बैठक संपन्न, 86 जरूरतमंद लाभुकों के आवेदनों को मिली मंजूरी

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुदान राशि हेतु प्राप्त आवेदनों को प्रस्तुत किया गया। आवेदनों की समीक्षा के उपरांत कुल 86 आवेदनों का अनुमोदन किया गया।बैठक में अनुसूचित जाति के 56, अनुसूचित जनजाति के 15 तथा पिछड़ी जाति के 15 आवेदकों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ देने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया। अनुमोदित 86 आवेदनों में से 1 कैंसर पीड़ित मरीजों के आवेदन हैं। उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को अनुमोदन के उपरांत अविलम्ब सभी लाभुकों को अनुदान राशि हस्तान्तरित करने का निर्देश दिया।बैठक में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री अनिल कुमार समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बड़कागांव में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री का खुलासा, 29 पुड़िया समेत दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से 29 पुड़िया में करीब 8 ग्राम ब्राउन शुगर और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनिल कुमार राम (25 वर्ष), पिता जुगेश्वर राम और रुपेश कुमार (19 वर्ष), पिता चत्रभुज राम, दोनों निवासी अंबेडकर मोहल्ला, थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़कागांव थाना क्षेत्र के रामजानकी मंदिर, गुरुचट्टी के आसपास कुछ युवक ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव अमित आनंद के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित की गई।

टीम में बड़कागांव थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर रामजानकी मंदिर, गुरुचट्टी के आसपास निगरानी शुरू की। इसी दौरान पुराने जर्जर मकान के पीछे दो संदिग्ध युवकों को कागज की पुड़िया में कुछ लेन-देन करते हुए देखा गया।पुलिस को देखते ही दोनों युवक मौके से भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन सशस्त्र बल के सहयोग से पुलिस टीम ने दोनों को खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 29 पुड़िया में करीब 8 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। इसके अलावा पुलिस ने दो मोबाइल फोन भी जब्त किए।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बड़कागांव क्षेत्र में ब्राउन शुगर की पुड़िया बनाकर बेचने और उससे मुनाफा कमाने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, दोनों स्वयं भी मादक पदार्थ का सेवन करते हैं। इस कार्रवाई में एसडीपीओ अमित आनंद, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक राकेश खवास तथा बड़कागांव थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पीएम आवास योजना के तहत नियुक्ति प्रक्रिया की समीक्षा, लेखापाल पद के लिए दोबारा निकलेगा विज्ञापन

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिला स्तरीय चयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रखण्ड समन्वयक और लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर के पदों पर चल रही नियुक्ति प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में दोनों पदों के लिए आए आवेदनों की स्क्रूटनी के बाद स्वीकृत और अस्वीकृत फॉर्म्स का जायजा लिया गया। समीक्षा के दौरान सामने आया कि लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर पद के लिए प्राप्त सभी आवेदन अनिवार्य अर्हता पूरी नहीं करने के कारण निरस्त कर दिए गए हैं। इसके मद्देनजर समिति ने इस पद के लिए पुनः विज्ञापन जारी करने पर विचार-विमर्श किया। उपायुक्त ने आवेदनों की अद्यतन स्थिति तुरंत ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही प्रखण्ड समन्वयक पद की चयन परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र, तिथि निर्धारण, प्रश्नपत्र तैयार करने, दंडाधिकारियों व नोडल अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु समिति गठन पर रणनीति तय की गई।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से संचालित होनी चाहिए। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद सहित चयन समिति के अन्य सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।
क्र.सं. : 1, **ई.निविदा सं० :** इ.सी.आर.–सी.ए.ओ.–सी/एस/इ.टी.इ.एन–एच.जे.ड.एम.इ.–09, **कार्य का नाम :** Dy. CE/HZME-1 के तहत ECR के धनबाद डिवीजन के PKA-MPO सेक्शन के बीच तीसरी और चौथी मल्टीट्रैक परियोजना में गोमोह (CH 300.15) से कोडरमा (CH 393.55) तक स्टेशन बिल्डिंग, EI बिल्डिंग, अन्य बिल्डिंग, प्लेटफार्म, FOB, PP शेल्टर का निर्माण, मौजूदा बिल्डिंग और अन्य ढांचों को हटाना, और अन्य सहायक सिविल कार्य जैसे ड्रेन का काम, रिटेनिंग/बाउंड्री वॉल, सड़क का काम आदि। **आंकलित मूल्य (रू) :** 62,74,72,054.92, **बोली प्रतिभूति (रू.) :** 1,25,49,500.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 (बारह) महीना।
उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/1
पूर्व मध्य रेलवे, हजारीबाग
पीआर/0993/कॉन एचजेडबीएन/सीओएनएसटी/टी/26–27/28

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना
ई–निविदा सूचना संख्या: 18-MCW-AICWDAS - 2026-27 धनबाद, दिनांक: 23/09/2026
वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Single Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है।
1. कार्य का नाम : ओबरा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरा युक्त वैगन क्षति आकलन प्रणाली (एआई–सीडब्ल्यूडीएएस) की आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग का कार्य। **2. कार्य की मात्रा :** 01 नंबर। **3. संविदा की अवधि :** 12 महीना। **4. कार्य–स्थान :** धनबाद मंडल के अंतर्गत फ्रेट डिपो ओबरा। **5. अनुमानित बोली मूल्य :** मात्र 93,59,760.00 रुपये (तिरानबे लाख उनसठ हजार सात सौ साठ रुपये)। **6. निविदा दस्तावेज मूल्य :** ₹0.00 (शून्य), **7. बयाना राशि (निविदा सूचना के तदनुसार) :** केवल /– 1,87,200/– रुपये (एक लाख सत्तासी हजार दो सौ रुपये), **8. ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समय :** तारीख 01/10/2026 to 15/10/2026 को 11:00 बजे तक। **9. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समय :** 15/10/2026 को 11:30 बजे। **10. वेबसाईट विवरण :** http://www.ireps.gov.in (ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।)
वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0998/डीएचएन/यॉं०/टी/26–27/40

साइबर अपराध और डिजिटल सुरक्षा पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश - सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रामगढ़ मो. तौफीकुल हसन के निर्देश एवं अनिल कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में शुक्रवार को व्यवहार न्यायालय के सम्मेलन कक्ष में साइबर अपराध और डिजिटल सुरक्षा पर एक व्यापक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, छात्रों और कानूनी पेशेवरों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी (आइडेंटिटी थेफ्ट) और सुरक्षित इंटरनेट प्रथाओं के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम डालसा सचिव अनिल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें साइबर थाना से सब-इन्स्पेक्टर दिगंबर पांडेय, एल.ए.डी.सी.एस एवं पारा लीगल वालंटियर्स मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डालसा सचिव अनिल कुमार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक डिजिटल साक्षरता पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में कानूनी जागरूकता के साथ - साथ साइबर जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने उपस्थित सभी पारा लीगल वालंटियर्स को निर्देशित किया कि वे ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में जाकर लोगों को साइबर ठगी से बचने के तरीकों के प्रति जागरूक करें, ताकि समाज के भोले-भाले लोग इन ठगों का शिकार न बनें।

सभा को संबोधित करते हुए दिगंबर पांडेय ने डिजिटल सुरक्षा और तकनीकी कमजोरियों पर व्यावहारिक और सतर्क करने वाला जानकारीयों को साझा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अज्ञात डिजिटल अपराधियों से बचने के लिए जागरूकता ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है । उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी किस तरह फर्जी लॉटरी, फर्जी उद्यम योजनाओं, बिजली बिल अपडेट, आर.टी.ओ चालान के नाम पर और लोगों में डर या जल्दबाजी पैदा करके मनोवैज्ञानिक रूप से ठगी करते हैं। जनता, विशेषकर युवाओं और छात्रों को अपने बैंक खाते किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा करने या किराए पर देने के खिलाफ जागरूक किया ।

उन्होंने हालिया मामलों को हवाला दिया जहां भोले-भाले लोगों के खातों का ईस्तेमाल दूसरे राज्यों से ठगे गए पैसों को ट्रांसफर करने के लिए किया गया, जिससे वे अनजाने में कानूनी पचड़े में फंस गए। इन सभी के लिए तथा अपना बहुमुल्य समय देने के लिए डालसा सचिव अनिल कुमार ने रामगढ़ पुलिस को इस जागरूकता अभियान मे अपना समय देने के लिए आभार प्रकट करते हुए सभा का समापन किया ।

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता- ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- 'पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना।' यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले ह्वन हैल्थह्व दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना 'पर्यावरण स्वास्थ्य बजट' बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल, कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं, हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है, जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है, मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं, बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं। अंततः हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहां अस्पताल कम और स्वस्थ जीवन अधिक दिखाई दे, जहां बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी नहीं, सुरक्षित प्राकृतिक जल सामान्य जीवन का हिस्सा हो। जहां वृक्ष सजावट नहीं, जीवन-सहचर माने जाएं, जहां नदी संसाधन नहीं, जीवंत धरोहर समझी जाए। पर्यावरण को स्वस्थ करना ही मानव स्वास्थ्य को स्वस्थ करना है और मानव जीवन को स्वस्थ बनाना ही पर्यावरण की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यही सोच स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ मनुष्य और स्वस्थ विश्व की नई त्रिवेणी बना सकती है। यही विज्ञान के साथ खड़े होने का वास्तविक अर्थ है और यही विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की सार्थकता भी।

संपादकीय

चुनाव आयोग की जवाबदेही

हाल के वर्षों में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर देश का विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। हालांकि, चुनाव हारने पर विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला पुराना है। लेकिन पिछले कुछ सालों में भारत का चुनाव आयोग विश्वसनीयता की कसौटी पर खरा नहीं उतर पा रहा है। जिसकी तपिश भारतीय लोकतंत्र की साख पर भी पड़ती है। निस्संदेह, चुनाव आयोग का दायित्व लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराना और नागरिकों के वोट देने के महत्वपूर्ण अधिकार की रक्षा करना होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को विवादित ह्यस्पेशल इंटेंसिव रिविजनह्न यानी एसआईआर से जुड़ी विसंगतियों ने भारी ठेस पहुंचायी है। हाल ही में दिल्ली के एक अंग्रेजी अखबार की पड़ताल में पता चला है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने अक्तूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच कम से कम चौदह बार उन फैसलों पर आपत्ति जताई, जो उनकी जानकारी में लाए बगैर लिये गए थे। सूत्रों के मुताबिक इन दो चुनाव आयुक्तों की चिंताओं में फॉर्म-6 में बदलाव, वोटर लिस्ट डेटाबेस का सेंट्रलाइजेशन, फील्ड अधिकारियों की इस तक सीमित पहुंच और वोटरों के नाम हटाने की प्रक्रिया शामिल थी। निस्संदेह, इस प्रकरण से मुख्य चुनाव आयुक्त की स्थिति असहज हो गई है। इसके बाद अक्सर चुनाव आयोग पर हमलावर रहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष और ज्यादा हमलावर हो गया है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग कर रहा है। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया का संचालन करने वाली संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के चुनाव आयुक्तों के बीच उजागर हुए इस मतभेद को प्रशासनिक छोटी-मोटी बात कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये प्रकरण चुनाव की विश्वसनीयता और जवाबदेही के मूल मुद्दे से जुड़ा है। वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बने फॉर्म-6 में, रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स-1960 में कानूनी रूप से सही तरीके से संशोधन किए बिना बदलाव कर दिए गए। इन बदलावों के चलते नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। विडंबना यह है कि जो फॉर्म-6 वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बना था, उसे बेहद जटिल बना दिया गया। जिसमें यह जानकारी देनी अनिवार्य कर दी गई कि क्या वोटर के माता-पिता का नाम पिछली एसआईआर सूची में शामिल था। उल्लेखनीय है कि एसआईआर की जटिलता को महसूस करते हुए पिछले बार की प्रक्रिया की जिम्मेदारी चुनाव आयोग के कर्मचारियों ने निभायी थी। लेकिन इस बार यह जवाबदेही वोटरों के सिर पर डाल दी गई। एक सामान्य मतदाता कैसे याद रखे कि करीब चौथाई सदी पहले उसने या उसके माता-पिता ने किस बूथ पर वोट डाला था। इस संबंध में जानकारी जुटाने के लिये लोग दर-दर की ठोकरें खाते रहे हैं। इस जानकारी से मैपिंग न हो पाने के कारण पूरे देश में करोड़ों मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से निकाल दिए गए। पश्चिम बंगाल में, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटाने पर नागरिकों व विपक्ष ने कड़ा प्रतिरोध किया।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय

सौरभ वार्ष्णेय

चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार लिखित आपत्ति की अनदेखी का मतलब है कि केंद्रीय चुनाव आयोग में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया का नाम नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से तय होती है कि चुनाव कितने पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय तरीके से कराए जाते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के भीतर उठने वाली किसी भी असहमति को महज प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची से जुड़े फैसलों पर चुनाव आयोग के दो आयुक्तों की ओर से बार-बार यानी 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज किए जाने की खबर ने इसी कारण गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राजनीतिज्ञों को भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि इसका हल कैसे निकाले ? वहीं ऐसी बातों से मतदाताओं के बीच भी लोकतंत्र की इस संवैधानिक संस्था के प्रति सोचना पड़ता है। यह ऐसे संस्था है कि जहां कुछ भी हो तुरंत प्रभावी कार्य हो जिससे पारदर्शिता सबके सामने आये।

देश के प्रतिष्ठित अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब दस महीनों में आयोग के विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं। बताया गया है कि इन आपत्तियों का संबंध केवल तकनीकी या प्रक्रियागत विषयों तक सीमित नहीं था, बल्कि मतदाता सूची में नाम जोडे और हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता डेटा के केंद्रीकरण तथा चुनावी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तक अधिकारियों की पहुंच जैसे संवेदनशील मुद्दों से था। यहां मूल चिंता यह नहीं है कि किसी संवैधानिक संस्था में अलग-अलग राय क्यों सामने आईं। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमति अपने आप में कोई कमजोरी नहीं है। बल्कि स्वस्थ संस्थागत व्यवस्था में अलग राय रखना और उसे रिकॉर्ड पर दर्ज करना एक आवश्यक प्रक्रिया मानी जाती है। चिंता तब पैदा होती है जब यह सवाल उठे कि क्या उन आपत्तियों पर पर्याप्त विचार किया गया और क्या निर्णय प्रक्रिया वास्तव में सभी संबंधित सदस्यों की भागीदारी से आगे बढ़ी?

चुनाव आयोग तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी इसके सदस्य हैं। यदि दो सदस्यों की ओर से महत्वपूर्ण मामलों में बार-बार लिखित आपत्तियां दर्ज की गई हैं, तो इन आपत्तियों की प्रकृति, उनका निस्तारण और अंतिम निर्णय तक पहुंचने की प्रक्रिया सार्वजनिक विमर्श का विषय बनना स्वाभाविक है। विशेष रूप से मतदाता सूची का मामला अत्यंत संवेदनशील है। मतदाता सूची केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं होती। यही वह आधार है जो तय करती है कि चुनाव के दिन कौन नागरिक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेगा। इसलिए मतदाता सूची में किसी नाम का जुड ?ा, हटना या बहाल होना सीधे तौर पर नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा प्रश्न है।

फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर सामने आई आपत्ति इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। फॉर्म-6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला वैधानिक फॉर्म है। रिपोर्ट के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इसमें ऐसा घोषणा-पत्र जोड़ा गया, जिसमें आवेदक से यह बताने को कहा गया कि उसका या उसके माता-पिता अथवा दादा-दादी का नाम पिछली मतदाता सूची में था या नहीं। यदि किसी प्रक्रिया में इस तरह का महत्वपूर्ण बदलाव किया जा रहा हो और उससे पहले आयोग के ही दो सदस्यों की आपत्ति सामने आई हो, तो यह जानना जरूरी हो जाता है कि उस आपत्ति पर क्या विचार हुआ और बदलाव का अंतिम आधार क्या था।

मामला केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। मतदाता सूची के डिजिटल प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर के निर्वाचन अधिकारियों की मतदाता डेटा से जुड़े फैसलों को सिस्टम में दर्ज करने की क्षमता प्रभावित हुई। पश्चिम बंगाल में कुछ ऐसे मामलों का भी उल्लेख है, जहां दस्तावेजों की जांच के बाद लोग पात्र पाए गए, लेकिन सॉफ्टवेयर में उनके नाम जोडे की प्रक्रिया को लेकर तकनीकी बाधाएं सामने आईं। गोवा में 97 पात्र मतदाताओं का मामला भी इसी तरह की तकनीकी समस्या से जुड़ा बताया गया है।

यह स्थिति एक बुनियादी सवाल खड़ा करती है कि चुनावी प्रक्रिया में अंतिम निर्णय किसका होगा, मैदानी स्तर पर काम कर रहा निर्वाचन अधिकारी या केंद्रीकृत डिजिटल सिस्टम ? तकनीक चुनावी प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने का माध्यम हो सकती है, लेकिन वह लोकतांत्रिक निर्णय का विकल्प नहीं बन सकती। किसी तकनीकी प्रणाली में हुई त्रुटि के कारण यदि पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाता, तो इसका सीधा असर उसके मताधिकार पर पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरे विवाद का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग ने रिपोर्ट में बताए गए कथित आंतरिक मतभेद के निष्कर्ष को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि सदस्यों की ओर से नोटिंग, टिप्पणियां, सुझाव और अलग-अलग राय देना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग के अनुसार, अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत विचार-विमर्श के बाद अंतिम फैसले लिए जाते हैं और एसआईआर सहित महत्वपूर्ण निर्णय तीनों आयुक्तों की मंजूरी से हुए हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि लिखित आपत्तियां अपने आप में आयोग के भीतर किसी निर्णायक विभाजन का प्रमाण हैं। लेकिन यह भी उतना ही सही है कि ऐसी आपत्तियों को पूरी तरह सामान्य प्रशासनिक टिप्पणी कहकर सार्वजनिक चिंता को समाप्त नहीं किया जा सकता। यदि 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज हुई हैं, तो लोकतांत्रिक पारदर्शिता की मांग यही होगी कि कम से कम यह स्पष्ट किया जाए कि किन मुद्दों पर असहमति थी, उन पर क्या विचार हुआ और अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया के तहत लिया गया।

विपक्ष ने इन घटनाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है, जबकि राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई और विशेष गहन पुनरीक्षण रोकने की मांग उठाई है। राहुल गांधी ने भी मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान से जोड़ा है। इन राजनीतिक दावों की अपनी राजनीतिक पृष्ठभूमि है, इसलिए इनका मूल्यांकन स्वतंत्र तथ्यों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। असल चुनौती किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि चुनावी संस्थाओं पर जनता के भरोसे की है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियादी पूंजी है। इसलिए आयोग के भीतर असहमति सामने आए तो उसका समाधान अधिक पारदर्शिता, स्पष्ट जवाबदेही और सार्वजनिक स्पष्टीकरण से होना चाहिए, न कि केवल विवाद को खारिज कर देने से।

जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बदलावों का स्पष्ट ऑडिट ट्रेल उपलब्ध हो। किस अधिकारी ने क्या निर्णय लिया, किस आधार पर लिया, किस स्तर पर उसे बदला गया और तकनीकी प्रणाली ने उस निर्णय को कैसे दर्ज किया। इन सवालों के जवाब लोकतांत्रिक व्यवस्था में अस्पष्ट नहीं रहने चाहिए। साथ ही, आयोग के भीतर दर्ज असहमति और उसके निस्तारण की संस्थागत प्रक्रिया भी स्पष्ट होनी चाहिए। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव तभी बन सकता है, जब हर पात्र नागरिक को यह भरोसा हो कि उसका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित है और चुनावी प्रक्रिया किसी अदृश्य तकनीकी या प्रशासनिक हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं होगी। चुनाव आयोग के दो सदस्यों की 14 लिखित आपत्तियों का मामला इसी भरोसे की कसौटी है।

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लीक में मंत्री के इस्तीफे को सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की माँग की जा रही है। एससी/एसटी एक्ट के अतार्किक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भीड़तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं।

ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जय शेट्टी अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झूठ सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झूठ भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यह भी है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठा और पैसा दोनों ही हासिल होते हैं।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिये अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साथियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन भीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।

उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुँच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीपापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिग्भ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेंगी। शिक्षाशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

भारत अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह 2026 जल सुरक्षा, जमीनी स्तर से

बिहान भारत

पानी किसी एक रास्ते से ही होकर नहीं बहता। बारिश की एक बूंद मिट्टी में रिस सकती है, तालाब को भर सकती है, कुएं का पुनर्भरण कर सकती है या नदी में बहकर मिल सकती है। उस पानी के संग्रहण, संरक्षण और प्रबंधन का हमारा तौर-तरीका आम लोगों के जीवन एवं आजीविका पर काफी असर डाल सकता है। देश भर में, विभिन्न समुदायों ने पारंपरिक रूप से वर्षा के पानी को जमा करने, भूजल का पुनर्भरण करने और नदियों व पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने हेतु अलग- अलग प्रकार के ढांचे बनाए हैं। आज, जब हमारे चारों ओर पानी की मांग बढ़ रही है, तो वैज्ञानिक योजना, मजबूत संस्थानों एवं निरंतर प्रयासों के साथ-साथ जल सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सामुदायिक भागीदारी को फिर से सक्रिय करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सरकार की यह सोच है कि पानी से जुड़ी अलग-अलग चुनौतियों से निपटने हेतु इन सभी प्रयासों को एक साथ लाया जाए। इन प्राथमिकताओं की झलक भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह (आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू) में भी मिलती है। इस कार्यक्रम की शुरूआत 2012 में हुई थी। आज, आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू हर दो वर्ष में आयोजित होने वाला एक ऐसा मंच बन गया है जहां नीति-निमार्ता, शोधकर्ता, उद्योग जगत के प्रमुख और आम लोग एक साथ आते हैं। ये लोग इस मंच पर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं और टिकाऊ व जलवायु के अनुकूल जल प्रबंधन के उपायों की तलाश करते हैं।

भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह-2026

भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह (आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू) 2026 का 9वां संस्करण 22 सितंबर से 26 सितंबर, 2026 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इसका विषय जलवायु के अनुकूल जल प्रबंधन है। जलशक्ति मंत्रालय भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का आयोजन करता है।

इस वर्ष की चचाएँ सात उप-विषयों पर केन्द्रित हैं:

- समावेशी और न्यायपूर्ण जल प्रशासन
- जल संसाधनों के बेहतर सदुपयोग हेतु सहयोग
- जल सुरक्षा के लिए तकनीक और समुदाय
- जलवायु से जुड़े जोखिमों के संदर्भ में जल
- जल संबंधी बुनियादी ढांचे और आधुनिकीकरण हेतु वित्तपोषण का नवीन मॉडल
- सतत जल संसाधन प्रबंधन
- लोगों और धरती के लिए जल

इस कार्यक्रम में छह केन्द्रीय मंत्रालयों और 16 राज्यों व केन्द्र-शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि एक साथ आयेंगे। इसमें हिस्सा लेने हेतु लगभग 150 देशों को आमंत्रित किया गया है और 11 देशों के साझेदार देश के तौर पर शामिल होने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में मंत्रियों के पूर्ण सत्र, युवा मंच और खास तौर पर स्टार्ट-अप के लिए मंच सहित जल क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर 49 विशेष सत्र होंगे।

पिछले दशक में, सरकार ने जल संरक्षण को मजबूत करने और जल सुरक्षा को बेहतर बनाने हेतु कई कदम उठाए हैं। जलशक्ति अभियान, जल शक्ति अभियानः कैच द रेन, अटल भूजल योजना और मिशन अमृत सरोवर जैसी पहलों ने इन प्रयासों में मदद की है। हाल ही में, जल संचय जन भागीदारी ने समुदाय के नेतृत्व वाले संरक्षण को मजबूत किया है। जबकि, नक्विम 2.0 इलाके के आधार पर भूजल प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारियां प्रदान कर रहा है। इन प्रयासों का असर देश के भूजल संकेतकों में भी दिखाई देता है। कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 2017 में 432 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) से बढ़कर 2025 में 448.52 बीसीएम हो गया है।

सरकार के इन प्रयासों के अलावा, देश भर से मिलने वाली कहानियां सामुदायिक भागीदारी, भूजल पुनर्भरण, टिकाऊ जल प्रबंधन और समावेशी शासन जैसे विषयों को वास्तविक स्वरूप प्रदान करती हैं। ये कहानियां इस बात को दशार्ती हैं कि कैसे समुदाय, स्थानीय संस्थाएं और तकनीक मिलकर पानी से जुड़ी चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान निकाल रही हैं। भूजल पुनर्भरण एवं पानी की गुणवत्ता की निगरानी से लेकर नदियों को पुनर्जीवित करने और बारिश के पानी को जमा करने तक, ये सभी प्रयास आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू 2026 में चर्चा किए जा रहे विचारों एवं तरीकों की जमीनी असलियत को दशार्ते है।

बड़े पैमाने पर सामुदायिक पुनर्भरण

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में जल संरक्षण एक सामुदायिक प्रयास बन गया है। विभिन्न गांवों में ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों ने मिलकर ऐसे ढांचे बनाए हैं जो वर्षा के पानी को जमा करते हैं और भूजल के पुनर्भरण में मदद करते हैं।

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में चेक डैम

जल संचय जन भागीदारी 2.0 के तहत, जिले में जून 2025 और मई 2026 के बीच 2.84 लाख पुनर्भरण से जुड़े ढांचे बनाए गए। इन ढांचों में बारिश का पानी बचाने हेतु विभिन्न गांवों में बनाए गए चेक डैम, रिचार्ज पिट और कंटूर ट्रेंच शामिल हैं।

एक उल्लेखनीय कदम 14.3 किलोमीटर लंबे मौसमी जल-मार्ग, तवेरा नाला का पुनरुद्धार रहा है। इस नाले के किनारे 6,250 से अधिक जल-संरक्षण संरचनाएं बनाई गईं। इन उपायों से 6.5 करोड़ लीटर अतिरिक्त वर्षा-जल के संरक्षण और भूजल स्तर में अनुमानित 5-10 फीट की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

बनाई गई संरचनाओं की संख्या से परे, यह अनुभव जल संरक्षण के एक सामूहिक जिम्मेदारी बनने और समुदायों द्वारा स्थानीय जल सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयासों में योगदान देने की प्रक्रिया को दशार्ता है।

जब महिलाएं जल प्रबंधक बनीं

त्रिपुरा के खोवाई में, समुदाय की भागीदारी और स्थानीय संस्थाओं के जरिए ग्रामीण जलापूर्ति को मजबूत किया जा रहा है। इस जिले में टिकाऊ जल प्रबंधन में सहयोग करने हेतु पंचायतों, स्वयं-सहायता समूहों, स्कूलों तथा अन्य स्थानीय हितधारकों को एक साथ जोड़ा गया है।

त्रिपुरा के खोवाई में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम में शामिल होती महिलाएं

कुल 6,000 से अधिक स्वयं-सहायता समूहों की महिलाएं समुदाय को एकजुट करने के काम में लगी हुई हैं। स्कूल वाटर क्लब के जरिए, स्वयं-सहायता समूहों की महिलाएं विद्यार्थियों को फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) का उपयोग करके पानी की गुणवत्ता की बुनियादी जांच करना भी सिखाती हैं। इससे पानी की गुणवत्ता की बुनियादी निगरानी का काम स्थानीय समुदायों के और करीब के दायरे में आ गया है।

जिले में ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की निगरानी को भी मजबूत किया गया है। जियो-टैग से लैस निगरानी व्यवस्था, ??तीसरे पक्ष द्वारा गुणवत्ता की जांच और जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) तथा जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की नियमित बैठकें, योजनाओं के कार्यान्वयन और जवाबदेही तय करने में मदद करती हैं। पूरी हो चुकी योजनाओं को जल अर्पण के जरिए औपचारिक रूप से ग्राम पंचायतों को सौंप दिया जाता है।

पानी के स्त्रोतों की दीर्घकालिक उपलब्धता बनाए रखने हेतु, जिले की कार्ययोजना में स्त्रोत की स्थिरता एक अहम हिस्सा है। इसमें जलग्रहण क्षेत्र (कैचमेंट एरिया) की सुरक्षा, वृक्षारोपण, भूजल का पुनर्भरण और उपयोग हो चुके पानी (ग्रे-वॉटर) का प्रबंधन जैसे उपाय शामिल हैं। जिले के सभी 860 आंगनवाड़ी केन्द्रों में वर्षा जल संचयन संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) की व्यवस्था मौजूद है।

नदियों से भरोसेमंद पानी तक

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में जलापूर्ति योजना

नल के पानी का कनेक्शन घर तक पानी तो पहुंचाता है, लेकिन पानी की दीर्घकालिक सुरक्षा उन स्त्रोतों को बचाने पर भी निर्भर करती है जिनसे यह पानी मिलता है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में, इसी सोच के आधार पर जल जीवन मिशन को नदियों के पुनरुद्धार, जल संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी से जोड़ने के प्रयास किए गए हैं।

धारा से धरोहर तक अभियान के तहत, बान नदी को लगभग 42 किलोमीटर और सोट नदी को करीब 17 किलोमीटर तक पुनर्जीवित किया गया। परिणामस्वरूप, अमरोहा में भूजल स्तर में सुधार हुआ। इस पहल को पड़ोसी जिले की नदियों तक भी बढ़ाया गया है, जिनमें बिजनौर की मालन और कुशीनगर की हिरण्यावती नदियां शामिल हैं।

समुदायिक भागीदारी इन प्रयासों के केन्द्र में रही है। ग्राम सभा के जरिए निगरानी, ??पानी की पाठशाला के सत्र और महिलाओं की अगुवाई में पानी की गुणवत्ता की जांच ने लोगों को अपने जल संसाधनों की सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया है। जल सेवा आकलन ने सामुदायिक भागीदारी एवं जवाबदेही को और मजबूत किया है।

जहां विद्यार्थी पानी की हर बूंद बचाना सीखते हैं

एक विद्यार्थी के लिए, बारिश का मतलब बस कक्षा में की जाने वाली पढ़ाई से ब्रेक हो सकता है। लेकिन ओडिशा में, बरसात इस बात का सबक बन रही है कि पानी कहां से आता है और कहां जाता है। कैच द रेन 2026 अभियान के जरिए, शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को भूजल विज्ञान, जल-संबंधी प्रक्रियाओं और वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

इस सीखने की प्रक्रिया को एक बड़े जन-अभियान का समर्थन हासिल है। ओडिशा ने वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटकों, लोक प्रदर्शनों और सामुदायिक कार्यक्रमों के जरिए 968 सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां आयोजित की हैं।

स्वास्थ्य केन्द्रों में वर्षा जल संचयन के महत्व पर चर्चा

लेकिन यह अभियान महज जागरूकता तक ही सीमित नहीं है। पूरे राज्य में वर्ष जल के संचयन और भूजल के पुनर्भरण हेतु 905 संरचनाएं बनाई गई हैं। इनमें बारिश का पानी जमा करने वाली 849 प्रणालियां और भूजल के पुनर्भरण में मदद करने वाले 56 रिचार्ज शाफ्ट शामिल हैं। ओडिशा के जाजपुर में 45 रिचार्ज शाफ्ट बनाए गए हैं। राज्य के सभी 30 जिलों में 98 टैंकों की मरम्मत और उनमें से गाद निकालने (डीसिल्टिंग) का काम भी शुरू किया है।

सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम

स्थानीय स्तर पर कार्रवाई से लेकर अंतरराष्ट्रीय समन्वय तक

ये सभी अनुभव इस बात की पुष्टि करते हैं कि स्थायी प्रगति समुदायिक भागीदारी, वैज्ञानिक योजना, संस्थागत समन्वय और निरंतर देखरेख पर निर्भर करती है। भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह 2026 इसी व्यापक चर्चा को मुखर करता है। यह कार्यक्रम दुनिया के देशों और संबंधित पक्षों को ज्ञान साझा करने, अनुभव का आदान-प्रदान करने और पानी के स्थायी प्रबंधन के तरीकों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच प्रदान कर रहा है।

झारखंड की खबरें

झारखंड भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने संभाला पदभार

भाजपा युवा मोर्चा बनेगा झारखंड के युवाओं की आवाज : मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, प्रदेश पदाधिकारियों एवं युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मौके पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शशांक राज को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में शशांक राज ने युवा मोर्चा को लेकर सक्रियता के साथ कार्य किया और विभिन्न विषयों पर आंदोलनों में भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्वास है कि शशांक राज को जो जिम्मेदारी दी गई है, उसके अनुरूप युवा मोर्चा आने वाले समय में झारखंड के युवाओं की मजबूत आवाज बनेगा।

श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर युवाओं के साथ निरंतर संवाद स्थापित करने की अपील की। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी के विचारों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस दौरान श्री मरांडी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार पर भी प्रकाश डाला। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों में हुए देश की सुरक्षा सहित अन्य सभी क्षेत्रों में हुए तमाम ऐतिहासिक कार्यों का भी विस्तार से उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि आज देश में सड़क, रेल और हवाई संपर्क के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ है। गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन, खाद्यान्न तथा स्वास्थ्य सुरक्षा जैसी सुविधाओं को केंद्र सरकार की उपलब्धियों के रूप में सामने रखा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब, वंचित एवं मध्यम वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से काम कर रही है। कोरोना महामारी के दौरान करोड़ों लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।

वहीं श्री मरांडी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार के कार्यों को लेकर विपक्ष द्वारा लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस को लेकर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पार्टी की राजनीतिक स्थिति और अधिक कमजोर होगी।

भारतीय जनता युवा मोर्चा, झारखंड के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज के स्वागत एवं सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश भर से पहुंचे सैकड़ों युवा कार्यकताओं ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मोरहाबादी से हुई, जहां से कार्यकताओं का विशाल कारवां निकला। काफिला मछली घर के समीप पहुंचा, जहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर शशांक राज ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद यह काफिला रातू रोड चौक, किशोरगंज चौक, हरमू चौक होते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय पहुंचा। भाजयुमो कार्यकताओं ने कई जगह अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन किया। प्रदेश कार्यालय में ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे और पुष्पवर्षा के साथ कार्यकताओं ने शशांक राज का भव्य स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश कार्यालय के पीछे आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रगीत के साथ पदभार कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस दौरान समारोह के दौरान विभिन्न वरीय भाजपा नेताओं एवं पदाधिकारियों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, भाजपा प्रदेश मंत्री अमरदीप यादव, पूर्व विधायक एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अनंत ओझा, विनय चौबे, किसलय तिवारी, विनय जायसवाल, भाजयुमो रांची महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रिंस कुमार, अजात शत्रु, अमन यादव, राहुल चौधरी, अमित साहू, संजीव पटेल, श्रीनिवास, संजय महतो, रणधीर दास, बबलू भगत, भवन बैठा, अमित अग्रवाल, पूजा सिंह, विश्वजीत पाठक, पूनम साव, अजय भारती, कंचन कालिंदी, एकता जायसवाल, धर्मवीर सिंह, तरुण दास, तुषार आदि भी उपस्थित रहे।

युवा मोर्चा सामाजिक एवं राजनीतिक जिम्मेदारियों से पीछे हटने वाला संगठन नहीं : शशांक राज

भाजयुमो के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने इस जिम्मेवारी के लिए राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उन तमाम कार्यकताओं की है, जिन्होंने तन-मन-धन से संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को संगठन से जोड़ना, युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाना और पार्टी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। झारखंड के युवाओं के मुद्दों को लेकर संगठन मजबूती से आवाज उठाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज जो कार्यकर्ता मंच के सामने बैठे हैं, आने वाले समय में इन्हीं में से विधायक, मंत्री और पार्टी के विभिन्न दायित्वों पर कार्य करने वाले नेता तैयार होंगे। युवा मोर्चा सामाजिक एवं राजनीतिक जिम्मेदारियों से पीछे हटने वाला संगठन नहीं है। श्री राज ने कहा कि आने वाले समय में झारखंड के 30 हजार बूथों तक युवा मोर्चा को मजबूत करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। गांव-गांव और बूथ स्तर तक संवाद स्थापित कर युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। 2029 हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा ने युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष किया है। सीजीएल, एसएससी, जेपीएससी एवं उत्पाद से जुड़े मामलों को लेकर युवा मोर्चा ने आवाज उठाई और संबंधित विषयों को जनता के सामने रखने का प्रयास किया। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पद की अपेक्षा किए बिना संगठन के लिए समर्पण भाव से काम करें। बारिश और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद कार्यकताओं की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि युवा मोर्चा का कार्यकर्ता संघर्ष और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता को सर्वोपरि रखता है।

प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य लेकर कार्य करे युवा मोर्चाः कर्मवीर सिंह

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने शशांक राज को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा मोर्चा भाजपा का महत्वपूर्ण अग्रिम संगठन है। युवाओं की ऊर्जा और उत्साह को संगठनात्मक गतिविधियों में लगाकर पार्टी को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा केवल कार्यक्रमों तक सीमित न रहकर युवाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ निरंतर संपर्क और संवाद स्थापित करे। इनके कंधों पर गांव-गांव एवं बूथ-बूथ तक पहुंचकर युवाओं को संगठन से जोड़ना तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं भाजपा के विचारों को जनता तक पहुंचाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। श्री सिंह ने कहा कि आने वाले समय में युवा मोर्चा को और अधिक सक्रिय बनाते हुए झारखंड के प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य लेकर कार्य करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि शशांक राज के नेतृत्व में भाजयुमो नई ऊर्जा के साथ संगठन को मजबूती प्रदान करेगा और युवाओं से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से उठाएगा। उन्होंने सभी युवा कार्यकताओं से एकजुट होकर पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

गृहमंत्री शाह से मिले यूपी के डिप्टी सीएम, आगामी चुनाव को लेकर की चर्चा

-डबल इंजन सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव, संगठन की तैयारियों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के बाद केशव मौर्य ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के संकल्प को लेकर अमित शाह के साथ विस्तृत रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रदेशभर में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर डबल इंजन सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से आम लोगों तथा गरीब परिवारों को मिले लाभ की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाई जाएगी। इसके साथ ही विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को लेकर भी लोगों के बीच सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों के साथ संगठन को भी और ज्यादा सक्रिय किया जाएगा। कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने और सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा।

उन्होंने विपक्ष के लंबे शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में ऐसे कई कार्य हुए हैं, जो विपक्ष अपने लंबे शासनकाल में नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है और देश के विकास और विश्व पटल पर भारत की भूमिका मजबूत करने के लिए पीएम मोदी का नेतृत्व जरुरी है।

उन्होंने अमित शाह के मार्गदर्शन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का सांगठनिक अनुभव और मार्गदर्शन संगठन तथा सरकार को नई दिशा देने में अहम है। उन्होंने कहा कि शाह के सुझावों से आगे की रणनीति तय करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन और सरकार के बीच समन्वय के साथ जनसंपर्क अभियान को और मजबूत किया जाएगा और केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर जनता तक पहुंचाया जाएगा।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तोड़ी चुप्पी, विस चुनाव से पहले ऐलान, न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं

चंडीगढ (एजेंसी)।पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं। कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह 2021 में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोडऩे के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है। अमरिंदर सिंह ने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया है। उन्होंने कांग्रेस में वापसी की अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकता है।

पंजाब में पराली जलाने की 27 घटनाएं, 10 की पुष्टि; 35 हजार का जुर्माना

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण की कवायद के बीच पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) ने अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) जारी की है। 24 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार पूरे राज्य में कुल 27 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें से 10 खेतों में मौके पर निरीक्षण के बाद इसकी पुष्टि भी हुई है। ये आंकड़े इसरो के मानक प्रोटोकॉल के तहत सैटेलाइट निगरानी पर आधारित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीपीसीबी ने कुल 21 खेतों का निरीक्षण किया और 10 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई। इन मामलों में कुल 7 जगह पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया, जिससे 35,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। हालांकि, इसमें से अब तक केवल 10,000 रुपए ही वसूले जा सके हैं। जिलेवार आंकड़ों में अमृतसर में सर्वाधिक 13 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें से 4 की पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का जुर्माना लगाकर वसूल भी लिया गया। फिरोजपुर में 4 मामलों में से 3 की पुष्टि हुई, जहां 15,000 रुपए का जुर्माना लगा, जिसमें से 5,000 रुपए वसूले गए। यहां तीन फार्म रिकॉर्ड में रेड एंट्री और चार वार्निंग नोटिस भी जारी किए गए। पटियाला में एक मामला सामने आया जिसकी पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले में वसूली गई राशि शून्य है और न ही कोई एफआईआर दर्ज हुई है या अधिकारियों पर कोई कार्रवाई की गई है। तरनतारन में 5 में से 1, होशियारपुर में दर्ज एकमात्र मामले में पुष्टि हुई। गुरदासपुर, शहीद भगत सिंह नगर में भी मामले दर्ज हुए हैं। जबकि बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट सहित कई जिलों में इस अवधि में पराली जलाने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

कतर्नियाघाट में तेंदुए ने ली महिला की जान; ग्रामीणों में दहशत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में तेंदुए के हमले में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना उस समय हुई जब महिला अपने घर के पीछे बाड़ी में सब्जी तोड़ने गई थी, तभी घात लगाए तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। इस दुखद घटना के बाद इलाके के ग्रामीणों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला अपने घर के पीछे सब्जी तोड़ रही थी, उसी दौरान तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया, जिससे उसकी जान चली गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन विभाग क्षेत्र में ऐसी अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से गांव-गांव में जन-जागरूकता गोष्ठियां आयोजित कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा था। साथ ही, वन्यजीवों की निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्र में प्रशिक्षित हाथियों के जरिए लगातार तीन दिनों से गश्त भी कराई जा रही थी। डीएफओ ने बताया कि घटना के बाद वन विभाग की टीमों को और अधिक सतर्क कर दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल या झाड़ियों वाले इलाकों के आसपास अकेले न जाएं और सावधानी बरतें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

काशी में एयर शो से पहले घाटों पर सफाई युद्धस्तर पर

वाराणसी (एजेंसी)। गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी के निशान से नीचे आने के बाद अब काशी के घाटों को साफ-सुथरा बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। आगामी 22, 23 और 25 अक्टूबर को नमो घाट पर प्रस्तावित भव्य एयर शो के मद्देनजर वाराणसी नगर निगम ने कमर कस ली है। बाढ़ का पानी उतरने से पक्के घाटों की सीढ़ियों और तटवर्ती इलाकों में भारी मात्रा में सिल्ट व कीचड़ जमा हो गई थी। इसे हटाने के लिए निगम के स्वच्छता अमले ने नमो घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर विशेष अभियान छेड़ दिया है। पानी की बौछार से सीढ़ियों को धोने और गाद हटाने का काम तेजी से चल रहा है। अतिरिक्त सफाई कर्मियों और जेटिंग मशीनों की मदद से घाटों को पूरी तरह स्वच्छ, सुगम और सुरक्षित बनाया जा रहा है, ताकि एयर शो देखने आने वाले शहरवासियों और पर्यटकों को कोई असुविधा न हो।

मध्य प्रदेश में मिले 70 फर्जी पासपोर्ट, एसटीएफ ने 6 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश एसटीएफ ने संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच में करीब 70 फर्जी पासपोर्ट का पता लगाया है। ये पासपोर्ट राज्य में अलग-अलग पतों का इस्तेमाल करके बनवाए गए थे। अब जांच में बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की मिलीभगत की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसटीएफ के डीआईजी ने शुक्रवार को बताया कि अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और फर्जी पासपोर्ट बनाने और हासिल करने के पीछे पूरे नेटवर्क का पता लगाने की जांच जारी है। डीआईजी ने कहा कि यह एक बहुस्तरीय मामला है और जांच अभी भी चल रही है। अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो दिन पहले की गई ताजा गिरफ्तारी भी शामिल हैं। 23 सितंबर को गयाप्रसाद गौतम को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 25 अगस्त से 18 सितंबर के बीच रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद, विप्लब अधिकारी, प्रियन रॉय, जॉय चौधरी और नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया था।

बृजभूषण की मुश्किलें बढ़ीं: पहलवानों ने यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के फैसले को चुनौती दी

नई दिल्ली , एजेंसी।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें फिर बढ़ी हैं। उन्हें यौन उत्पीड़न मामले में बरी करने के दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में चुनौती दे दी है। बीते 3 अगस्त को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण को इन आरोपों से बरी किया था। अब चार महिला पहलवानों ने फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट का रुख किया है, साथ ही सह-आरोपी विनोद तोमर की रिहाई को चुनौती दी है। महिला पहलवानों की अपील पर राउज एवेन्यू कोर्ट शनिवार को सुनवाई कर सकती है। याचिका में दावा किया है कि निचली अदालत का आदेश कानून की दृष्टि में मान्य नहीं है और उसमें सबूतों का गलत व चुनिंदा आकलन हुआ। अपील में आरोप है कि फैसला अनुमान और अटकलों पर आधारित था, जिसमें स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही ढंग से लागू नहीं किया गया। पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया। यह चुनौती बृजभूषण शरण सिंह की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें फिर से बढ़ा सकती है। राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद सिंह ने अपने लिए बड़ी राहत बताया था।

उन्होंने कहा था कि यह फैसला उन सभी लोगों को बल देगा, जिन पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि इस मामले में ओलंपिक पदक विजेताओं और विपक्षी दलों सहित कई बड़े लोग शामिल थे। बृजभूषण ने हमेशा खुद पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। यह विवाद देश के सबसे चर्चित खेल और कानूनी मामलों में से एक रहा है, जिसकी शुरुआत 2023 में हुई थी, जब कई महिला पहलवानों ने 2016 से 2022 के बीच विभिन्न स्थानों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

अखिलेश का रुख साफ कहा- जो जीत पाएं वो सीटें ले ले कांग्रेस

- कांग्रेस के गढ़ में सपा ने तय कर दी गठबंधन की शर्त

रायबरेली, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र रायबरेली से अपने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभियान का जोरदार आगाज किया है। उन्होंने गठबंधन की शर्तों को स्पष्ट करते हुए कहा, गठबंधन भी होगा, गठबंधन के साथ चुनौती भी होगीज हमारे लिए बात सीट की नहीं, जीतने वाली सीट की होगी। जो जीते, वह सीट ले ले। अखिलेश ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी ने भाजपा को हराया था और अब 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की स्थायी हार सुनिश्चित करने के लिए काम किया जाएगा।

अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर अपनी पार्टी की प्राथमिकता को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण जीतने की संभावना होगी, और जो उम्मीदवार या पार्टी किसी सीट पर जीत हासिल कर सकती है, उस सीट पर उसी का दावा होना चाहिए। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में मिलकर चुनाव लड़ा था, जिससे दोनों दलों के प्रदर्शन में 2022 के विधानसभा चुनाव की तुलना में काफी सुधार हुआ था, जब वे अलग-अलग लड़े थे। अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को भाजपा और समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) सामाजिक गठजोड़ के बीच मुकाबले के तौर पर पेश किया। उन्होंने 'ए' के दायरे को और व्यापक करने की कोशिश करते हुए इसमें महिलाओं (आधी आबादी) को भी जोड़ने की बात कही। उन्होंने गाजीपुर में विश्वकर्मा परिवार से जुड़े कथित मामले और एक बिंद युवक का भी जिक्र किया, और कहा कि समाजवादी पार्टी विश्वकर्मा, लोध और पासी समेत इन समुदायों के लोगों को न्याय दिलाने के लिए काम करेगी।

सपा अध्यक्ष ने भाजपा की 'बुलडोजर राजनीति' पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पीडीए से जुड़े समुदायों को प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जबकि सत्ता से जुड़े समुदायों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। अखिलेश ने कहा कि असमानता के खिलाफ संघर्ष जारी है और पीडीए के मतदाता अब अपनी राजनीतिक ताकत को समझ चुके हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि 'बुलडोजर राजनीति' करने वाले लोग पीडीए आंदोलन से बच नहीं पाएंगे, और इस बार चुनावी फैसला केवल ऐसी राजनीति को हराएगा नहीं, बल्कि उसे खत्म करेगा।

रायबरेली में सपा विधायक श्याम सुंदर भारती ने भी पार्टी के दावे को मजबूती से रखा और रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ बताए जाने पर सवाल उठाया। भारती ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने जिले की चार सीटें जीती थीं, और दो सीटों पर पार्टी बेहद कम अंतर से हारी थी। उन्होंने दावा किया कि अगर ये सीटें भी सपा के खाते में आतीं तो जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर पार्टी जीत दर्ज करती।

जमुई छेड़छाड़: माता-पिता ने सीएम से की सख्त कार्रवाई की गुहार

पटना(एजेंसी)। जमुई में छेड़छाड़ की शिकार हुई एक नाबालिग लड़की के माता-पिता ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर अपनी बेटी को परेशान करने वाले दरिंदों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री चौधरी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपील कर कहा कि अपराधियों को भी उसी डर और तकलीफ का सामना करना चाहिए, जो उन्होंने उनकी मासूम बेटी को दी है। उन्होंने भावुक होकर कहा, मेरी बेटी गिड़गिड़ा रही थी, अब उन दोषियों को भी गिड़गिड़ाना चाहिए। हालांकि, मां ने बिहार सरकार और पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 24-48 घंटों के भीतर पहले तीन आरोपियों को पकड़ा गया और फिर एक मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी को दबोच गया। मुख्यमंत्री ने परिवार को भरोसा दिलाया है कि उनकी बेटी उनकी अपनी बेटी जैसी है और उसकी हर संभव मदद की जाएगी।

अभिजीत का दावा- ज्ञानेश ने कई भाजपा नेताओं को हराया

48 घंटे में सीईसी ने इस्तीफा दें नहीं तो आंदोलन होगा-सीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से 48 घंटे के भीतर इस्तीफे की मांग की है और ऐसा न होने पर राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीजेपी के अभिजीत दीपके ने यह चौंकाने वाला दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं के हालिया चुनावों में हारने की वजह ज्ञानेश कुमार हैं, हालांकि उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया। हाल ही में एक खोजी मीडिया रिपोर्ट के बाद सीईसी विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं, जिस पर सीजेपी ने भी अपनी आवाज़ बुलंद की है।

दीपके ने इस सवाल के जवाब में कि क्या विपक्ष को भी इस बार चुनाव से मना कर देना चाहिए, कहा कि अगर फ्री एंड फेयर चुनाव नहीं होता है तो कोई भी चुनाव न लड़े। भाजपा के नेता भी जो हारे इलेक्शंस उनको भी मैं कहना चाहता हूं सर आप भी जीत सकते थे लेकिन आपको ज्ञानेश कुमार ने हराया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव से दूरी बनाने के सवाल पर कहा कि जिसको बात माननी है वो माने जिसको ना माननी है वो ना माने वो उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। ज्ञानेश कुमार के 48 घंटे में इस्तीफा न देने पर सीजेपी ने पूरे देश में आंदोलन की घोषणा की है। दीपके ने बताया कि हम हर राज्य जाएंगे, हम हर शहर जाएंगे और लोगों को जगाने की कोशिश करेंगे। जैसे एक हमने जंतरमंतर पर आंदोलन करने से पहले हम देश भर में गए थे। वैसे ही हम ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी देश भर में जाएंगे। सीजेपी ने कई प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा, एसआईआर प्रक्रिया की पूरी स्वतंत्र जांच, एसआईआर को रोकना और पहले की मतदाता सूची को बहाल करना शामिल है। इसके अलावा, सभी संबंधित एसआईआर रिकॉर्ड और फाइलों को उच्चतम न्यायालय या स्वतंत्र न्यायिक निगरानी वाली जांच को सौंपना, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार और उन अधिकारियों की पहचान करना भी शामिल है, जिन्होंने विवादित बदलावों और निर्देशों को मंजूरी दी थी। दीपके ने चुनाव से छेड़छाड़ और वोट की चोरी को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि लोगों में गुस्सा पहले ही बहुत है। अच्छा होगा अगर ज्ञानेश कुमार 48 घंटों के अंदर इस्तीफा दे दें, नहीं तो ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पूरे देश में आंदोलन होगा।

प्रियंका गांधी का तीखा वार: चुनावी धांधली से आया है उनका ओवरकॉन्फिडेंस

वायनाड, एजेंसी।
चुनाव आयोग में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतभेद की मीडिया रिपोर्टों के बाद सियासी गर्मागर्मी के बीच, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावों में धांधली करके अति आत्मविश्वासी हो गई है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा के तर्क को घटिया बहाना बताया कि कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती, तब चुनाव की वैधता पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा, यह बहुत ही पुरानी और कमजोर कहानी है। तथ्य और सबूत पूरे देश के सामने हैं, जैसा कि मेरे भाई राहुल गांधी ने कई प्रेसवार्ता में दिखाया है। यह बिल्कुल साफ है कि 13 करोड़ वोटरों के नाम हटाए गए हैं। प्रियंका ने चेतावनी दी कि यदि भाजपा चुनावों में गड़बड़ी कर रही है और चुनाव आयोग से यह काम करा रही है, तब यह देशद्रोह का काम है और उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर चुनावों में धांधली कर ओवरकॉन्फिडेंट होने का आरोप दोहराया। उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाकर कहा कि यदि वे ऐसा कर रहे हैं, तब वे इस स्वीकार क्यों नहीं करते? वे किस बात से डरते हैं? उन्होंने कहा कि वर्षों से चुनावों में हो रही कथित धांधली ही उनके हर समय के ओवरकॉन्फिडेंस का स्वाभाविक कारण है।

यह हमला नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा वार किया था। राहुल ने ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देकर वोट चोरी के मामले में सरकारी गवाह बनने की बात कही थी और उनके कृत्यों को देशद्रोह के समान बताया था।

भारत न केवल अपनी जरूरतों बल्कि दुनिया के लिए भी तैयार कर रहा उत्पाद

-पीयूष गोयल ने कहा-'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने नियमों को सरल बनाया

नई दिल्ली,, एजेंसी।
'मेक इन इंडिया' की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत न केवल अपनी जरूरतों के लिए विनिर्माण कर रहा है, बल्कि दुनिया के लिए भी उत्पाद तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल इस सरल विश्वास पर आधारित एक दृष्टिकोण है कि भारत दुनिया के लिए विनिर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक उपलब्धि नहीं है। यह हमें याद दिलाती है कि जब कोई देश अपनी क्षमताओं पर विश्वास करता है और सरकार निरंतर सुधारों और ठोस कदमों के जरिए उस विश्वास को मजबूती देती है, तो क्या कुछ हासिल किया जा सकता है।

गोयल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि 2014 को पीछे मुड़कर देखें तो भारत की विनिर्माण क्षमता को लेकर होने वाली बहसें याद आ सकती हैं। उस समय भारत में इस्तेमाल होने वाले कई उत्पाद आयात किए जाते थे। पीएम मोदी ने इसे हमारी नियति मानने से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहां दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले उत्पाद गर्व से 'मेड इन इंडिया' का टैग लगाएंगे और अपनी गुणवत्ता के लिए पहचाने जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने नियमों को सरल बनाया है और अनुपालन का बोझ कम किया है। वहीं, प्रमुख क्षेत्रों में किए गए सुधारों ने निवेश और विनिर्माण के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। पीएलआई योजनाओं ने इसमें और गति दी है। 31 मार्च 2026 तक इन योजनाओं के तहत 2.40 लाख करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश हुआ, 23.8 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन/बिक्री दर्ज की गई और 15.2 लाख करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। साथ ही, 14.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उस आत्मविश्वास की कहानी है, जो इस पहल ने पैदा किया है। हमारे स्टार्टअप संस्थापकों, उद्यमियों, निर्माताओं, नवोन्मेषकों, निर्यातकों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे लोगों में यह विश्वास पैदा हुआ है कि भारत बना सकता है, भारत नवाचार कर सकता है और भारत दुनिया से प्रतिस्पर्धा कर सकता है।' गोयल ने जोर देकर कहा कि मेक इन इंडिया की यात्रा जारी है और अब इसका लक्ष्य और भी बड़ा है जिसमें भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनाना शामिल है, जो 2047 तक विकसित भारत के हमारे विजन को भी मजबूत करेगा।

गांधी चौक पर अतिक्रमण विरोधी अभियान, बुलडोजर चलने से दुकानदारों में हड़कंप; सड़क जाम, टायर जलाकर प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र के गांधी चौक एवं आसपास शुक्रवार को अतिक्रमण के खिलाफ जोरदार कार्रवाई की गई। नगर पंचायत की टीम ने सड़क किनारे अवैध रूप से लगाई गई दुकानों को बुलडोजर से हटा दिया। कार्रवाई नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन की मौजूदगी में की गई। लंबे समय बाद हुई इस कार्रवाई से अतिक्रमण कर दुकान लगाने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार बुलडोजर पहुंचने से पहले ही अपना सामान हटाने में जुट गए।

दुकानदारों ने जताई नाराजगी, कहा-अचानक की गई कार्रवाई

वही कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत कार्यालय की ओर से दुकान हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और अचानक कार्रवाई कर दी गई, जिससे उनके सामने परेशानी खड़ी हो गई। वहीं, नगर पंचायत की ओर से स्पष्ट किया गया कि दुकानदारों को पहले भी कई बार अतिक्रमण हटाने की सूचना दी गई थी वही राजमहल नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन ने बताया कि गांधी चौक एवं आसपास सड़क किनारे स्थायी रूप से अतिक्रमण कर दुकानें लगाई जा रही थीं, जिससे अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। हाल के दिनों में छोटी-छोटी दुर्घटनाओं की सूचना भी नगर पंचायत कार्यालय को मिली थी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि नगर पंचायत की टीम ने दुकानदारों को दुकान हटाने, नगर पंचायत के मार्केट में स्थायी रूप से दुकान लगाने अथवा ठेला के माध्यम से अस्थायी दुकान संचालित करने को कहा था। कुछ जरूरतमंद दुकानदारों ने शिकायत की थी कि कुछ लोग माघी पूर्णिमा मेला, छठ पूजा समेत अन्य बड़े अवसरों पर दुकानदारी के लिए अपने कब्जे वाली जगह की नीलामी करते हैं, जिससे जरूरतमंद दुकानदारों को ठेला लगाने की जगह भी नहीं मिल पाती है। वही नगर पंचायत ने अन्य दुकानदारों को भी अपनी-अपनी दुकानें स्वयं हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा गया है कि दुकान के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर स्थायी कब्जा न किया जाए और ठेला लगाकर अस्थायी दुकान संचालित की जाए, ताकि सड़क किनारे अतिक्रमण की समस्या उत्पन्न न हो। कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि सक्षम दुकानदार नगर पंचायत के निर्मित मार्केट कॉम्प्लेक्स हाटपाड़ा में दुकान एवं स्थल आवंटित करा सकते हैं। नगर पंचायत की ओर से सड़क किनारे अतिक्रमण के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

आक्रोशित दुकानदारों ने किया सड़क जाम, टायर जलाकर प्रदर्शन

वही कार्रवाई के बाद स्थित गांधी चौक के समीप दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित महिला और पुरुष दुकानदारों ने नगर पंचायत कार्यालय की कार्रवाई का विरोध करते हुए क्षतिग्रस्त दुकानों की सामग्री सड़क पर रखकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया, जिससे शहर का आवागमन बाधित रहा। दुकानदारों ने टायर जलाकर भी विरोध प्रदर्शन किया तथा गांधी चौक से मलका बाबा स्थान तक कई दुकानों को बंद कराया।

नोटिस नहीं देने का लगाया आरोप

दुकानदारों का कहना है कि वे फुटपाथ पर दुकान लगाकर रोजगार करते हैं और यही उनकी रोजी-रोटी का साधन है। उनका आरोप है कि नगर पंचायत को कार्रवाई से पहले प्रचार-प्रसार या नोटिस जारी करना चाहिए था, ताकि वे स्वयं दुकानें हटा लेते। दुकानदारों के अनुसार, अचानक बुलडोजर लाकर दुकानों में तोड़फोड़ की गई, जिससे दुकानों के साथ-साथ सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ।

प्रशासन ने बताया कार्रवाई विधिसम्मत

इधर, नगर पंचायत कार्यालय की ओर से कार्रवाई को विधिसम्मत बताया गया है। प्रशासन की ओर से सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने को लेकर यह कार्रवाई की गई। वहीं, सड़क जाम की सूचना पर अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर अंचल निरीक्षक प्रवीण कुमार और हल्का कर्मचारी ब्रह्मदेव मंडल दुकानदारों से वार्ता करने पहुंचे।

पुलिस ने 35 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंपा, लोगों ने पुलिस के प्रति आभार जताया

बिभा संवाददाता

उधवा। पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के निदेर्शानुसार राधानगर थाना परिसर में गुरुवार को पुलिस की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर चोरी एवं खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया। मोबाइल फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। पुलिस की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान राजमहल अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बरामद कुल 35 मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए। इनमें राधानगर थाना क्षेत्र से 13,राजमहल से 13,तालझारी से 7 तथा तीनपहाड़ थाना क्षेत्र से 2 मोबाइल शामिल है। इस दौरान एसडीपीओ राजमहल विमलेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि चोरी अथवा गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार तकनीकी स्तर पर प्रयास कर रही है। बरामद मोबाइल फोन की पहचान और आवश्यक सत्यापन के बाद उन्हें संबंधित लोगों को सौंपा जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल वापस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक महीने की 25 तारीख को थाना परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में इस बार भी बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। एसडीपीओ ने लोगों से अपील किया है कि मोबाइल फोन चोरी या गुम होने की स्थिति में इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं। ताकि पुलिस तकनीकी माध्यम से मोबाइल की तलाश कर सकें। मौके पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी,तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय,तीनपहाड़ थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

अनंत चतुर्दशी पर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं का सैलाब, 14 गांठों वाला अनंत डोरा धारण कर मांगी सुख-समृद्धि

राजमहल(बिभा)। अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को राजमहल स्थित पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर आस्था और भक्ति का भव्य नजारा देखने को मिला। सुबह से ही राजमहल अनुमंडल सहित बरहरवा, बोरियो, बरहेट, बोआरीजोर, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा और सुंदरपहाड़ी जैसे दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे। इस दौरान आम श्रद्धालुओं के साथ-साथ साफाहोड़ आदिवासी समुदाय के लोगों ने अपने धर्मगुरुओं के नेतृत्व में पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत स्नान किया। स्नान के उपरांत घाट किनारे अखाड़ा लगाकर मां गंगा, मरांग बुरु (भगवान शिव) और भगवान श्रीराम की विधि-विधान से सामूहिक पूजा-अर्चना की गई। पूजा स्थलों पर पुरोहितों ने श्रद्धालुओं को भगवान अनंत की महिमा और 14 लोकों के प्रतीक स्वरूप व्रत की पौराणिक कथा सुनाई। कथा श्रवण के बाद सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना करते हुए श्रद्धालुओं ने 14 गांठों वाला रक्षा सूत्र (अनंत डोरा) धारण किया–पुरुषों ने दाहिने और महिलाओं ने बाएं हाथ में इसे बांधा। पूजा-अर्चना व प्रसाद वितरण के बाद लोगों ने बड़ों का आशीर्वाद लेकर उपवास का पारण किया। दिनभर पूरा गंगा तट और स्थानीय मंदिर 'हर-हर गंगे' और धार्मिक भजनों से गुंजायमान रहे।

रक्तदान शिविर में 12 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

साहेबगंज(बिभा)। उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी साहेबगंज के निर्देश पर शुक्रवार को सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ लोगों को नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना था। शिविर में कुल 12 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को जीवन बचाने में मदद करने वाला मानवीय कार्य है। नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, डॉ. मोहन मुर्मू सहित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी साहिबगंज शाखा के चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, केशव तिवारी, मोहम्मद तूफैन अहमद, सुरेश निर्मल, आर.के. दास, गोपाल चोखानी, अनिल कुमार गुप्ता, विनय झा, हरेंद्र पासवान समेत अन्य सदस्य एवं सहयोगी मौजूद रहे। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से स्वस्थ एवं पात्र लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की गई।

दक्षिण पलाशगाछी पंचायत की मुखिया ने रखी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लिए विशेष फंड की मांग

उधवा(बिभा)। झारखंड पंचम राज्य वित्त आयोग द्वारा साहेबगंज समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष से जिला परिषद अध्यक्ष,प्रखंड प्रमुखों एवं विभिन्न ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद किया गया। इस दौरान पंचायतों की स्थानीय जरूरतों,फंड की उपलब्धता और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उधवा प्रखंड की दक्षिण पलाशगाछी पंचायत की मुखिया नफीसा खातून ने गंगा नदी किनारे बसे दियारा क्षेत्र की समस्याओं को पंचम राज्य वित्त आयोग के समक्ष प्रमुखता से रखा। उन्होंने बताया कि दक्षिण पलाशगाछी पंचायत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। प्रत्येक वर्ष गंगा नदी में बाढ़ आने से पंचायत के बड़ी संख्या में ग्रामीण प्रभावित होते है। मुखिया ने आयोग से बाढ़ प्रभावित पंचायतों के लिए विशेष राहत एवं विकास फंड उपलब्ध कराने की सरकार से अनुशंसा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि विशेष फंड मिलने से बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों को राहत देने के साथ पंचायत की आधारभूत सुविधाओं को भी मजबूत किया जा सकेगा। उन्होंने बाढ़ के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या भी आयोग के समक्ष रखी। उन्होंने दक्षिण पलाशगाछी समेत अन्य बाढ़ प्रभावित दियारा पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए पंचम राज्य वित्त आयोग के माध्यम से विशेष राशि उपलब्ध कराने की मांग की। इससे बाढ़ के समय बिजली आपूर्ति बाधित होने पर भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकाश की सुविधा उपलब्ध रह सकेगी और आपात परिस्थितियों में ग्रामीणों को सहूलियत मिलेगी।

एक समय, एक लय में गूंजा वंदे मातरम, छह स्थानों पर हुआ सामूहिक आयोजन

बिभा संवाददाता

तालझारी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के प्रायोजन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सार्ध शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार 25 सितंबर को सुबह 11 बजे देशभर में एक तिथि, एक समय और एक लय में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन का आयोजन किया गया। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में विद्या भारती से जुड़े विद्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों पर भी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन किया। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लालमाटी में भी इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, आचार्यों, दीदी एवं अन्य उपस्थित लोगों ने निर्धारित समय पर एक साथ राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व और देश की एकता एवं राष्ट्रीय भावना में इसके योगदान को भी रेखांकित किया गया। विद्यालय की ओर से पांच अन्य स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें प्लस टू उच्च विद्यालय हरिनकोल, प्लस टू उच्च विद्यालय मंगलहाट, बाबा दुधनाथ मंदिर दुधकोल, गौर मंडली जयरामडांगा व शहीद कारगिल चौक तालझारी शामिल रहे। सभी स्थानों पर विद्यालय के आचार्य एवं दीदी कार्यक्रम संयोजक के रूप में उपस्थित रहे और सामूहिक गायन का संचालन कराया। वहीं इन कार्यक्रमों में संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, मंदिर के पुजारी, किसान, ग्रामीण, माताएं, भैया-बहन, पूर्व छात्र, गणमान्य, बुद्धिजीवी लोग एवं पत्रकार बंधुओं ने सहभागिता की। अलग-अलग स्थानों पर ग्रामीणों और विद्यार्थियों की मौजूदगी से कार्यक्रम में उत्साह का माहौल रहा। वहीं आयोजकों ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय चेतना और एकता की भावना से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसके 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में एक साथ सामूहिक गायन का आयोजन लोगों में राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का माध्यम बना।

उधवा में पोषण पखवाड़ा के तहत लोगों को किया गया जागरूक

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में शुक्रवार को पोषण पखवाड़ा के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं,धात्री माताओं एवं बच्चों को संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। सेविकाओं ने लोगों को पोषण संबंधी जानकारी देते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करने की अपील की। इस दौरान विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर व्यंजन प्रतियोगिता,गोद भराई,अन्नप्राशन एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। व्यंजन प्रतियोगिता में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने स्थानीय एवं आसानी से उपलब्ध खाद्य सामग्री से तरह-तरह के पौष्टिक व्यंजन तैयार कर उनके पोषण संबंधी महत्व की जानकारी दी। वहीं गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष जोर दिया गया। जागरूकता रैली के दौरान लोगों को बच्चों के उचित पोषण,साफ-सफाई,स्वच्छ पेयजल और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सेविकाओं ने बताया कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को नियमित और संतुलित आहार मिलने से उनका विकास बेहतर तरीके से होता है तथा कुपोषण की समस्या को भी कम किया जा सकता है। वहीं महिला पर्यवेक्षिका सुशीला हेंब्रोम ने कहा कि बच्चों के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए शुरूआती उम्र से ही संतुलित आहार जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के खान-पान पर विशेष ध्यान देने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से मिलने वाली पोषण संबंधी जानकारी का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षिका दरखासा खातून, आभा सहित आंगनबाड़ी सेविका,सहायिका एवं ग्रामीण महिलाएं मौजूद थे।

घरेलू विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, तीन लोग घायल

बिभा संवाददाता

उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र के बेगमगंज गांव में शुक्रवार को घरेलू विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट की घटना में एक पक्ष के दो किशोरी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार रामदास मंडल ने राधानगर थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि शुक्रवार को पैतृक मकान में अपने हिस्से के ईटा व मिट्टी उठाकर साफ कर रहा था। इसी बीच अपने ही सागे भाई सुदाम मंडल जो उसी गांव में दूसरे जगह मकान बनाकर रह रहे है। सुदाम मंडल समेत चार लोग दलबल के साथ हाथ में लाठी-डंडे व हंसुआ लेकर पहुंचे और गाली-गलौच करते हुए मारपीट करने को उतारू हो गए। मारपीट के क्रम में रामदास मंडल के सिर पर गंभीर चोट पहुंची है। वहीं उसके पुत्री किशोरी माया कुमारी व मौसम कुमारी के सिर व हाथ में जख्म है। रामदास मंडल ने यह भी आरोप लगाया है सुदाम मंडल,गुड्डू मंडल,मनीष मंडल व गौरी देवी ने जानलेवा हमला करते हुए घर में रखे एक लाख पैंतीस हजार रुपया लेकर फरार हो गए है। इधर राधानगर थाना पुलिस ने सभी घायलों को जख्म प्रतिवेदन देकर इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल भेज दिया है। फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एसआईआर को लेकर बोरियो में समीक्षा बैठक, लंबित मामलों के समयबद्ध निष्पादन का निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम - 2026 के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को बोरियो प्रखंड कार्यालय में समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड सुबोध कुमार एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू मौजूद रहीं। वहीं बैठक में राजमहल, बोरियो एवं बरहेट विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न प्रखंडों के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं अतिरिक्त एईआरओ शामिल हुए। इस दौरान एसआईआर - 2026 के तहत नोटिस चरण में प्राप्त दस्तावेजों एवं मामलों के निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की गई। निर्धारित स्थलों पर मतदाताओं की सुनवाई, सुनवाई से जुड़े अभिलेखों के संधारण तथा क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्राप्त मामलों की भी जानकारी ली गई। वहीं अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी लंबित मामलों का नियमानुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करें। साथ ही सुनवाई और अभिलेखों के संधारण में विशेष सावधानी बरतने को कहा गया। साथ ही बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में एसआईआर कार्यों की लगातार निगरानी करने और निर्वाचन संबंधी कार्यों को पूरी तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ पूरा करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं शुचिता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

जीवनपुर संथाली टोला में ग्रामीणों से मिले बरकत खान, राशन - पेंशन समेत जनसुविधाओं की समस्याएं सुनीं

बिभा संवाददाता

बरहरवा। बरहरवा प्रखंड के कोटालपोखर पंचायत अंतर्गत जीवनपुर संथाली टोला में जिला कांग्रेस कमेटी साहेबगंज के जिलाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान ग्रामीणों ने राशन, पेंशन, सड़क, बिजली, पेयजल और आवागमन समेत विभिन्न जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने राशन वितरण में निर्धारित मात्रा से कम राशन मिलने की शिकायत की। उनका आरोप था कि राशन डीलर द्वारा लाभुकों को पूरी मात्रा में राशन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कराकर नियमानुसार पूरा राशन दिलाने की मांग की। वहीं कई ग्रामीणों ने वृद्धावस्था पेंशन की राशि नियमित रूप से नहीं मिलने की समस्या भी रखी। ग्रामीणों ने बताया कि पात्र होने के बावजूद कुछ लाभुकों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सड़क, बिजली, पेयजल और आवागमन से संबंधित समस्याओं के समाधान की भी मांग की गई। वहीं बरकत खान ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों के समक्ष मामले को रखने और समाधान के लिए पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक स्तर पर पहल की जाएगी।

एसआईआर को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

जनसंवाद के दौरान बरकत खान ने ग्रामीणों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से अपने और परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में जांचने तथा एसआईआर से संबंधित किसी भी नोटिस या सूचना को गंभीरता से लेने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन लोगों को एसआईआर से संबंधित नोटिस प्राप्त हुआ है, वे निर्धारित समय पर संबंधित बीएलओ के समक्ष आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी जानकारी का सत्यापन कराएं। उन्होंने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और एसआईआर से जुड़ी जानकारी के लिए बीएलओ या अधिकृत माध्यमों से जानकारी प्राप्त करने की अपील की। बरकत खान ने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटे, इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं। मौके पर मुखिया शेरोफिना हेम्ब्रम, वार्ड सदस्य होपनमई मरांडी, जीवनपुर प्रधान मायनो हेम्ब्रम, कोटालपोखर प्रधान बुदलूम रजवाड़, बिनोद घोष, कारमेल हेम्ब्रम, सुहागिनी मरांडी, दुर्गा मरांडी, होपना मरांडी, सरोज मरांडी, कुलु दासी देवी, मरियम मरांडी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 66–एसडीएसटीई–एएसएन–2026–27, दिनांक 23.09.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: कार्य का नाम/स्थान: ''आसनसोल मंडल-: सीतारामपुर-झाझा खंड में लूप लाइनों की लंबाई का विस्तार''। निविदा मूल्य: रु. 1,96,21,753.96, बयाना राशि: रु. 3,92,400/–, कार्य की समापन अवधि: एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। निविदा बंद होने की तिथि और समय: 15.10.2026 को 14.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: http://www. ireps.gov.in/

ASN-271/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

सं.: ओ/एसी/टी/140/26–27 (खुली), दिनांक 22.09.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: केस सं. ओ–एसी–टी–140–26–27, कार्य का नाम: वरिष्ठ डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/मुख्यालय/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में ईएलटीसी/आसनसोल में आईजीओटी ट्रेनिंग सेंटर कम कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट के निर्माण के लिए खुली निविदा। निविदा मूल्य: रु. 78,02,217/–, बयाना राशि: रु. 1,56,000/–, कार्य की समापन अवधि: 06 माह। बंद होने की तिथि और समय: दिनांक 16.10.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है।

ASN-267/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त डायरी

मगध प्रमंडल साइंस ड्रामा में गया जी की टीम दूसरे स्थान पर, 179 अंक मिले; अरवल ने 200 अंक के साथ मारी बाजी

पटना (एजेंसी) गया जी के अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में आयोजित प्रमंडल स्तरीय साइंस ड्रामा प्रतियोगिता 2026 में अरवल की टीम ने 200 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है. अरवल के विद्यार्थियों ने एआई के उपयोग और साइबर ठगी से जुड़े विषयों पर प्रभावी नाट्य प्रस्तुति दी, जिस पर डीईओ असगर आलम खां ने उन्हें बधाई दी है. क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक मगध प्रमंडल, गया जी के तत्वावधान में गुरुवार को अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, गया जी में प्रमंडल स्तरीय 'साइंस ड्रामा प्रतियोगिता 2026' का भव्य आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में मगध प्रमंडल के विभिन्न जिलों से चुनी गई टीमों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया. आरडीडीई संजय कुमार चौधरी के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर अरवल जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे सरस्वती विद्या निकेतन उच्चतर विद्यालय, ईटवां की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया. प्रतियोगिता में अरवल की टीम को तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल में से प्रथम निर्णायक द्वारा 60, द्वितीय निर्णायक द्वारा 62 तथा तृतीय निर्णायक द्वारा 78 अंक प्रदान किए गए. इस प्रकार अरवल की टीम ने कुल 200 अंक हासिल कर प्रतियोगिता में बाजी मार ली. गया की टीम को 179 अंक के साथ मिला दूसरा स्थान वहीं, गया जिले की टीम 179 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जिसे निर्णायकों द्वारा क्रमशः 45, 60 और 74 अंक दिए गए. इसके अलावा, जहानाबाद की टीम ने 153 अंकों के साथ तीसरा, औरंगाबाद की टीम ने 126 अंकों के साथ चौथा और नवादा की टीम ने 123 अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया. इस प्रतियोगिता में प्लस टू यशवंत उच्च विद्यालय खिजरसराय (गया), उत्क्रमित उच्च विद्यालय खैरा मिर्जा चौखड़ा (औरंगाबाद), एमकेडी प्लस टू उच्च विद्यालय मार्थू घोषी (जहानाबाद), प्रोजेक्ट एमपीएस कन्या इंटर विद्यालय हिसुआ (नवादा) और सरस्वती विद्या निकेतन उच्च विद्यालय ईंटवां (अरवल) के छात्र-छात्राओं की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता के निर्णायक सदस्यों में हादी हाश्मी स्कूल के प्राचार्य नफासत करीम, सेवानिव

मुजफ्फरपुर के औराई में नाव पलटी, 15 लोग थे सवार, 14 निकले, एक युवती लापता

पटना (एजेंसी) औराई के देवरा धर्मपुर गांव में मवेशियों का चारा लाने जा रही नाव बागमती नदी में डूब गयी. नाव पर सवार 15 लोगों में 14 सुरक्षित बाहर निकल गये, जबकि 15 वर्षीय किशोरी रानी कुमारी लापता बतायी जा रही है. प्रशासन तलाश में जुटा है. मुजफ्फरपुर नाव हादसाः औराई थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बागमती नदी में मवेशियों का चारा लाने जा रही नाव डूब गयी. नाव पर 15 लोग सवार थे. इनमें 14 लोग किसी तरह नदी से बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि 15 साल की नाबालिग युवती रानी कुमारी के लापता होने की सूचना है. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गयी है. चारा लाने के दौरान बागमती में डूबी नाव घटना महेशवारा पंचायत के देवरा धर्मपुर गांव के पास की बतायी जा रही है. बागमती बांध के अंदर पशुपालक किसान मवेशियों के लिए चारा लाने के लिए नाव से नदी पार कर रहे थे. इसी दौरान नाव अचानक नदी में डूब गयी. नाव के डूबते ही उस पर सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गयी. 14 लोग किसी तरह तैरकर या दूसरे लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकल गये. रानी कुमारी अब भी लापता महेशवारा पंचायत के मुखिया रामस्वार्थ राम ने बताया कि नाव पर सवार लगभग सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गये हैं. हालांकि, होरिल पासवान की 15 साल की बेटी रानी कुमारी के लापता होने की जानकारी मिली है. घटना की सूचना प्रशासन को दी गयी है. किशोरी की तलाश के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास शुरू कर दिया गया है. मौके पर पहुंचा प्रशासन, की मदद की तैयारी नाव डूबने की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. लापता किशोरी की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम बुलाने का प्रयास किया जा रहा है. स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गयी है. किशोरी के लापता होने की सूचना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में चिंता का माहौल है. प्रशासन की ओर से नदी में खोजबीन की तैयारी की जा रही है. बागमती बांध के अंदर चारा लाने जाते हैं किसान बताया गया कि बागमती बांध के अंदर बड़ी संख्या में पशुपालक किसान अपने मवेशियों के लिए चारा लाने जाते हैं. इसके लिए कई लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं. शुक्रवार को भी किसान चारा लाने के लिए नाव से नदी में गये थे, इसी दौरान हादसा हो गया. फिलहाल प्रशासन और स्थानीय लोग लापता किशोरी की तलाश में जुटे हैं. हादसे में नाव के डूबने के कारणों की जानकारी भी जुटायी जा रही है.

नालंदा में अब इन 3 स्टेट हाईवे पर देना होगा टोल टैक्स, चार जगह बनेंगे प्लाजा

पटना (एजेंसी) नालंदा के तीन प्रमुख स्टेट हाईवे पर जल्द टोल व्यवस्था शुरू होने वाली है. एसएच-78, एसएच-71 और एसएच-4 पर चार टोल प्लाजा बनेंगे, जिस पर करीब 38 करोड़ खर्च होंगे. नालंदा जिले से गुजरने वाले तीन प्रमुख स्टेट हाईवे पर जल्द टोल व्यवस्था लागू करने की तैयारी शुरू हो गयी है. बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एसएच-78, एसएच-71 और एसएच-4 पर कुल चार टोल प्लाजा बनाने के लिए टेंडर जारी किया है. इन प्लाजा के निर्माण पर करीब 37 करोड़ 95 लाख 3 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान है. टोल व्यवस्था लागू होने के बाद इन मार्गों से नियमित सफर करने वाले लोगों और पर्यटकों को भी उपयोगकर्ता शुल्क देना होगा. इन तीन स्टेट हाईवे पर बनेगा टोल प्लाजा की ओर से एसएच-78 चंडी-नूरसराय-सरमेरा, एसएच-71 जहानाबाद-पार्वती पथ और एसएच-4 दनियावां-गया रोड पर टोल प्लाजा निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गयी है. तीनों स्टेट हाईवे पर कुल चार टोल प्लाजा बनाये जायेंगे. एसएच-71 पर राजगीर और नालंदा जाने वालों पर पड़ेगा असर करीब 85 किलोमीटर लंबा एसएच-71 जहानाबाद से घोसी, इस्लामपुर, राजगीर, गिरियक और कतरीसराय होते हुए पार्वती तक जाता है. यह मार्ग राजगीर और नालंदा विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण है. टोल व्यवस्था लागू होने के बाद इस मार्ग से गुजरने वाले नियमित यात्रियों के साथ पर्यटकों पर भी इसका असर पड़ेगा. एसएच-78 पर आठ लेन का टोल प्लाजा एसएच-78 पर नूरसराय के उत्तर तिमुहाना के पास आठ लेन का टोल प्लाजा बनाने की योजना है. इसमें दोनों दिशाओं में चार-चार लेन होंगी. इस टोल प्लाजा के निर्माण के लिए भी टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. एसएच-4 पर छह लेन का होगा प्लाजा एसएच-4 दनियावां-गया रोड पर छह लेन का टोल प्लाजा प्रस्तावित है. इसमें दोनों दिशाओं में तीन-तीन लेन होंगी. इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों के लिए टोल व्यवस्था लागू होने के बाद निर्धारित उपयोगकर्ता शुल्क देना होगा. एसएच-71 पर दो जगह बनेंगे टोल प्लाजा एसएच-71 पर दो अलग-अलग स्थानों पर टोल प्लाजा बनाने की योजना है.

पटना में पार्षद पति पर हमले की क्या थी वजह कुख्यात अपराधी का नाम आया सामने

पटना (एजेंसी) पटना में बीते मंगलवार की रात वार्ड नंबर-24 की पार्षद ज्ञानवंती देवी के पति अनिल यादव को गोली मारने की घटना सामने आई. इस मामले में पुलिस जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं. इस घटना में एक कुख्यात अपराधी का नाम भी सामने आ रहा है. पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के चकारम में वार्ड नंबर-24 की पार्षद ज्ञानवंती देवी के पति अनिल यादव को गोली मारने के मामले में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की बात सामने आयी है. पुलिस ने बदमाशों की पहचान का दावा करते हुए उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है. मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. वहीं, घटनास्थल से सात खोखे बरामद किये गये हैं. राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के एंगल से जांच तेज पुलिस की शुरूआती जांच में अनिल यादव पर हुए हमले के पीछे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का एंगल सामने आया है. पुलिस ने बदमाशों की पहचान करने का दावा किया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. तीन संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है. पुलिस ने घायल अनिल यादव और उनके परिजनों से भी पूछताछ की है. पूछताछ में दुजरा के एक कुख्यात अपराधी का नाम सामने आने की बात कही जा रही है. पुलिस के अनुसार, उक्त अपराधी के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं और वह फिलहाल जमानत पर है. फर्दबयान लिया गया, हस्ताक्षर के बाद होगा फाइनल पुलिस ने अनिल यादव का फर्दबयान ले लिया है. हालांकि, अभी इसे अंतिम नहीं माना जा रहा है, क्योंकि उस पर अनिल यादव के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं. पुलिस फर्दबयान और पूछताछ में सामने आयी जानकारी के आधार पर मामले की आगे जांच कर रही है. कांट्रेक्ट किलरों की मदद से हमला करने का शक पुलिस के मुताबिक, घटना को जिस तरीके से अंजाम दिया गया, उससे कांट्रेक्ट किलरों की मदद से अनिल यादव की हत्या की कोशिश किये जाने का संदेह है. जांच एजेंसियां हमले में शामिल बदमाशों और घटना के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हैं. बेसमेंट में घुसकर बाइक सवार बदमाशों ने मारी गोली मालूम हो कि बुधवार की देर शाम बाइक सवार बदमाश मां सुखिया देवी अपार्टमेंट के बेसमेंट में घुस गये थे. इसी दौरान बदमाशों ने अनिल यादव को गोली मार दी थी. घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए कंकड़बाग स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बतायी जा रही है. घटनास्थल से सात खोखे बरामद पुलिस ने घटनास्थल से सात खोखे बरामद किये हैं. पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने कुल सात गोलियां चलायी थीं, जिनमें से पांच गोली अनिल यादव को लगी. घटनास्थल से बरामद सभी खोखे 7.65 एमएम पिस्टल के बताये गये हैं. एसआईटी के साथ एसटीएफ और आसूचना इकाई जांच में जुटी मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया है. जांच में एसटीएफ के साथ पटना पुलिस की आसूचना इकाई को भी लगाया गया है. पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है और हमलावरों तक पहुंचने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. मोबाइल डंप डेटा से बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश घटनास्थल के आसपास का मोबाइल डंप डेटा भी निकाला जा रहा है. पुलिस इस डेटा के जरिए घटना के समय आसपास मौजूद संदिग्ध मोबाइल नंबरों और गतिविधियों की जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है. अनिल यादव की हालत स्थिर फिलहाल अनिल यादव का इलाज कंकड़बाग के एक अस्पताल में चल रहा है. उनकी स्थिति स्थिर बतायी गयी है. पुलिस उनके स्वास्थ्य और बयान से जुड़ी जानकारी के आधार पर भी जांच को आगे बढ़ा रही है.

छठ में घर आने के लिए 70 हजार यात्री वेटिंग में, दिल्ली-मुंबई से बिहार आते हैं करीब 3 लाख लोग

पटना (एजेंसी) छठ पर्व पर घर लौटने वाले 70 हजार यात्रियों को ट्रेन टिकट नहीं मिल पा रहा है. दिल्ली-मुंबई से बिहा के लिए 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत बताई जा रही है. : छठ पर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों की परेशानी अभी से बढ़ने लगी है. 60 दिन पहले बुकिंग शुरू होते ही दिल्ली और मुंबई रूट की नियमित ट्रेनों में सीटें तेजी से भर गईं और कई ट्रेनों में नो रूम की स्थिति बन गयी है. दिल्ली-मुंबई से बिहार आने वाले करीब तीन लाख यात्रियों के दबाव को देखते हुए 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत बतायी जा रही है. करीब 70 हजार यात्री फिलहाल वेटिंग टिकट पर हैं. 60 दिन पहले बुकिंग खुलते ही सीटें भरने लगीं छठ पर्व पर बिहार आने के लिए यात्रियों ने 60 दिन पहले से ही टिकट बुक कराना शुरू कर दिया. बुकिंग खुलते ही दिल्ली और मुंबई रूट की कई नियमित ट्रेनों में सीटें भर गयीं. अब कई प्रमुख ट्रेनों में नो रूम की स्थिति है. इससे छठ से करीब एक सप्ताह पहले बिहार आने वाले यात्रियों की चिंता बढ़ गयी है. दिल्ली-मुंबई से करीब तीन लाख लोग आते हैं बिहार छठ के दौरान दिल्ली और मुंबई समेत दूसरे शहरों से करीब तीन लाख लोग बिहार पहुंचते हैं. इनमें बड़ी संख्या प्रवासी मजदूरों और मध्यमवर्गीय कर्मचारियों की होती है. दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम में काम करने वाले लोग हर साल छठ पर अपने घर लौटते हैं. रेलवे को 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत जानकारों के अनुसार, इतने बड़े यात्री दबाव को संभालने के लिए रेलवे को 125 से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत होगी. खासकर दिल्ली से पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और बिहार के दूसरे जिलों में आने वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की मांग महत्वपूर्ण हो गयी है. रोज 50 ट्रेनें चलने के बावजूद टिकट का संकट बिहार से दिल्ली और मुंबई के बीच करीब 62 ट्रेनों का परिचालन होता है. इनमें 48 से 50 ट्रेनें रोज चलती हैं. एक ट्रेन में करीब 1200 यात्रियों के लिए रिजर्वेशन उपलब्ध होता है. इसके बावजूद छठ के समय यात्रियों की संख्या इतनी बढ़ जाती है कि नियमित ट्रेनों की क्षमता कम पड़ने लगती है. करीब 70 हजार यात्रियों ने लिया वेटिंग टिकट उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली-मुंबई रूट की ट्रेनों में अभी करीब 70 हजार यात्रियों ने वेटिंग टिकट लिया है. छठ से पहले बिहार आने और पर्व के बाद दिल्ली-मुंबई लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने से वेटिंग और बढ़ने की आशंका है.अमृत भारत में 10 और 15 नवंबर को टिकट नहीं है, जबकि 16 नवंबर के बाद वेटिंग की स्थिति है. 15657 ब्रह्मपुत्र मेल में नो रूम बताया गया है. सीमांचल और गरीब रथ में भी सीटों का संकट 12488 सीमांचल एक्सप्रेस में 16 नवंबर तक टिकट उपलब्ध नहीं है. 12368 ट्रेन में 15 नवंबर तक और 22406 गरीब रथ एक्सप्रेस में 14 नवंबर को टिकट नहीं है. इससे दिल्ली से बिहार आने वाले यात्रियों के सामने सीमित विकल्प रह गए हैं. वापसी में भी यात्रियों को नहीं मिल रहा टिकट छठ के बाद दिल्ली लौटने वाले यात्रियों के लिए भी टिकट का संकट बना हुआ है. 15483 महानंदा एक्सप्रेस में 18 नवंबर तक टिकट उपलब्ध नहीं है. 15743 फरक्का एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल और 12367 विक्रमशिला एक्सप्रेस में भी 16 नवंबर तक टिकट नहीं होने की स्थिति बतायी गयी है. पटना की 32 ट्रेनों में बड़ी संख्या में आरक्षण पटना जंक्शन से दिल्ली रूट पर आने-जाने वाली 32 ट्रेनें हैं. इस मार्ग पर रोज करीब 60 हजार यात्री सफर करते हैं. 12 से 15 नवंबर के बीच करीब 4.03 लाख से 4.20 लाख यात्रियों का आरक्षण हुआ है. एक सप्ताह में करीब 70 हजार यात्रियों ने वेटिंग टिकट भी लिया है. गरीब और मध्यमवर्गीय यात्रियों की बढ़ी चिंता छठ पर घर लौटने वाले गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए ट्रेन सबसे भरोसेमंद और अपेक्षाकृत सस्ता परिवहन साधन माना जाता है. नियमित ट्रेनों में सीट नहीं मिलने से ऐसे यात्रियों की परेशानी ज्यादा बढ़ सकती है.

बिहार में बिछेगा फोरलेन सड़क का जाल, 3 नदियों के किनारे बदलेगा पूरा रोड नेटवर्क, बाढ़ का भी घटेगा खतरा

पटना (एजेंसी) बिहार की तीन महत्वपूर्ण नदियों गंगा, कोसी और गंडक के तटबंधों पर फोरलेन सड़क बनाई जाएगी. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर पूरा एक्शन प्लान बताया है. फोरलेन सड़क के बनने से बाढ़ की समस्या का भी काफी हद तक समाधान हो सकेगा. : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाढ़ प्रबंधन को लेकर स्थायी समाधान के लिए कहा है कि गंगा, कोसी और गंडक नदी के दोनों तरफ तटबंधों को मजबूत करते हुए उस पर फोरलेन सड़क का निर्माण करना है. कोसी इलाके के शुरूआती 100 किलोमीटर जो विशेष डेंजर जोन है, उस पर डबल शीट पायलिंग करने की आवश्यकता है. उन्होंने राजकीय नलकूपों को सौर ऊर्जा से चलाने की दिशा में तेजी से काम करने का भी अधिकारियों को निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री ने यह बातें गंगा, गंडक और कोसी नदी परियोजना, बक्सर भागलपुर ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेसवे, 2400 (3000) मेगावाट पीरपैंती प्लांट सहित पीएम कुसुम योजना से जुड़े समीक्षा बैठक में कही. गाद प्रबंधन पर भी विशेष काम करने की जरूरत कोसी नदी प्रणाली की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोसी एक गतिशील

और आपस में जुड़ी नदी प्रणाली है. इसके प्रबंधन के लिए केवल वार्षिक बाद प्रतिक्रिया तक सीमित रहने के बजाय लॉन्ग टर्म बाद जोखिम को कम करने की रणनीति के तहत काम किया जाए. उन्होंने कोसी क्षेत्र को लोगों, संपत्तियों और कनेक्टिविटी से जुड़े बहु-जिला नदी गलियारे पर काम करने का निर्देश दिया. साथ ही गाद प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने सहित नये बैराज के निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा. गंडक नदी से संबंधित योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने तटबंधों पर सोलर प्लांट लगाने की दिशा में भी काम करने का निर्देश दिया. पथ के निर्माण में तेजी लाने के आदेश पथ निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान बक्सर-भागलपुर सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की प्रगति पर चर्चा हुई. इस परियोजना की कुल लंबाई 348. 196 किमी है. इसमें 336.205 किमी बिहार और 12 किमी उत्तर प्रदेश में है. मुख्यमंत्री ने इसके अतिरिक्त गंगा अंबिका पथ (बिदुपुर-दिघवारा), नारायणी पथ (दरिहारा डुमरिया घाट) और विश्वामित्र पथ (बक्सर आरा मनेर) से संबंधित परियोजनाओं की भी समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं के काम में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

32,388 पदों पर आज से शिक्षक अभ्यर्थी करेंगे आवेदन, जानिए फॉर्म भरने का पूरा प्रोसेस और योग्यता

पटना (एजेंसी) बीपीएससी टीआरई-4 के लिए अभ्यर्थी आज से आवेदन कर सकेंगे. आवेदन की प्रक्रिया 25 अक्टूबर तक चलेगी. टोटल 32,388 पदों पर शिक्षकों की भर्ती की जाएगी. अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले सभी निदेशों को पढ़ने की सलाह दी गई है. बीपीएससी की ओर से चौथे चरण की विद्यालय अध्यापक भर्ती परीक्षा (टीआरई- 4) के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 25 सितंबर यानी आज से शुरू होगी. अभ्यर्थी 26 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. आवेदन फीस जमा करने की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर है. अभ्यर्थियों को दी गई ये सलाह जानकारी के मुताबिक, इस भर्ती के माध्यम से राज्य में कुल 32,388 शिक्षक पदों पर नियुक्ति होनी है. आयोग के अनुसार आवेदन से संबंधित पूरा विज्ञापन और दिशा-निर्देश बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी गई है. अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले विज्ञापन और सभी निदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी गई है. किस क्लास में कितने शिक्षकों की भर्ती? बीपीएससी की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन की माने तो, क्लास 1 से 5 तक में 3,847 पदों पर भर्ती होगी. क्लास 6 से 8 तक में 8,563 पद, क्लास 9 से 10 तक में 3,877 पद और क्लास 11 से 12 तक में 16,101 पदों पर भर्ती की जाएगी. इस तरह से टोटल 32,388 पदों पर शिक्षकों को बहाल किया जाएगा.

पटना-नालंदा में थानों में लगेगा अधिकारियों का जनता दरबार, जिले में रुकेंगे SSP

पटना (एजेंसी) पटना और नालंदा में पुलिस थानों में रात्रि विश्राम करेगी. IGP जीतेंद्र राणा के निर्देश पर सोमवार से शुरू हो रही इस व्यवस्था से जनता और पुलिस की दूरी कम होगी. पटना और नालंदा में पुलिस और आम जनता के बीच दूरी कम करने के लिए नई व्यवस्था शुरू होने जा रही है. आइजी जीतेंद्र राणा ने एसएसपी और एसपी समेत वरीय पुलिस अधिकारियों को हर सप्ताह अपने क्षेत्र के किसी एक थाने में रात्रि विश्राम करने का निर्देश दिया है. अधिकारी दोपहर बाद जनता दरबार लगाएंगे और लंबित मामलों की समीक्षा के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लेंगे. सोमवार से लागू होगी नई व्यवस्था दरअसल, पटना और नालंदा में पुलिस अधिकारियों के थानों में रात्रि विश्राम की व्यवस्था सोमवार से शुरू होगी. आइजी जीतेंद्र राणा ने पटना और नालंदा के एसएसपी-एसपी को अपने क्षेत्र के किसी एक थाने में हर सप्ताह रात बिताने का निर्देश दिया है. इसका उद्देश्य पुलिस और आम लोगों के बीच दूरी कम करना और आपराधिक मामलों में कार्रवाई की रफ्तार बढ़ाना है. जनता की शिकायतें सुनेंगे अधिकारी वरीय पुलिस अधिकारी थाने में दोपहर बाद जनता दरबार लगाएंगे. इसमें स्थानीय लोग अपनी शिकायत और समस्याएं सीधे अधिकारियों के सामने रख सकेंगे. अधिकारियों को शिकायतों के निबटारे के साथ संबंधित मामलों की प्रगति की भी जानकारी लेने को कहा गया है. पुराने और लंबित मामलों की होगी समीक्षा थाने में रात्रि प्रवास के दौरान अधिकारी पुराने और लंबित मामलों की जांच और समीक्षा करेंगे. इससे लंबे समय से लंबित मामलों की स्थिति की जानकारी मिलेगी और जांच में आ रही अड़चनों की पहचान की जा सकेगी. श्त और वाहन चेकिंग का लेंगे जायजा वरीय अधिकारी अपने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था भी देखेंगे. वे पुलिस पेट्रोलिंग, गश्त और वाहन चेकिंग की स्थिति की पड़ताल करेंगे. थाने के स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की जाएगी. एसडीपीओ को भी करनी होगी निगरानी आइजी ने एसडीपीओ को भी इस व्यवस्था का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है. उन्हें हर सप्ताह मुख्यालय थाने को छोड़कर किसी अन्य थाने में अधिकारियों के रात्रि प्रवास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी. इसकी रिपोर्ट आइजी कार्यालय को भेजनी होगी. इन थानों में जाएंगे पटना के वरीय अधिकारी पटना के अलग-अलग वरीय पुलिस अधिकारियों के लिए

बीमा क्षेत्र की ग्रोथ में हिस्सेदारी का मौका, डीएसपी ने लॉन्च किया इंश्योरेंस

नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई और यह 28 सितंबर को बंद होगा

मुंबई ।

देश के तेजी से बढ़ते बीमा क्षेत्र की अपार संभावनाओं में निवेश करने की तलाश में जुटे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है।

डीएसपी म्युचुअल फंड ने डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ लॉन्च किया है, जो इस सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में पैसिव निवेश का विकल्प प्रदान करता है। यह ओपन एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) सीधे बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा, जिसका प्राथमिक लक्ष्य लंबी अवधि में निवेशकों के लिए पूंजी वृद्धि करना है। इस नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई थी और यह 28 सितंबर को बंद होगा।

इसके बाद निवेशक 7 अक्टूबर से इस स्कीम में दोबारा खरीद-बिक्री कर सकेंगे। निवेशक इस ईटीएफ में न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश की सुविधा है। इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और इसका एक्सपेंस रेशियो 0.30 फीसदी तक निर्धारित किया गया है। भारतीय बीमा क्षेत्र को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी वजह इसकी अपार विकास क्षमता है। वर्तमान में, भारत में जीडीपी में प्रीमियम का हिस्सा मात्र 3.7 फीसदी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 7.30 फीसदी है, जो इस क्षेत्र में वृद्धि की व्यापक गुंजाइश को दर्शाता है। प्रति व्यक्ति बीमा पर खर्च वैश्विक स्तर से काफी कम है, और नॉन-लाइफ इंश्योरेंस सेगमेंट सालाना 14.5 फीसदी की दर से बढ़ने के बावजूद अभी भी बड़े पैमाने पर अनछुआ है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाएं जागरूकता बढ़ा रही हैं, वहीं व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर 0 फीसदी जीएसटी जैसी अनुकूल नीतियां इस सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ने में मदद कर रही हैं। डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ एक पैसिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी अपनाएगा, जिसका अर्थ है कि यह बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल शेयरों में उसी अनुपात में निवेश करेगा जिस अनुपात में वे इंडेक्स में हैं। फंड का मुख्य उद्देश्य ट्रैकिंग एरर को कम रखते हुए अपने बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराना है।

पीबी फिनटेक के शेयर 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

पॉलिसीबाजार की पैरेंट कंपनी पीबी` फिनटेक के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। भारतीय बीमा नियामक आईआरडीएआई द्वारा बीमा वितरण कमीशन और खर्च से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव के प्रस्ताव के बाद स्टॉक करीब 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट ने निवेशकों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। आईआरडीएआई ने बीमा डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन स्ट्रक्चर पर सीमा लगाने का प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित बदलावों में हेल्थ इंश्योरेंस में कमीशन को 15-20 फीसदी और टर्म लाइफ इंश्योरेंस में इसे 25 फीसदी तक सीमित करने की बात कही गई है।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि ये सीमाएं सीधे तौर पर पीबी` फिनटेक के कारोबार की कमाई और मुनाफे पर नकारात्मक असर डालेंगी।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश में 2025-26 सत्र के लिए अतिरिक्त तंबाकू बिक्री को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के तंबाकू किसानों को बड़ी राहत दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने 2025-26 के फसल सत्र के लिए फ्लू-क्योर वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू की बिक्री के नियमों में ढील दी है। अब पंजीकृत और गैर-पंजीकृत दोनों प्रकार के उत्पादक अपनी अतिरिक्त उपज को तंबाकू बोर्ड के अधिकृत नीलामी मंचों पर बेच सकेंगे।

फ्लू-क्योर तंबाकू वह होता है जिसे धातु के पाइपों के जरिए पहुंचाई गई गर्मी से विशेष, धुआं-मुक्त भट्टियों में सुखाया जाता है। यह निर्णय वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव नितिन कुमार यादव के नेतृत्व में एक दल द्वारा जुलाई में आंध्र प्रदेश के बाजार हालातों की समीक्षा के बाद लिया गया है। बीते 24 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार केंद्र ने तंबाकू बोर्ड अधिनियम के एक प्रावधान के क्रियान्वयन में ढील दी है, जिससे अनाधिकृत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की बिक्री को भी अनुमति मिल गई है। यह कदम किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में सहायक होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 315, निफ्टी 77 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था पर अंतिम कारोबारी दिन इसमें तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 315.20 अंक करीब 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ ही 73,895.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 77.40 अंक तकरीब 0.34 फीसदी की तेजी दर्ज करते हुए 23,140.50 के स्तर पर बंद हुआ। यह बढ़त गुरुवार को हुई भारी बिकवाली के बाद बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा पूरी तरह से डगमगाया नहीं है। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स में शामिल 30 प्रमुख शेयरों में से 20 शेयरों ने बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि बाकी के 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के टॉप गेनर में एक्सिस बैंक सबसे आगे रहा, जिसमें 2.82 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। वहीं, ट्रेंट 1.41 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहा। निफ्टी के टॉप गेनर्स की बात करें तो एक्सिस बैंक (3.03फीसदी), एशियन पेंट्स (2.14फीसदी), महिंद्रा एंड महिंद्रा (1.75फीसदी), बजाज फाइनेंस (1.52फीसदी) और पावरग्रिड (1.16फीसदी) ने निवेशकों को मुनाफा दिया।

दूसरी ओर, निफ्टी के टॉप लूजर्स में मैक्स हेल्थकेयर (3.06फीसदी), टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (1.54फीसदी), इन्फोसिस (1.41फीसदी), ओएनजीसी (1.31फीसदी) और ट्रेंट (1.14फीसदी) शामिल रहे, जिन्होंने गिरावट दर्ज की। शेयर बाजार में आई इस अप्रत्याशित गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.83 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे चढ़कर 95.85 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू आयातकों, विशेषकर तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख के चलते डॉलर सूचकांक में व्यापक मजबूती घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रही है। हालांकि, कारोबारियों का कहना है कि मुद्रा बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हस्तक्षेप कर सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.92 पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार देखा गया और यह 95.85 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे टूटकर 95.99 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 101.28 पर था।

भारत का नया निवेश संधि मॉडल कैबिनेट मंजूरी के करीब

वित्त मंत्रालय ने कैबिनेट सचिवालय को भेजा मसौदा नोट

नई दिल्ली ।

सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत का नया मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) ढांचा तैयार हो चुका है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की संभावना है। वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए मसौदा नोट कैबिनेट सचिवालय को भेज दिया है। यह संशोधित मॉडल भारत की वार्ता प्रक्रियाओं को आसान बनाएगा और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। 2015 के मौजूदा मॉडल की जगह लेने वाले इस नए ढांचे में कुछ लक्ष्मण रेखाएं तय की गई हैं। इनमें कर से संबंधित कोई प्रावधान शामिल नहीं होगा, ताकि भारत अपनी कराधान संप्रभुता पर कोई समझौता न करे। इसके साथ ही स्थानीय कानूनी प्रावधानों को भी बीआईटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे। नया मॉडल विदेश में निवेश करने वाले भारतीय कंपनियों को भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है। मौजूदा ढांचे में विदेशी निवेशकों के लिए संधि-आधारित मध्यस्थता शुरू करने से पहले पांच साल तक इंतजार करना अनिवार्य है, जिसे अब और अधिक निवेशक-अनुकूल बनाने की मांग की जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के बजट में भी मौजूदा मॉडल में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। भारत इस समय कनाडा और ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ नई संधियों पर बातचीत कर रहा है।

भारत-अमेरिका ने रूस-ईरान प्रतिबंधों पर चर्चा की

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून पर भारत की चिंताएं दोहराईं

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका और भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के इतर उन देशों पर लगाए जा सकने वाले संभावित प्रतिबंधों पर गहन चर्चा की, जो रूस और ईरान से आर्थिक रूप से जुड़े हैं। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, रुबियो और जयशंकर ने पश्चिम एशिया और उससे आगे के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। रुबियो ने जोर देकर कहा कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में बेहतर स्थिति में है। जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून को लेकर भारत के हितों और चिंताओं को दोहराया। दोनों राजनयिकों ने सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी की महत्त्वपूर्ण भूमिका की भी पुष्टि की। जयशंकर ने एक्स पर इस मुलाकात को अच्छा बताया और खाड़ी तथा यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। इसी बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएन महासभा के इतर कई अन्य महत्वपूर्ण बैठकें भी कीं। उन्होंने भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की

बैठक में कैरेबियाई देशों के साथ आर्थिक, डिजिटल और आवागमन के क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कैरेबियाई क्षेत्र में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन व वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का अनुरोध किया। एक सकारात्मक घटनाक्रम के रूप में, भारत को प्रशांत द्वीप समूह फोरम (पीआईएफ) में रणनीतिक साझेदार श्रेणी में शामिल किया गया, जिसे जयशंकर ने इस क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग को और मजबूत करने वाला बताया।

आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बेचने वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन जारी

प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी की संशोधित बोलियां विचाराधीन

नई दिल्ली ।

सरकार आईडीबीआई बैंक में अपनी रणनीतिक हिस्सेदारी बेचने के लिए प्राप्त वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन कर रही है।

सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि यह विनिवेश प्रक्रिया स्थिर गति से आगे बढ़ रही है, जिसमें बैंक की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, अरबपति निवेशक प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी ने जुलाई में आईडीबीआई बैंक में यह हिस्सेदारी खरीदने के लिए अपनी संशोधित बोलियां जमा की थीं। प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, दोनों बोलीदाताओं को गृह मंत्रालय (एमएचए) से सुरक्षा मंजूरी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से उपयुक्त एवं उचित (fit and proper) होने का मूल्यांकन पहले ही मिल चुका है। दोनों बोलीदाताओं के पास भारतीय बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव है; एमिरेट्स एनबीडी ने इस साल की शुरुआत में आरबीएल बैंक में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की थी, जबकि फेयरफैक्स फाइनेंशियल के पास निजी क्षेत्र के सीएसबी बैंक में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह दूसरा मौका है जब इच्छुक

बोलीदाताओं ने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए वित्तीय बोलियां लगाई हैं। सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) मिलकर यह हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

डाबर-सेसा केयर विलय को एनसीएलटी की हरी झंडी

आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड से डाबर का पोर्टफोलियो मजबूत होगा

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी प्रमुख डाबर इंडिया को अपने आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड 'सेसा केयर' के विलय के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से शुक्रवार को मंजूरी मिल गई। इस विलय से डाबर का मौजूदा हेयर केयर पोर्टफोलियो और मजबूत होगा, साथ ही वृद्धि के नए अवसरों का भी लाभ मिलेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेसा केयर का एकीकरण डाबर की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है।

डाबर ने अक्टूबर 2024 में सेसा केयर में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद मई 2025 में इसके निदेशक मंडल ने पूर्ण विलय योजना को मंजूरी दी थी। कंपनी अधिनियम के तहत किसी भी विलय योजना के प्रभावी होने के लिए एनसीएलटी की मंजूरी अनिवार्य है।

डाबर के एक वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा` कि सेसा केयर का एकीकरण हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करने और वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। इस कदम से डाबर को बालों की देखभाल के क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आईआरडीएआई सुधारों से लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को होगा बड़ा वित्तीय लाभ

क्रेडिट-लाइफ कारोबार वाली कंपनियां रहेंगी फायदे में

नई दिल्ली।

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा एजेंटों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन में कटौती के लिए नए नियम प्रस्तावित किए हैं, जिससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को एक बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। सेंट्रम की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस ज़्यादा है, उन्हें इन बदलावों से विशेष रूप से फ़ायदा होगा क्योंकि कमीशन दरों में भारी कमी आने की संभावना है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक आईआरडीएआई के प्रस्तावित नियम पूरे लाइफ इंश्योरेंस उद्योग में कमीशन के भुगतान को कम करेंगे और कंपनियों को खर्चों पर अधिक सख्ती से नियंत्रण करने में मदद करेंगे।

इससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा, खासकर उन कंपनियों को फायदा होगा जिनके एनुअलाइज़्ड प्रीमियम इक्विवेलेंट में क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस का हिस्सा अधिक है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रेडिट-लाइफ प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरें घटाकर 2 प्रतिशत तक की जा सकती हैं, जिससे इन कंपनियों को प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ मिलेगा। प्रस्तावित नियमों के तहत, लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए एक्सपेंस ऑफ़ मैनेजमेंट की सीमा को` वित्त वर्ष 28 से शुरू होने वाले दो वर्षों के भीतर ग्रॉस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम के 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया जाएगा, जिसे बाद में पांच वर्षों के भीतर 12.5 प्रतिशत तक घटाया जाएगा। सेंट्रम का अनुमान है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियां अपने खर्च के स्तर को लगभग 10 प्रतिशत तक ला सकती हैं।

भारत में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह, 2025-26 में 94.53 अरब डॉलर

पीएलआई योजनाएं बनीं आर्थिक इंजन, लाखों रोजगार सृजित

नई दिल्ली ।

भारत ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को घोषणा की कि इस अवधि में देश को 94.53 अरब डॉलर का रिकॉर्ड एफडीआई प्राप्त हुआ, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक प्रवाह है। उन्होंने यह भी बताया कि 2014-15 से 2025-26 तक कुल संचयी एफडीआई प्रवाह 843 अरब डॉलर रहा है। मंत्री गोयल ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की सफलता पर भी प्रकाश डाला। 31 मार्च तक, इन योजनाओं के तहत 2.40 लाख करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश हुआ, जबकि 23.8 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन/बिक्री और 15.2 लाख करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया। इन योजनाओं ने 14.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार, दवा, चिकित्सा उपकरण, वाहन, आईटी हार्डवेयर और विशेष इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों को पीएलआई से उल्लेखनीय लाभ मिला है। मेक इन इंडिया अभियान की 12वीं वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पोस्ट में गोयल ने इन आंकड़ों को उत्साहजनक तस्वीर बताया। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत देश भर में नए औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित किए जा रहे हैं।

सरकार ने 27 सितंबर को सभी बैंक खुले रखने का किया ऐलान

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार को सामान्य रूप से कार्य करेंगे

नई दिल्ली।

बैंक संघों के संयुक्त मंच (यूएफबीयू) द्वारा 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए हैं। वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि 26 और 27 सितंबर के सप्ताहांत से जुड़ी इस हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार, 27 सितंबर को सामान्य रूप से कार्य करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितंबर को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों का कल्याण और सुविधा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील की है। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन्स ने उप मुख्य श्रम आयुक्त के समक्ष हुई सुलह बैठक में कोई नतीजा न निकलने के कारण हड़ताल का फैसला बरकरार रखा है। उनकी मुख्य मांगें पांच दिन की बैंकिंग समेत अन्य लंबित मुद्दे हैं। विशेष रूप से भारतीय स्टेट बैंक ने पुष्टि की है कि उसकी सभी शाखाएं रविवार, 27 सितंबर को खुली रहेंगी और सामान्य रूप से कामकाज करेंगी, ताकि ग्राहक अपनी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

भारतीय टेक सेक्टर में निवेश 10.3 अरब डॉलर पहुंचा, बड़े सौदों पर बढ़ा जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने जनवरी-सितंबर 2026 की अवधि में कुल 10.3 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 7 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि, आंकड़ा विश्लेषण मंच ट्रैक्सन की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो अब बड़े आकार के, केंद्रित सौदों की ओर बदलते रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में इसी अवधि में 9.7 अरब डॉलर और 2024 में 10 अरब डॉलर का निवेश आया था।

इस वर्ष सौदों की संख्या 1,838 से घटकर 1,134 रह गई। वैश्विक स्तर पर, 10.3 अरब डॉलर के निवेश के साथ भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वित्तपोषण प्राप्त करने वाला पांचवां सबसे बड़ा देश बना हुआ है, अमेरिका (444 अरब डॉलर) इस सूची में सबसे ऊपर है, जिसके बाद चीन, ब्रिटेन और सिंगापुर हैं।

निवेश के विभिन्न चरणों में, शुरुआती चरण का वित्तपोषण 27 प्रतिशत बढ़कर 4.2 अरब डॉलर और बाद के चरण का वित्तपोषण 4 प्रतिशत बढ़कर 5.4 अरब डॉलर हो गया।

वहीं, एकदम शुरुआती (सीड) चरण का वित्तपोषण 37 प्रतिशत घटकर 69.8 करोड़ डॉलर रह गया।

पहली बार वित्तपोषित होने वाली कंपनियों और सूनिकॉर्न (यूनिकॉर्न बनने की कगार पर) की संख्या में भी क्रमशः 30 फीसदी और 53 फीसदी की कमी आई।

जनवरी-सितंबर की अवधि में 10 करोड़ डॉलर या उससे अधिक के 18 बड़े वित्तपोषण सौदे हुए, जिनमें नेक्स्ट्रा का 1 अरब डॉलर और नैसा का 60 करोड़ डॉलर का निवेश प्रमुख रहा।

क्षेत्रवार, उद्यम बुनियादी ढांचा निवेश लगभग पांच गुना बढ़कर 1.6 अरब डॉलर हुआ, जबकि उद्यम अनुप्रयोग और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी क्रमशः 49 फीसदी और 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

झारखंड के 100 सीएचसी को अपग्रेड करने की तैयारी, 600 अतिरिक्त डॉक्टरों की होगी जरूरत

बिभा संवाददाता

रांची: राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और सुदृढ़ करने तथा सभी जिलों में 24*7 मरीजों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्तर तक पदों की रिस्ट्रक्चरिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इस संबंध में अपर मुख्य सचिव(स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग) अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गई.

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के सिविल सर्जन ऑनलाइन जुड़े. अपर मुख्य सचिव ने सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिया कि जिले में उपलब्ध पदों, आवश्यक पदों और अस्पतालों की वर्तमान स्थिति का आकलन कर पदों के पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार करें बैठक में पूर्व में दिये गये विधानसभा क्षेत्रवार 100 सीएचसी के उन्नयन पर विशेष रूप से चर्चा की गई, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक सीएचसी का चयन कर उसे अपग्रेड करने की योजना पर भी विचार-विमर्श हुआ.

उन्नयन के लिए प्रस्तावित और चयनित अस्पतालों में आवश्यक मानव संसाधन, चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा अन्य पदों की आवश्यकता का आकलन करने का निर्देश एसीएस अजय कुमार सिंह ने दिया. राज्य में विधानसभा क्षेत्रवार करीब 100 सीएचसी को अपग्रेड करने का लक्ष्य रखा गया है. अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर नए अस्पताल भवन बनकर तैयार हो चुके हैं, वहां आवश्यकतानुसार नए पदों का सृजन किया जाए और अनुपयोगी अथवा पुराने पदों को सरेंडर करते हुए उनका उपयोग नए पदों के सृजन में किया जाए.

सभी सिविल सर्जनों को अनुपयोगी पदों को प्रत्यर्पित करते हुए आवश्यक नए पदों के सृजन का प्रस्ताव 10 दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. बैठक में बताया गया कि 100 स्थानों को अपग्रेड करने के लिए अनुमानित करीब 600 चिकित्सकों की आवश्यकता होगी. चिकित्सकों की उपलब्धता और नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर भी सिविल सर्जनों को आवश्यक विचार-विमर्श करने का निर्देश दिया गया.

रांची जिले में बुंडू, नामकुम, सिल्ली, रातू, कांके और मांडर जैसे सीएचसी को अपग्रेड करने के प्रस्ताव पर भी बैठक में चर्चा हुई. इसके अलावा कुछ स्वास्थ्य केंद्रों को ट्रॉमा सेंटर के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया गया. इनमें तोपचांची, बरही, निरसा, हंसडीहा, बुंडू और चैनपुर शामिल हैं. बैठक में 30 बेड और 50 बेड के प्रस्तावित एमसीएच केंद्रों के साथ-साथ 100 बेड वाले जिला अस्पतालों के लिए भी चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ के पदों की रिस्ट्रक्चरिंग करने का निर्देश दिया गया.

अपर मुख्य सचिव ने प्रमंडलवार विधानसभा क्षेत्रों और वहां प्रस्तावित सीएचसी उन्नयन की स्थिति की समीक्षा की तथा जिला स्तर पर अस्पतालों की वर्तमान स्थिति का आकलन किया. उन्होंने कहा कि अस्पतालों के उन्नयन यानी अपग्रेडेशन के साथ पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराना भी जरूरी है. ताकि स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिल सके.

सीईआईआर पोर्टल से बरामद 1114 गुमशुदा मोबाइल एक ही दिन में धारकों को लौटाए

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड पुलिस ने गुम व चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत राज्यभर में बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्र सरकार के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की मदद से तकनीकी ट्रैकिंग कर पुलिस ने एक ही दिन में पूरे राज्य के विभिन्न जिलों से कुल 1,114 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को विधिवत सौंप दिए।

इस अभियान में सर्वाधिक 177 मोबाइल फोन कोडरमा जिले में बरामद कर लौटाए गए। इसके अलावा गिरिडीह में 105, सरायकेला में 103, पलामू में 97, सिमडेगा में 63, रामगढ़ में 61, बोकारो में 60, साहेबगंज में 54 और राजधानी रांची में 47 मोबाइल फोन धारकों को वापस दिए गए। वहीं लोहरदगा और देवघर में सबसे कम 9-9 फोन लौटाए गए।

झारखंड पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि खोए हुए मोबाइल वापस मिलने से न सिर्फ नागरिकों के आर्थिक नुकसान की भरपाई हुई है, बल्कि पुलिस और कानून-व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास भी और मजबूत हुआ है। पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से तकनीकी सर्विलांस का यह अभियान आगे भी सभी जिलों में निरंतर जारी रहेगा, ताकि आमजनों के खोए उपकरण सुरक्षित उन तक पहुंचाए जा सकें।

आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को सुप्रीम कोर्ट से झटका, नहीं रुकेगा मनी लॉन्ड्रिंग केस

रांची : आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ धनशोधन का मुकदमा जारी रहेगा.सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ अपराध का संज्ञान लेने वाले निचली अदालत के आदेश को निरस्त करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। ईडीकी ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने प्रधान न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को बताया कि इस अपराध का संज्ञान काफी समय पहले लिया गया था। पूजा सिंघल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि इस मामले में सीआरपीसी की धारा 197 के तहत किसी प्रशासनिक अधिकारी पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी नहीं दी गई थी।जब मुकदमा चलाने की मंजूरी न मिलने के संबंध में आपत्ति जताई गई, तो ईडी ने दलील दी कि नए कानून बीएनएसएस के तहत "स्वतः ही स्वीकृत मान लिए जाने" का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि पूजा सिंघल भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी नहीं हैं, और जहाँ तक धनशोधन मामले का संबंध है, उन्होंने अपनी आधिकारिक क्षमता में कार्य किया था। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि पूजा सिंघल के पास से 19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बरामद की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी की 97वीं एजीएम में बड़ा फैसला: 10 लाख तक का विशेष ऋण और 30 हजार मृत्यु लाभ

बोकारो(बिभा)। दक्षिण पूर्व , दक्षिण पूर्व मध्य और पूर्व तट रेलवे एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड की 97वीं वार्षिक आम सभा शुक्रवार को कोलकाता में संपन्न हुई। बैठक में शेयरधारकों और रेल कर्मचारियों के वित्तीय लाभ, डिजिटल सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कई दूरगामी और महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगाई गई। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में पीसीपीओ/एससीओआर एल.वी.एस.एस. पत्रुडू उपस्थित रहे। इस अवसर पर तीनों रेलवे जोन के प्रतिनिधि, निदेशक, अतिथिगण एवं बड़ी संख्या में शेयरधारक शामिल हुए। वार्षिक आम सभा में कर्मचारियों के लिए 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर 10 लाख तक के विशेष ऋण को मंजूरी दी गई, जो सोसाइटी के निर्धारित नियमों के तहत मिलेगा। इसके साथ ही पात्र सदस्यों के लिए नवीकरण ऋण (रिन्यूअल लोन) की अधिकतम सीमा को 6.50 लाख से बढ़ाकर 7.50 लाख कर दिया गया है। डिजिटल परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सोसाइटी ने आगामी 2 अक्टूबर से नई ऑनलाइन सुविधाओं की शुरूआत का ऐलान किया है। इसके तहत नए सदस्यों का ऑनलाइन नामांकन, लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन, सीएमटीडी बैलेंस की लाइव ट्रैकिंग और स्वैच्छिक सीएमटीडी भुगतान की सुविधा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। मृत्यु लाभ राशि तीन गुना हुई, 8वें वेतन आयोग के बाद नई स्लैब सोसाइटी ने सदस्यों के परिजनों को बड़ी राहत देते हुए मृत्यु लाभ (डेथ बेनिफिट) की राशि 10,000 से बढ़ाकर 30,000 कर दी है। इसके लिए डेथ बेनिफिट फंड में प्रति शेयरधारक वार्षिक अंशदान 30 से बढ़ाकर 90 किया जाएगा। इसके अलावा, 8वें वेतन आयोग के लागू होने के बाद कर्मचारियों के संशोधित वेतन के अनुसार नई सीएमटीडी स्लैब लागू की जाएगी तथा पूर्व में काटी गई जमानत राशि (श्योरिटी अमाउंट) को सत्यापन प्रक्रिया के बाद वापस करने का निर्णय लिया गया है। सोसाइटी के अध्यक्ष एस.पी. सिंह ने कहा कि ये सभी फैसले सदस्यों के कल्याण, वित्तीय सहायता और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने हाजीपुर स्टेशन का किया निरीक्षण

हाजीपुर(बिभा): पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग द्वारा शुक्रवार को हाजीपुर स्टेशन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में महाप्रबंधक द्वारा सकुर्लेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म सं. 05 की ओर स्थित द्वितीय प्रवेश द्वार आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा आदि का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक ने हाजीपुर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा उच्च गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य एवं उन्नत यात्री सुविधा की उपलब्धता पर विशेष बल देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। विदित हो कि स्टेशन पुनर्विकास योजना के माध्यम से स्टेशनों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। यात्री सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर प्लेटफॉर्म सुविधाओं, सुगम आवागमन, स्वच्छता एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र से जुड़े विकास कार्य यात्रियों को नया अनुभव प्रदान करेगा । निरीक्षण के दौरान सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित सरण सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे ।

धनबाद मंडल में चला विशेष स्वच्छता अभियान

धनबाद(बिभा): स्वच्छता ही सेवा अभियान के नौवें दिन धनबाद मंडल में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय, धनबाद एवं धनबाद रेलवे स्टेडियम में विशेष खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल गतिविधियों के माध्यम से छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के परस्पर संबंध के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत स्टेशन परिसरों, प्लेटफॉर्मों, रेल पटरियों एवं यात्री प्रतीक्षालयों की साफ-सफाई की गई ` सफाई अभियान के दौरान यात्रियों को रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहयोग देने तथा सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः बंद करने के लिए जागरूक किया गया।

उपायुक्त ने जल स्वच्छता समिति की बैठक में योजनाओं की गुणवत्ता पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में जल जीवन मिशन (जीजेएम) और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने चालू वित्तीय वर्ष में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण के लक्ष्य और प्रखंडवार प्रगति की जानकारी ली। पात्र लाभुकों के चयन में तेजी लाने और ऑनलाइन माध्यम का प्रभावी उपयोग करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत पूर्वी और पश्चिमी प्रमंडलों में संचालित मल्टी विलेज स्कीम और सिंगल विलेज स्कीम की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सहायक और कनीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि योजनाओं की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने नियमित स्थल निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी करने एवं योजनाओं से संबंधित दस्तावेजों को अद्यतन रखने तथा योजनाओं का भौतिक सत्यापन भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त संजय भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी बादल राज सहित संबंधित पदाधिकारी।अभियंता मौजूद थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे में हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

बिहान भारत

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा 2026 का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अनिल कुमार जैन, महाप्रबंधक, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अनिल कुमार, मुख्य राजभाषा अधिकारी के साथ अन्य प्रधान विभागाध्यक्ष भी शामिल हुए।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ शारदा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। मुख्यालय के कल्चरल टीम द्वारा सरस्वती वंदना और मनोहारी नृत्य प्रस्तुति ने सांस्कृतिक रंग भर दिया। इसके अलावा, विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों तथा हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महाप्रबंधक महोदय द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम का संचालन श्री संजय प्रसाद द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा अधिकारी, श्रीमती रीता कायम द्वारा किया गया।

बीएयू के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ अखिलेश कुमार सिंह का निधन

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के (बीएयू) वरिष्ठ प्रोफेसर और रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के एक्वाकल्चर विभाग के अध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार सिंह (63) का निधन शुक्रवार को कोलकाता में हो गया। डॉ सिंह पिछले कुछ वर्षों से अस्वस्थ थे और कोलकाता में इलाजरत थे। वे झारखंड में मात्स्यिकी विज्ञान के एकमात्र स्थायी शिक्षक और प्रोफेसर थे। आईसीएआर के सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन, मुंबई से मास्टर डिग्री करने के बाद उन्होंने वर्ष 1991 में आरवीसी के पशु उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। उनके प्रयासों से आरवीसी में अलग एक्वाकल्चर विभाग की स्थापना हुई और वहां डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ। उन्हीं की पहल पर गुमला में मात्स्यिकी विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हुई जिसके संस्थापक एसोसिएट डीन के रूप में उन्होंने कई वर्ष कार्य किया। डॉ सिंह ने मछली पालन और मात्स्यिकी विज्ञान पर आधा दर्जन से अधिक पुस्तकें लिखी और कई शोध परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषक रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान: आसनसोल मंडल में खेल, स्वच्छता एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

बिहान भारत

आसनसोल: जारी स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे ने शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर 10 गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के नौवें दिन आयोजित कार्यक्रमों में खेल, स्वच्छता एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से रेलवे परिसरों में स्वच्छता का संदेश दिया गया।

आसनसोल कॉलोनी में सफाई कर्मचारियों द्वारा खेल परिसर में स्वच्छता गतिविधियां की गईं। इसी क्रम में दुगार्पुर स्टेशन पर भी स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं।

एमडीजेडटीआई, भुली, धनबाद द्वारा ह्लस्वच्छता के लिए खेल एवं कार्यक्रम के बाद स्वच्छताह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से खेल गतिविधियों के जरिए स्वच्छता एवं स्वस्थ सहभागिता का संदेश दिया गया। खेल कार्यक्रम के बाद आयोजन स्थल पर स्वच्छता गतिविधियां की गईं। प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। आसनसोल एवं अंडाल स्टेशनों पर घर-घर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के दौरान प्लास्टिक बोतल कुचलने वाली मशीनों के उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई।

अभियान के नौवें दिन आयोजित गतिविधियों में खेल आधारित जागरूकता, कार्यक्रम के बाद स्वच्छता तथा प्रत्यक्ष जन-जागरूकता को शामिल किया गया। विभिन्न स्थानों पर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया गया।

धनबाद में मिलावटी खाद्य पदार्थों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई: गौतम डेयरी सील, भारी मात्रा में संदिग्ध पनीर व खोवा जब्त

धनबाद: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन एवं सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने शहर के कई प्रमुख प्रतिष्ठानों में औचक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान स्टील गेट स्थित गौतम डेयरी का संचालक टीम को देखते ही दुकान छोड़कर फरार हो गया। जांच में दुकान का एफएसएसएआई लाइसेंस एक्सपायर्ड पाया गया। मौके से 48 किग्रा संदिग्ध पनीर, 2 किग्रा घी और खोवा जब्त करते हुए दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वहीं पुलिस लाइन स्थित राकेश डेयरी से 10 किग्रा संदिग्ध पनीर जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त टीम ने सरायढेला स्थित रूफ 709, निर्मल स्वीट्स, रमेश डेयरी और बरटांड़ स्थित गंगा डेयरी से पनीर, घी व खोवा मिठाई के नमूने एकत्र किए। प्राथमिक जांच में संदिग्ध पाई गई सामग्रियों को जब्त कर रासायनिक जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, रांची भेजा गया है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों और बिना वैध लाइसेंस के कारोबार चलाने वालों के खिलाफ पूरे जिले में यह सघन अभियान लगातार जारी रहेगा। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंदन साव, चन्द्रदेव गंझू, जैस्मीन केरकेट्टा, नैना नायक सहित कई विभागीय कर्मी शामिल रहे।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने किया नवनिर्मित आयुर्वेदिक आरोग्यशाला का उद्घाटन

बिहान भारत

प्रयागराज: उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने शुक्रवार को प्रयागराज में नवनिर्मित आयुर्वेदिक आरोग्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी मुदित चंद्रा, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक गोपा मजूमदार, मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक व चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

उद्घाटन के दौरान महाप्रबंधक ने कहा कि रेल कर्मियों और उनके परिजनों को बेहतर व समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकताओं में शामिल है। आयुर्वेद भारतीय चिकित्सा परंपरा का आधार है और इसके विस्तार से कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण व जीवनशैली में व्यापक सुधार होगा। नवनिर्मित आरोग्यशाला में कर्मचारियों और उनके आश्रितों को प्राकृतिक उपचार, स्वास्थ्य परामर्श तथा जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव की सुविधाएं मिलेंगी।

उद्घाटन के बाद महाप्रबंधक ने निमार्णाधीन नए रेलवे अस्पताल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने भवन निर्माण, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की स्थापना और मरीजों के लिए प्रस्तावित सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य तय समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए, ताकि भविष्य में रेल कर्मियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हो सकें।

दानापुर मंडल में सुरक्षित पेयजल के लिए स्पेशल ड्राइव: 712 पानी टंकियों की हुई सफाई, 9 स्टेशनों पर लगेंगे नए क्लोरीनीकरण प्लांट

बिहान भारत

हाजीपुर: पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल द्वारा स्टेशनों, कार्यस्थलों और रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान (स्पेशल ड्राइव) चलाया जा रहा है। 20 अगस्त से शुरू किए गए इस अभियान के तहत मंडल के कुल 3,644 ओवरहेड, अंडरग्राउंड, आरसीसी और पीवीसी जल भंडारण टैंकों में से 20 सितंबर तक 712 टंकियों की सफाई और डिसइंफेक्शन का कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष टैंकों की सफाई तेजी से पूरी करने के लिए उच्चाधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

पेयजल की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए वर्तमान में पटना जंक्शन, राजेंद्रनगर, दानापुर स्टेशन, पीआरपी/दीघा और दानापुर रेलवे कॉलोनी में ऑटोमैटिक क्लोरीनीकरण प्लांट पहले से कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त किउल, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा, नवादा, जहानाबाद, राजगीर, आरा एवं बक्सर स्टेशनों पर नए ऑटोमैटिक क्लोरीनीकरण प्लांट स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है।

रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जल स्रोत से लेकर नल तक पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच और समीक्षा की जा रही है, ताकि आवश्यक स्थानों पर समय रहते फिल्ट्रेशन व वाटर ट्रीटमेंट किया जा सके। रेलवे प्रशासन यात्रियों और रेलकर्मियों को निर्बाध व शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के लिए कार्यस्थलों व कॉलोनियों में कमियों को चिह्नित कर सुधारात्मक कदम उठा रहा है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com